10 श्रेयस अय्यर....

झारखण्ड का अपना दैनिक
झारखण्ड उजाला
सच आप तक

12 दीपिका पादुकोण...

रांची, बुधवार, 01 जुलाई 2026 | पृष्ठ - 12 | मूल्य - 2 रुपये | रांची संस्करण | वर्ष- 06 | अंक -16 | RNI No. JHAHIN/2021/82144 | www.jharkhandujala.com

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई, सभी 42 प्रवासी श्रमिक ट्रेन से झारखण्ड के लिए रवाना

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए श्रम विभाग एवं राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष द्वारा तमिलनाडु गैस रिसाव हादसा में प्रभावित झारखण्ड के सभी 42 श्रमिकों की सुरक्षित झारखण्ड वापसी सुनिश्चित कर ली गई है। सभी श्रमिक ट्रेन से झारखण्ड के लिए रवाना हो चुके हैं। मालूम को कि तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में स्थित सेंट पीटर्स एंड पॉल सीफूड्स एक्सपोर्ट्स फैसिलिटी में 21 जून 2026 को हुई अमोनिया गैस रिसाव की दुःखद औद्योगिक दुर्घटना का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने कड़े निर्देश जारी किए थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों और राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष को

स्पष्ट आदेश दिया था कि प्रभावित झारखण्ड के सभी प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित और सकुशल गृह वापसी के लिए तत्काल हर संभव कदम उठाए जाएँ। मुख्यमंत्री के आदेश का पालन करते हुए श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग के सचिव व श्रमायुक्त के मार्गदर्शन में नियंत्रण कक्ष ने तिरुवल्लूर जिला प्रशासन, तमिलनाडु श्रम विभाग, रेलवे बोर्ड, दक्षिण रेलवे तथा अस्पताल प्रशासन के साथ चौबीसों घंटे समन्वय स्थापित कर रेस्क्यू और राहत अभियान चलाया।

सभी 42 प्रवासी श्रमिकों की सुरक्षित ट्रेन से रवानगी

इस औद्योगिक हादसे में झारखण्ड के कुल 42 प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया, जिन्होंने अपने गृह राज्य लौटने की इच्छा व्यक्त की। झारखण्ड सरकार के विशेष अनुरोध और सतत समन्वय के बाद, रेलवे प्रशासन द्वारा ट्रेन अलप्पुझाझ्रधनबाद एक्सप्रेस में झारखण्ड के श्रमिकों के लिए एक विशेष स्लीपर कोच स्वीकृत किया गया। इसके बाद मंगलवार को सभी 42 श्रमिक चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन से सकुशल झारखण्ड के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। यात्रा के दौरान इन श्रमिकों के लिए पैंट्री कार के माध्यम से भोजन-पानी तथा सुरक्षा के दृष्टिकोण से पर्याप्त रेलवे सुरक्षा बल की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई है।

मृतका सुश्री प्रीति देवी का पार्थिव शरीर हवाई मार्ग से लाया जा रहा है रांची

इस हादसे में धनबाद निवासी श्रमिक सुश्री प्रीति देवी का उपचार के दौरान चेन्नई के राजीव गांधी सरकारी सामान्य अस्पताल में दुःखद निधन हो गया था। झारखण्ड सरकार की पहल पर मृतका के परिजनों के तमिलनाडु आगमन, शव की पहचान, पोस्टमार्टम एवं अन्य वैधानिक औपचारिकताओं को शीघ्रता से पूर्ण कराया गया। तमिलनाडु सरकार के सहयोग से मृतका का पार्थिव शरीर मंगवार शाम हवाई मार्ग से बिरसा मुंडा हवाई अड्डा, रांची पहुँचेगा। झारखण्ड सरकार द्वारा एयरपोर्ट पर एम्बुलेंस की मुस्तैद व्यवस्था की गई है, जिसके माध्यम से पार्थिव शरीर को ससम्मान उनके गृह जिला धनबाद भेजा जाएगा। झारखण्ड सरकार पीड़ित परिवारों के साथ इस दुःख की घड़ी में मजबूती से खड़ी है। राज्य प्रवासी श्रमिक नियंत्रण कक्ष द्वारा नियोक्ता और संबंधित अधिकारियों के साथ निरंतर समन्वय किया जा रहा है, ताकि मृतका के परिजनों को नियमानुसार देय उचित मुआवजा और अन्य सभी वैधानिक लाभ जल्द से जल्द उपलब्ध कराए जा सकें।

जनरल धीरज सेठ ने नए सेना प्रमुख के तौर पर कार्यभार संभाला

एजेंसी

नयी दिल्ली। वरिष्ठ सैन्य अधिकारी जनरल धीरज सेठ ने मंगलवार को नए सेनाध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया. उनके नाम पश्चिमी मोर्चे पर सेना की दो अभियानगत सैन्य कमान के नेतृत्व की विशिष्ट उपलब्धि दर्ज है. जनरल सेठ ने 13 लाख सैनिकों वाली सेना की कमान ऐसे समय में संभाली है जब वह सीमाओं पर चुनौतियों का सामना करते हुए खुद को आत्मनिर्भर और भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ रही है. जनरल सेठ ने जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह ली है जो सशस्त्र बलों में 40 साल से अधिक के शानदार करियर के बाद मंगलवार को सेवानिवृत्त हुए. जनरल सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं. उन्हें दिसंबर 1986 में आर्मर्ड कोर में शामिल किया गया था. 31वें सेनाध्यक्ष (सीओएएस) बनने से पहले उन्होंने उप सेना प्रमुख के तौर पर सेवाएं दी थी.

जनरल सेठ ने ऐसे समय में सेनाध्यक्ष का पद संभाला है जब वैश्विक भू-रणनीतिक परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं. प्रौद्योगिकी में तरक्की और आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप की वजह से सुरक्षा के क्षेत्र में चुनौतियां और भी गंभीर होती जा रही हैं. रक्षा मंत्रालय ने पहले बताया था कि सैन्य कमांडर के पद पर पदोन्नति के बाद उन्होंने साउथ वेस्टर्न कमांड (जयपुर में स्थित) और सदर्न कमांड के जनरल ऑफिसर

कमांडिंग-इन-चीफ के तौर पर काम किया. इस तरह उन्हें पश्चिमी मोर्चे पर दो अभियानगत कमान का नेतृत्व करने का दुर्लभ गौरव प्राप्त है. लगभग चार दशकों के अपने सैन्य करियर के दौरान उन्होंने अभियानगत, रणनीतिक, दक्षता विकास और संस्थागत क्षेत्रों में व्यापक अनुभव प्राप्त किया जिससे भारतीय सेना की युद्ध-क्षमता और दीर्घकालिक परिवर्तन में महत्वपूर्ण योगदान मिला है. सेना मुख्यालय में रणनीतिक योजना और दक्षता विकास जैसे अहम विभागों में महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए उन्होंने सेना के आधुनिकीकरण की दिशा, दक्षता विकास की रूपरेखा और सेना की संरचना से जुड़ी दीर्घकालिक पहलों को आकार दिया. एक अप्रैल को उप सेना प्रमुख के तौर पर नियुक्ति से पहले वह पुणे स्थित सदर्न कमांड के प्रमुख थे. उनके नेतृत्व में इस विशिष्ट कमान ने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अभियान के लिए उच्च स्तर पर तत्परता बनाए रखी.

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने हूल दिवस पर संबोधित करते हुए कहा

जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा, पुरखों के सपने होंगे पूरे

झारखण्ड उजाला संवाददाता

रांची। आज हूल दिवस है. यह दिवस स्वाभिमान, संघर्ष और बलिदान के अमर प्रतीक के रूप में हर साल 30 जून को मनाया जाता है. 1855 में हुए अंग्रेजों के खिलाफ आंदोलन का सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो तथा अन्य जनजातीय शहीदों ने बिगुल बजाया था. इस मौके पर हर साल की तरह इस बार भी इन वीर सपूतों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई. राजधानी रांची के सिदो-कान्हू पार्क में श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों का तांता सुबह से लगा रहा. सीएम हेमंत सोरेन, विधायक कल्पना सोरेन के साथ यहां पहुंचे. इस मौके पर जेएमएम, कांग्रेस के कई नेता और कार्यकर्ता भी मौजूद रहे. सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित कर मुख्यमंत्री ने उन्हें नमन किया और उनके योगदान को याद

किया. मुख्यमंत्री ने हूल दिवस पर संबोधित करते हुए कहा कि आज का दिन वह दिन है जब शोषण के खिलाफ लोगों ने बिगुल फूंक दिया. उन्होंने कहा कि उस क्रांति के आंदोलनकारी शहीदों सिदो-कान्हू, चांद-भैरव जैसे लोगों ने देश में चल रहे शोषण के खिलाफ बिगुल फूंका. उन्होंने कहा कि उस आग की चिंगारी जलती रही और आज उस चिंगारी का फलाफल है कि अलग-अलग कालखंड में देश के विभिन्न स्थानों पर क्रांति होती रही और क्रांति का परिणाम एक अलग भारत देश बना, उसके बाद हम लोगों में संविधान बनाने की क्षमता आई.

वीर सपूतों की वजह से झारखंड कहलाया वीर भूमिः हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भी यह देखा जा रहा है कि क्रांति, संघर्ष जगह-जगह पर कमजोर वर्गों के माध्यम से ही शुरू होता है और आज हमें गर्व है कि इन वीर सपूतों की बदौलत झारखंड को हम वीर भूमि कहते हैं. हूल दिवस के अवसर पर राज्य में ऐसे महापुरुषों को हम याद करते हैं.

दमनकारी ताकत के खिलाफ बुलंद होगी आवाज

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके आदर्शों पर चलने की आवश्यकता है. उन्होंने कहा क्रांति की यह आग कभी बुझती नहीं है, इसे बुझाया भी नहीं जा सकता है, जब जब दमनकारी ताकतें आगे बढ़ेंगी तब तब यह क्रांति होती है, यह लड़ाई एक आदर्श और निष्पक्ष रूप से होती है इसीलिए यह क्रांति का जो दीया है वो सदा जलता रहता है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आपने ऐसे कई उदाहरण देखें होंगे कि क्रांति का दीया, ऐसे वीर शहीदों के स्थलों में निरंतर जलते रहते हैं. कई बार कुछ तत्वों द्वारा बुझाने का प्रयास होता है लेकिन वह बुझता नहीं है. आज हम वीर शहीद सिदो कान्हू जी को नमन करते हैं.

आज का विचार

झारखण्ड उजाला

श्री राजीव जयसवाल
हजारीबाग लोकसभा, सांसद प्रतिनिधि
जिला रामगढ़

इस जीवन का प्रथम लक्ष्य है दूसरों की सहायता करना। और यदि आप दूसरों की सहायता नहीं कर सकते तो कम से कम उन्हें आहत तो न करें

सर्राफा

सोना (बिक्री) : **1,49,560**
चांदी (प्रति किलो) : **2,55,000**
(नोटः सोना 22 कैरेट कीमत प्रति 10 ग्राम)

शेयर बाजार

सेंसेक्स :- **76,478.67**
निफ्टी :- **23,865.75**

मौसम

अधिकतम तापमान : **29** °
न्यूनतम तापमान : **23** °

सूर्योदय/सूर्यास्त

प्रातः :- **05:06**
संध्या :- **18:39**

आज का इतिहास

आज ही के दिन सन 2017 में भारत में ऐतिहासिक कर सुधार 'वस्तु एवं सेवा कर' (GST) लागू किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह पर पुलिस का शिकंजा, 3 हिरासत में

रांची। राजधानी के चुटिया थाना क्षेत्र में नौकरी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. मंगलवार को सिटी डीएसपी के नेतृत्व में चुटिया, लोअर बाजार और लालपुर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने केतारी बागान घाट रोड स्थित एक मकान में छापेमारी की. छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से तीन युवकों को हिरासत में लिया. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इन पर पैसे लेकर अवैध तरीके से नौकरी दिलाने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने का आरोप है. फिलहाल पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है. पूछताछ के आधार पर गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी की जा रही है. पुलिस यह भी पता लगा रही है कि आरोपियों ने अब तक कितने लोगों को अपना शिकार बनाया और ठगी की रकम कितनी है.

आधी रात को देसी बम के धमाके से दहला गांव, तीन जिंदा बम पुलिस ने किए निष्क्रिय

रांची। राजधानी के मांडर थाना क्षेत्र स्थित दजोर्जाड़ी (बोंडो) गांव में सोमवार देर रात अपराधियों ने एक ग्रामीण के घर पर देसी बम फेंककर दहशत फैलाने की कोशिश की. बदमाशों ने कुल चार देसी बम फेंके, जिनमें एक बम फट गया, जबकि तीन बम नहीं फटे. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों जिंदा बमों को सुरक्षित तरीके से निष्क्रिय कराया. घटना रात करीब 12 बजे की बताई जा रही है. अपराधियों ने कुलदीप खलखो के घर को निशाना बनाया. धमाके की तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकल आए, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे. राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने या संपत्ति को बड़ा नुकसान पहुंचने की सूचना नहीं है. घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है. पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया और घटनास्थल के पास से तीन जिंदा देसी बम बरामद किए.

युवा संवाद चौपाल यात्रा का भव्य समापन, सह कार्यकारिणी बैठक में 12 महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पतरातू: झारखंड प्रदेश युवा राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार यादव की अध्यक्षता में युवा राष्ट्रीय जनता दल, झारखंड द्वारा आयोजित ₹युवा संवाद चौपाल यात्रा₹ का भव्य समापन समारोह एवं सह कार्यकारिणी बैठक मंगलवार को मिडवे रिजॉर्ट, रांचीझपतरातू रोड (पतरातू) में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ हूल दिवस के अवसर पर भारत के महान स्वतंत्रता सेनानियों एवं आदिवासी वीर शहीद सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं श्रद्धांजलि देकर किया गया। वक्ताओं ने कहा कि हूल आंदोलन अन्याय, शोषण और अत्याचार के विरुद्ध संघर्ष का अमर प्रतीक है तथा आज भी युवाओं को संघर्ष, स्वाभिमान और सामाजिक न्याय की प्रेरणा देता है। इसके उपरांत आयोजित समापन समारोह एवं सह कार्यकारिणी बैठक में राज्यभर से आए पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, पदाधिकारियों एवं हजारों युवा कार्यकताओं ने भाग लिया। मौके पर मुख्य अतिथि जयप्रकाश नारायण यादव ने अपने संबोधन में कई महत्वपूर्ण बातें संगठन के लिए कही। पूर्व केंद्रीय मंत्री सह झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव ने कहा कि देश और समाज के निर्माण में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि युवा राष्ट्रीय जनता दल सामाजिक न्याय, संविधान, लोकतंत्र तथा गरीब, पिछड़े, दलित, आदिवासी एवं वंचित समाज के अधिकारों की लड़ाई को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को अपनी आवाज बनाएं तथा रोजगार, शिक्षा, महंगाई और सामाजिक असमानता जैसे मुद्दों पर लोकतांत्रिक संघर्ष को और तेज करें। उन्होंने विश्वास जताया कि झारखंड का युवा राजद आने वाले समय में संगठन को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाएगा। इस अवसर पर सत्यानंद भोक्ता, गौतम सागर राणा, सतीश दास, सुभाष प्रसाद यादव, गिरधारी गोप, अनीता यादव सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष तेज करने का संकल्प दोहराया। बैठक में युवा संवाद चौपाल यात्रा की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान, आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा एवं बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने सहित विभिन्न विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। सर्वसम्मति से पारित 12 महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए गए। प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार यादव का अध्यक्षीय संबोधन अपने अध्यक्षीय संबोधन में झारखंड प्रदेश युवा राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष रंजन कुमार यादव ने कहा कि ₹युवा संवाद चौपाल यात्रा₹ केवल संगठनात्मक अभियान नहीं, बल्कि झारखंड के युवाओं की आकांक्षाओं, संघर्षों और जनभावनाओं को समझने का एक व्यापक जनसंपर्क अभियान रहा है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान प्राप्त सुझावों और जनसमस्याओं को संगठन गंभीरता से उठाएगा तथा उनके समाधान के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करेगा। उन्होंने सभी जिला एवं प्रखंड इकाइयों से संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा राष्ट्रीय जनता दल झारखंड के हर गांव, पंचायत और शहर में जनता की आवाज बनकर कार्य करेगा। युवा संवाद चौपाल यात्रा को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सभी जिलाध्यक्षों को सम्मानित किया गया। अंत में सभी अतिथियों, पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा विश्वास व्यक्त किया गया कि युवा संवाद चौपाल यात्रा संगठन को नई ऊर्जा, नई दिशा और नए संकल्प के साथ आगे बढ़ाने में मील का पत्थर सिद्ध होगी। कार्यक्रम में संतोष यादव, शौकत अंसारी, जफीर खान, गुलशन खातून, विजय राम, क्षितिज मिश्रा, मंतोष यादव, इरफान अंसारी, कमलेश यादव, उदित यादव, सुधीर कुमार, ललन यादव, आनंद गोप, किशोर यादव, धर्मेंद्र सिंह, प्रतिक अंगार, लाल बाबू रजक, अजय यादव, शशि यादव, कुलदीप गोप, सुमित यादव, टिंकू गोप सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वज्रपात से किसान की गाय की मौत, मुआवजे की मांग

लोहरदगा: सोमवार दोपहर अचानक हुई तेज बारिश और वज्रपात ने कुडू प्रखंड की सलगी पंचायत के रोचो महुआ टोली निवासी सुखराम उरांव को बड़ा आर्थिक नुकसान पहुंचाया। वज्रपात की चपेट में आने से उनकी गाय की मौके पर ही मौत हो गई।सुखराम उरांव ने बताया कि उन्होंने अपनी गाय को खेत में घास चरने के लिए रस्सी से बांध रखा था। इसी दौरान अचानक बारिश शुरू हो गई और तेज वज्रपात होने से गाय उसकी चपेट में आ गई। घटना के बाद गाय ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। गाय की मौत से पीड़ित परिवार गहरे सदमे में है। पशुधन की क्षति से परिवार को आर्थिक झटका लगा है, क्योंकि गाय उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण साधन थी। पीड़ित ने प्रशासन से सरकारी प्रावधानों के तहत उचित मुआवजा देने की मांग की है, ताकि हुए आर्थिक नुकसान की कुछ भरपाई हो सके।

कलश यात्रा के साथ चंडी बाड़ी में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव शुरू

लोहरदगा: शहर के नवाड़ी पाड़ा स्थित सोनार मुहल्ला में नवनिर्मित मां चंडी बाड़ी मंदिर में तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा, महाआरती एवं भंडारा महोत्सव का शुभारंभ सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार और श्रद्धालुओं की जयघोष के बीच निकली कलश यात्रा से पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो गया।आयोजन समिति के अनुसार 29 जून से 1 जुलाई तक चलने वाले इस धार्मिक महोत्सव के पहले दिन सुबह सीठियो नदी से कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा बरवाटोली, महावीर चौक, राणा चौक और तिवारी चौक होते हुए मां चंडी बाड़ी मंदिर परिसर पहुंची। इसके बाद धार्मिक अनुष्ठान एवं भंडारे का आयोजन किया गया। मंगलवार, 30 जून को सुबह पूजन के बाद दोपहर 3 बजे भव्य नगर भ्रमण निकाला जाएगा, जो नवाड़ी पाड़ा, राणा चौक, गुदरी बाजार, तेतर तर, हटिया मुहल्ला और तिवारी चौक होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंचेगा। वहीं 1 जुलाई की सुबह 6 बजे वैदिक विधि-विधान के साथ मंदिर में देवी-देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी, जिसके बाद महाआरती और विशाल भंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।इस धार्मिक अनुष्ठान को आचार्य उत्तम शास्त्री, गोपाल पाण्डेय एवं रमेश मिश्रा के सान्निध्य में संपन्न कराया जा रहा है।आयोजन को सफल बनाने में मंदिर समिति के अध्यक्ष सतीश रंजन उरांव, सचिव मनीष सोनी, उपाध्यक्ष राकेश सिंह एवं कर्मा साहू, कोषाध्यक्ष रामदास प्रजापति, रंजीत सोनी सहित सदस्य राजकिशोर महतो, रविकांत सोनी, विजय सोनी, नवीन सोनी, सुशांत सोनी, राकेश सोनी, अभिषेक सोनी, हर्षित सोनी, बसंत महतो, संजय सोनी, अरविंद सोनी, शशि सोनी, हर्षित राय, सूरज महतो, धीरज सोनी, हिमांशु ठाकुर समेत अन्य सदस्य सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।मंदिर समिति ने सभी श्रद्धालुओं से प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव, महाआरती और भंडारा कार्यक्रम में आमंत्रित किया है।

ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया हूल दिवस

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: ब्लूमिंग बड्स पब्लिक स्कूल में मंगलवार को हूल दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें सिद्धो मुर्मू, कान्हू मुर्मू, चाँद मुर्मू, भैरव मुर्मू तथा वीरांगनाओं फूलो मुर्मू एवं झानो मुर्मू के अद्वितीय साहस, बलिदान और राष्ट्रप्रेम को नमन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। विद्यार्थियों ने हूल दिवस के इतिहास, महत्व और संथाल हूल आंदोलन पर प्रेरणादायक भाषण प्रस्तुत किए। इस अवसर पर देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ तथा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिन्होंने सभी को देशभक्ति और सामाजिक चेतना का संदेश दिया। विद्यालय के चेयरमैन श्री मुकेश कुमार गुप्ता ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहा कि, ₹हूल दिवस हमें साहस, आत्मसम्मान, एकता और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से अपने जीवन को सफल बनाना चाहिए तथा ईमानदारी, अनुशासन, परिश्रम और नैतिक मूल्यों को अपनाकर समाज और राष्ट्र के विकास में अपना योगदान देना चाहिए। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को महान स्वतंत्रता सेनानियों के जीवन से प्रेरणा लेकर देशभक्ति, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। अंत में विद्यालय परिवार ने हूल आंदोलन के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने तथा एक शिक्षित, जागरूक और सशक्त भारत के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया।

धनबाद सहित पूरे झारखंड में खुशी की लहर, हाजी अफसर कुरैशी ने कहा, कुनैन की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

धनबाद के कुनैन कुरैशी का राष्ट्रीय स्तर पर चयन, अंडर-25 इमर्जिंग मेंस टूनार्मेंट में दिखाएंगे दम

लोहरदगा: धनबाद सहित झारखंड के क्रिकेट प्रेमियों के लिए गर्व की बड़ी खबर सामने आई है। धनबाद जिले के प्रतिभाशाली युवा क्रिकेटर कुनैन कुरैशी का चयन अंडर-25 इमर्जिंग मेंस क्रिकेट टूनार्मेंट के लिए हुआ है। इस उपलब्धि से न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे धनबाद, झारखंड और धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन (डीसीए) में खुशी का माहौल है। कुनैन कुरैशी ने अपनी कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर राष्ट्रीय स्तर तक अपनी पहचान बनाई है। उनका चयन इस बात का प्रमाण है कि लगन और समर्पण के बल पर कोई भी खिलाड़ी बड़ी मंजिल हासिल कर सकता है। चयन की सूचना मिलते ही खेल प्रेमियों, क्रिकेट जगत और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाइयाँ देना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर भी उनके लिए शुभकामनाओं का सिलसिला जारी है। धनबाद क्रिकेट एसोसिएशन के सदस्यों ने विश्वास जताया है कि कुनैन आगामी मुकाबलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर धनबाद, झारखंड और देश का नाम रोशन करेंगे। उनकी सफलता जिले के अन्य युवा खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। इस अवसर पर कुरैश कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं जमैतुल कुरैश 84 पंचायत झारखंड के अध्यक्ष हाजी अफसर कुरैशी ने कुनैन कुरैशी को बधाई देते हुए कहा कि कुनैन कुरैशी ने अपनी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और अनुशासन के बल पर राष्ट्रीय स्तर पर जगह बनाकर पूरे समाज, धनबाद और झारखंड का गौरव बढ़ाया है। उनकी यह उपलब्धि युवाओं के लिए प्रेरणा है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए तो सफलता निश्चित मिलती है। मुझे विश्वास है कि कुनैन आने वाले मैचों में भी शानदार प्रदर्शन कर देश और राज्य का नाम रोशन करेंगे। पूरे कुरैश समाज की ओर से उन्हें हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएँ।

कटिया में SIR फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू

पतरातू: को ग्राम पंचायत कटिया बस्ती के पांच बुथ 255, 256, 257, 258 और 259 का वोटर लिस्ट मैपिंग के बाद आज से SIR फॉर्म भरने का काम शुरू किया गया। सभी बीएलओ को घर-घर जाकर फॉर्म को देना है और उसके बाद फॉर्म को जमा भी करके एक रिसीव कॉपी वोटर को देना है। यह प्रक्रिया 30 जून 2026 से 29 जुलाई 2026 तक यानी एक माह चलेगा। इस बीच सभी वोटर को फॉर्म भर लेना है। यह अति आवश्यक है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से भाजपा के बी एल ओ 2, मुखिया किशोर कुमार महतो, चंदन कुमार, विजय कुमार सिंह, राहुल कुमार, लक्ष्मी कुमारी, बी एल ओ गुड्डी देवी, सुनीता देवी, रेखा देवी, जानकी देवी, भूमिका कुमारी, इसके अलावा गणेश कुमार ठाकुर मनोज वर्मा प्रकाश कुमार संतोष कुमार आकाश कुमार सोनू कुमार कांति देवी रूपानी देवी अजय कुमार आदि उपस्थित थे।

लोहरदगा-गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन की आम बैठक संपन्न

सड़क सुरक्षा और ट्रक परिचालन की समस्याओं पर मंथन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: लोहरदगा- गुमला ट्रक ऑनर एसोसिएशन की आम बैठक सोमवार को चंदवा गैरेज लाइन स्थित एसोसिएशन कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के सचिव रोहित अग्रवाल ने की। बैठक में सड़क सुरक्षा, ट्रक परिचालन में आ रही समस्याओं और खनन क्षेत्र से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सभी ट्रक मालिकों से अपने चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कराने की अपील की गई। निर्णय लिया गया कि कोई भी चालक नशे की हालत में वाहन नहीं चलाएगा, सभी ट्रकों पर आगे-पीछे नंबर प्लेट, रेडियम पट्टी तथा आवश्यक दस्तावेज अनिवार्य रूप से उपलब्ध रहेंगे। साथ ही निर्धारित गति सीमा का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। एसोसिएशन ने बताया कि टूटूवा मोड़, बनारी, आदर, घाघरा, लोहरदगा, सेन्हा और चंदवा सहित विभिन्न स्थानों पर समय-समय पर सड़क सुरक्षा अभियान चलाकर ट्रकों की जांच की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को चिन्हित कर एक माह तक परिचालन से रोकने सहित आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। बैठक को संबोधित करते हुए एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह ने आरोप लगाया कि हेसल प्लांट में ट्रकों को दो से तीन दिनों तक सड़क पर खड़ा रखा जाता है, जिससे चालकों को भारी परेशानी होती है और स्थानीय लोगों को भी जाम का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि डीएमओ के आदेशों के कारण भी ट्रकों के परिचालन में कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं। नो-एंट्री समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में ट्रकों के एक साथ शहर में प्रवेश करने से लोहरदगा में जाम की स्थिति बन जाती है। एसोसिएशन ने प्रशासन से लोहरदगा के लिए शीघ्र बाईपास सड़क उपलब्ध कराने, हिंडाल्को द्वारा ट्रकों के अनावश्यक ठहराव पर डेमरेज शुल्क देने तथा समझौते के अनुरूप ट्रिप उपलब्ध कराने की मांग उठाई। बैठक में निर्णय लिया गया कि मंगलवार को एसोसिएशन का एक प्रतिनिधिमंडल लोहरदगा उपायुक्त एवं जिला खनन पदाधिकारी से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपेगा। साथ ही जिला सड़क सुरक्षा समिति में ट्रक, टेंपो और ट्रैक्टर सहित सभी परिवहन संगठनों के प्रतिनिधियों को शामिल करने की मांग भी रखी जाएगी। बैठक में जालिम माइंस एवं कुजाम माइंस की गाड़ियों के समायोजन पर भी चर्चा हुई, हालांकि इस संबंध में कोई अंतिम निर्णय नहीं हो सका। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह, सचिव मुद्रिका यादव, रोहित अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अभय कुमार सिंह, मीडिया प्रभारी राजेश कुमार शर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सैकड़ों ट्रक मालिक उपस्थित थे।

बीएफसीएल में पीपुल फर्स्ट कल्चर के तहत 142 कर्मचारियों का मनाया सामूहिक जन्मदिन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड, रामगढ़ में जून माह में जन्मदिन मनाने वाले कुल 142 अधिकारियों और कर्मचारियों के सम्मान में पीपुल फर्स्ट कल्चर और वन सेलिब्रेशन मेनी स्माइलस थीम के तहत 27 और 29 जून को सामूहिक जन्मदिन समारोह का भव्य आयोजन किया। इस समारोह में जीएफए एचएसपीए तथा हेड ऑफिस, रांची के कर्मचारी शामिल रहे। विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने एक साथ मिलकर इस विशेष अवसर को उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया। इस विशेष अवसर पर विभिन्न विभागाध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति रही । उनकी उपस्थिति ने कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम का आयोजन एचएएसपी कैंटीन जीएफए कैंटीन और मुख्य कार्यालय में किया गया, कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त करना, टीम भावना को सुदृढ़ करना तथा सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना रहा। समारोह के दौरान केक कटिंग की गई, शुभकामना संदेश दिए गए तथा सभी जन्मदिनधारी कर्मचारियों को सामूहिक रूप से बधाई दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने संबोधन में कहा कि कर्मचारियों की निष्ठा, परिश्रम एवं समर्पण ही कंपनी की निरंतर प्रगति का आधार है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन संगठन में आपसी सहयोग, विश्वास और पारिवारिक वातावरण को मजबूत करते हैं। बीएफसीएल अपने प्रत्येक कर्मचारी को परिवार का हिस्सा मानता है और उनकी खुशियों को अपनी सफलता का अभिन्न अंग समझता है। प्रबंधन ने सभी जन्मदिन मनाने वाले कर्मचारियों को उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

बीएफसीएल में अरुणा बुधिया मेमोरियल कैरम एंड चेस टूनार्मेंट 2026 का सफल समापन, विजेताओं को किया गया सम्मानित

रामगढ़। बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल), रामगढ़ में आयोजित ह्यअरुणा बुधिया मेमोरियल कैरम एंड चेस टूनार्मेंट 2026ह्न का सफलतापूर्वक समापन हुआ। कर्मचारियों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, खेल भावना, टीमवर्क एवं आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न विभागों के कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।टूनार्मेंट में कैरम सिंगल्स प्रतियोगिता में 70 प्रतिभागियों, कैरम डबल्स वर्ग में 16 टीमों तथा शतरंज प्रतियोगिता में 36 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभा, एकाग्रता एवं खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।रोमांचक मुकाबलों के बाद शतरंज प्रतियोगिता में ऋषभ गुप्ता विजेता बने। कैरम सिंगल्स में जितेंद्र प्रसाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि कैरम डबल्स प्रतियोगिता में जितेंद्र प्रसाद एवं सोमनाथ रॉय की जोड़ी ने विजेता का खिताब अपने नाम किया।समापन समारोह में विजेताओं को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों के उत्साह, अनुशासन और खेल भावना की सराहना की गई। उन्होंने प्रतिभागियों को बधाई देते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।प्रबंधन ने सभी प्रतिभागियों, आयोजकों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बीएफसीएल अपने कर्मचारियों के समग्र विकास और सकारात्मक कार्य संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए निरंतर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। ह्यअरुणा बुधिया मेमोरियल कैरम एंड चेस टूनार्मेंट 2026ह्न ने कर्मचारियों को एक साझा मंच प्रदान किया, जहाँ उन्होंने प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ आपसी सौहार्द और टीम भावना का भी परिचय दिया।यह आयोजन बीएफसीएल की कर्मचारी-केंद्रित संस्कृति एवं संगठन में सहभागिता और जुड़ाव को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग में किया हुल दिवस का आयोजन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग द्वारा संथाल हूल दिवस के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं संथाल हूल के महानायक सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव तथा फूलो-झानो के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने वीर शहीदों के बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन किया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी. एन. साह ने अपने संदेश में कहा कि संथाल हूल केवल एक विद्रोह नहीं, बल्कि भारत के स्वतंत्रता संघर्ष का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू और उनके साथियों का संघर्ष हमें अन्याय के विरुद्ध साहसपूर्वक खड़े होने तथा अपने अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरित करता है। सचिव प्रियंका कुमारी ने अपने उद्बोधन में कहा कि संथाल हूल भारतीय जनजातीय समाज के स्वाभिमान, अस्मिता और स्वतंत्रता चेतना का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से इतिहास के ऐसे गौरवशाली अध्यायों का अध्ययन कर उन्हें समाज तक पहुँचाने का आह्वान किया। कुलपति प्रो (डॉ)रश्मि ने कहा कि जनजातीय समाज के योगदान को राष्ट्रीय इतिहास में उचित स्थान दिलाना समय की आवश्यकता है। संथाल हूल हमें सामाजिक न्याय, समानता और आत्मसम्मान के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देता है। कुलसचिव प्रो (डॉ.) निर्मल कुमार मंडल ने अपने वक्तव्य में कहा कि 1855 का संथाल हूल अंग्रेजी शासन और शोषणकारी व्यवस्था के विरुद्ध जनआंदोलन था, जिसने आगे चलकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को नई दिशा प्रदान की।इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि संथाल हूल भारतीय इतिहास की एक अमूल्य धरोहर है। उन्होंने सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव तथा फूलो-झानो के संघर्ष और बलिदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि नई पीढ़ी को इनके आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए।कार्यक्रम का सफल मंच संचालन डॉ. ममता ने किया।इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, विभाग के अन्य व्याख्यातगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने संथाल हूल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

हूल दिवस पर सिद्धू-कान्हू को दिया श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

जल-जंगल-जमीन की रक्षा का लिया संकल्प

रामगढ़/गोला। हूल दिवस के अवसर पर आदिवासी संघर्ष मोर्चा एवं भाकपा-माले के कार्यकताओं ने गोला प्रखंड में सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव तथा फूलो-झानो की तस्वीरों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिला, पुरुष एवं बच्चों की सहभागिता रही। इस दौरान उपस्थित लोगों ने ₹हूल के शहीद अमर रहें₹, ₹जल-जंगल-जमीन की लड़ाई तेज करो₹, ₹आदिवासियत की रक्षा की लड़ाई तेज करो₹ तथा ₹कारपोरेट लूट नहीं चलेगी₹ जैसे नारे लगाकर आदिवासी अधिकारों की रक्षा का संकल्प दोहराया। सभा को संबोधित करते हुए देवकीनंदन बेदिया ने कहा कि 1855 के संथाल हूल की प्रासंगिकता आज भी उतनी ही है, जितनी सिद्धू-कान्हू के समय थी। उन्होंने कहा कि उस दौर में संघर्ष अंग्रेजी उपनिवेशवादी शासन के विरुद्ध था, जबकि आज आदिवासी समाज को अपने जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए नई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण आदिवासियों और किसानों की जमीनें कॉरपोरेट हितों के लिए प्रभावित हो रही हैं, जिसके खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रहेगा। वक्ताओं ने कहा कि सिद्धू-कान्हू, चांद-भैरव और फूलो-झानो का बलिदान आदिवासी समाज के स्वाभिमान, अधिकार और अस्मिता की रक्षा का प्रतीक है। उनके आदर्श आज भी समाज को अन्याय और शोषण के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम में आदिवासी संघर्ष मोर्चा एवं भाकपा-माले के प्रखंड सचिव सोहन बेदिया, शंकर मुंडा, धनेश्वर बेदिया, रंजीत बेदिया, जिला कमेटी सदस्य सोनी कुमारी, सरयू बेदिया, देवकीनंदन बेदिया सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे।

इनलैंड पावर लिमिटेड के सीएसआर पहल से आवासीय नेत्रहीन विद्यालय को मिली खाद्य सामग्री, बच्चों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

रामगढ़/गोला। इनलैंड पावर लिमिटेड के सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व) कार्यक्रम के तहत गोला प्रखंड के केनके स्थित दिव्यांग युवा विकास समिति आवासीय नेत्रहीन विद्यालय के बच्चों के बीच मासिक खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस सहयोग से विद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं प्रबंधन समिति में खुशी की लहर दौड़ गई। विद्यालय परिवार ने कहा कि यह सहयोग उनके लिए डूबते को तिनके का सहारा नहीं, बल्कि अंधेरे में नई उम्मीद की किरण साबित हुआ है। नियमित खाद्य सामग्री मिलने से बच्चों के पालन-पोषण और शिक्षा व्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि यदि क्षेत्र की अन्य औद्योगिक एवं कॉरपोरेट संस्थाएं भी अपने सीएसआर दायित्व के तहत ऐसे सामाजिक कार्यों में आगे आएं, तो अनेक गरीब एवं दिव्यांग बच्चों का भविष्य संवर सकता है। वहीं विद्यालय की ओर से बिस्टू कुमार महतो, सुदामा महतो, शंकर महतो, अनीता कुमारी सहती अन्य लोग मौजूद रहे। बताते चलें कि गोला प्रखंड क्षेत्र का यह एकमात्र आवासीय नेत्रहीन विद्यालय है, जहां दृष्टिबाधित बच्चों को शिक्षा, आवास एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य समाजसेवियों और स्थानीय सहयोग से संचालित किया जा रहा है। विद्यालय को किसी प्रकार का नियमित सरकारी अनुदान प्राप्त नहीं होता। सीमित संसाधनों के बावजूद यहां दिव्यांग बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे में इनलैंड पावर लिमिटेड द्वारा उपलब्ध कराई गई खाद्य सामग्री विद्यालय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी सहयोग मानी जा रही है। विद्यालय प्रबंधन ने इनलैंड पावर लिमिटेड के इस मानवीय प्रयास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज के सक्षम संस्थानों की ऐसी सहभागिता से दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

हूल दिवस पर सिद्धो कान्हू पार्क में लगा रहा तांता, राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने दी श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। हूल दिवस के मौके पर राजधानी रांची के सिद्धो-कान्हू पार्क में राजनीतिक-सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों का तांता लगा रहा. इस मौके पर भाजपा, कांग्रेस, आजसू, वामदल सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता और कार्यकताओं द्वारा सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई. हूल दिवस के मौके पर श्रद्धासुमन अर्पित करने पहुंचे भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, भाजपा विधायक सीपी सिंह सहित कई नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की. भाजपा द्वारा अपने पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत अमर शहीद स्थल भोगनाडीह और राजधानी रांची स्थित मोरहाबादी के सिद्धो कान्हू पार्क तथा प्रदेश भाजपा कार्यालय के साथ-साथ राज्य के सभी मंडलों में हूल क्रांति के अमर शहीद महानायक सिदो-कान्हो, चांद-भैरव, फूलो-झानो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई.

हूल दिवस स्वाभिमान और साहस का प्रतीक- आदित्य साहू

इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि हूल दिवस जनजातीय समुदाय के कड़े संघर्ष और बलिदान का प्रतीक है. आजादी की लड़ाई में झारखंड के जनजातीय समुदाय के महानायकों की उल्लेखनीय और अग्रणी भूमिका रही है. हूल दिवस केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि स्वाभिमान, साहस और स्वतंत्रता का अमर प्रतीक है. 30 जून 1855 को भोगनाडीह की धरती से वीर सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो के नेतृत्व में हजारों संथालों ने ब्रिटिश शासन, शोषण और अन्याय के विरुद्ध 'हूल' का शंखनाद किया. सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित हजारों सपूतों ने अपनी कुबार्नी दी है. यह जनआंदोलन जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और स्वाभिमान की रक्षा के लिए लड़ा गया, जिसने भारत के स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी. आदित्य साहू ने कहा कि हूल क्रांति के महानायकों के अद्वितीय शौर्य, त्याग, बलिदान और मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए उनके संघर्ष को कभी भुलाया और बिसराया नहीं जा सकता है. भारतीय जनता पार्टी ने ऐसे तमाम आजादी के मतवालों और नायकों को उचित सम्मान देने का काम किया है जबकि विपक्षी पार्टियों ने उनका उपहास उड़ाने का काम किया है. प्रधान, मानकी, मुंडा को जो सुविधाएं भाजपा सरकार द्वारा दी गईं, राज्य सरकार द्वारा उस अधिकार से उन्हें वंचित कर अपनी मानसिकता जाहिर करने का काम किया गया है.

हूल दिवस अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का संकल्प दिवस- कांग्रेस

हूल दिवस के अवसर पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं ने स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव तथा वीरांगनाओं फूलो-झानो को नमन करते हुए उनके बलिदान को याद किया. इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि 30 जून 1855 भारतीय इतिहास का वह गौरवशाली दिन है, जब संथाल परगना के भोगनाडीह से सिद्धो-कान्हू ने अंग्रेजी हुकूमत, महाजनी शोषण और जमींदारी अत्याचार के विरुद्ध शंखनाद किया. यह केवल एक विद्रोह नहीं था, बल्कि भारत की स्वतंत्रता के लिए संगठित जनआंदोलन की पहली बड़ी क्रांति थी, जिसने अंग्रेजी सत्ता की नींव हिला दी. उन्होंने कहा कि इतिहासकारों के अनुसार इस महान आंदोलन में सिद्धो कान्हू, चांद, भैरव, फूलो और झानो सहित हजारों आदिवासी वीरों ने मातृभूमि और अपने स्वाभिमान की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया.

हूल दिवस पर राष्ट्रीय कार्यशाला में बोले वक्ता- कॉर्पोरेट मॉडल नहीं, स्थानीय जरूरतों पर आधारित विकास नीति अपनाए सरकार

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड विधानसभा से पारित 1931 के खतियान आधारित डोमिसाइल कानून को अब तक लागू नहीं किया जाना असंवैधानिक है. झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध राज्यों का लगातार आर्थिक शोषण हो रहा है, जबकि यहां के लोगों को विकास का लाभ नहीं मिल रहा. यह बातें ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट (एआईपीएफ) के संस्थापक सदस्य अखिलेन्द्र प्रताप सिंह ने मंगलवार को पुराना विधानसभा परिसर में हूल दिवस के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में कहीं. उन्होंने कहा कि आदिवासियों और मूल निवासियों को सरकारी नौकरियों में प्राथमिकता, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेंशन और भूमिहीनों को आवासीय भूमि जैसे अधिकार सुनिश्चित किए जाने चाहिए. मुख्य वक्ता वैज्ञानिक डॉ. दिनेश अबरोल ने कहा कि मौजूदा कॉर्पोरेट केंद्रित विकास मॉडल आम लोगों को हाशिए पर धकेल रहा है. देश को किसान, मजदूर और छोटे-मझोले उद्यमों पर आधारित स्वदेशी एवं लोकतांत्रिक अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ना होगा.

झारखंड की पूंजी बाहर जा रही, गरीबों की हो रही आर्थिक लूट

एआईपीएफ के झारखंड प्रभारी विजय सिंह ने आरोप लगाया कि राज्य में बैंकों में जमा करीब 60 प्रतिशत पूंजी दूसरे राज्यों में चली जाती है. वहीं, माइक्रोफाइनेंस और चिटफंड कंपनियां गांवों में महिलाओं और गरीब परिवारों का आर्थिक शोषण कर रही हैं. उन्होंने इन कंपनियों पर सख्त नियंत्रण और झारखंड की पूंजी को राज्य के विकास में लगाने की मांग की. अखिलेंद्र प्रताप सिंह ने जनगणना में अलग आदिवासी धर्म कोड लागू करने की मांग दोहराते हुए कहा कि केंद्र सरकार इस मुद्दे पर निर्णय लेने से बच रही है. उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की लंबे समय से चली आ रही इस मांग को स्वीकार किया जाना चाहिए.

रांची डीसी ने किया ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था और मशीनों के रख-रखाव की ली जानकारी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार को नगड़ी स्थित ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण कर वहां की सुरक्षा व्यवस्था और मशीनों के रख-रखाव की समीक्षा की. इस दौरान उन्होंने ईवीएम और वीवीपैट मशीनों के सुरक्षित संरक्षण, अभिलेखों के संधारण और वेयर हाउस में लागू सुरक्षा मानकों का जायजा लिया. इस मौके पर उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे.

एउक के दिशा निदेर्शों का पालन सुनिश्चित हो: उपायुक्त

निरीक्षण के दौरान रांची उपायुक्त ने अधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निदेर्शों का पूरी गंभीरता से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है. उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मशीनों के रख-रखाव, सुरक्षा व्यवस्था और निर्धारित प्रक्रियाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी. वेयर हाउस में उपलब्ध व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने आवश्यक सुधार संबंधी निर्देश भी दिए. उपायुक्त ने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि वेयर हाउस में प्रवेश, निगरानी और रिकॉर्ड संधारण से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं निर्वाचन आयोग के मानकों के अनुरूप संचालित हों. उन्होंने कहा कि समय-समय पर होने वाले निरीक्षण का उद्देश्य व्यवस्थाओं का आकलन करना और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें और अधिक मजबूत बनाना है, ताकि भविष्य में होने वाले किसी भी चुनाव के लिए मशीनें पूरी तरह सुरक्षित और संरक्षित रहें.

मशीनों के सुरक्षित रख-रखाव का निर्देश

उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि ईवीएम वेयर हाउस की सुरक्षा और मशीनों का सुरक्षित रख-रखाव निर्वाचन प्रक्रिया की विश्वसनीयता से जुड़ा विषय है. सभी अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें. सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा.

बाबा बैद्यनाथ धाम के लिए अतिरिक्त उड़ानों की मांग, इरफान अंसारी ने लिखा पत्र

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने देवघर एयरपोर्ट से उड़ान सेवाएं बंद किए जाने की खबरों पर कड़ी आपत्ति जताई है. उन्होंने केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को पत्र लिखकर इस फैसले को वापस लेने की मांग की है. अपने पत्र में इरफान अंसारी ने कहा है कि देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम देश के सबसे बड़े धार्मिक स्थलों में गिना जाता है. हर साल यहां करोड़ों श्रद्धालु दर्शन और जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं. श्रावण मास के दौरान तो श्रद्धालुओं की संख्या और भी ज्यादा बढ़ जाती है. ऐसे में उड़ान सेवाओं में कमी या उन्हें पूरी तरह बंद किया जाना श्रद्धालुओं के लिए बड़ी मुश्किल खड़ी कर सकता है. स्वास्थ्य मंत्री ने पत्र में लिखा है कि यात्रा महंगी हो जाएगी और लोगों का समय भी ज्यादा खर्च होगा. उनका कहना है कि सरकार से उम्मीद की जा रही थी कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए देवघर से अतिरिक्त उड़ानें शुरू की जाएंगी, लेकिन इसके बजाय मौजूदा सेवाओं को बंद करने की चर्चा चल रही है, जो ठीक नहीं है. इरफान अंसारी ने केंद्रीय मंत्री के साथ-साथ प्रधानमंत्री से भी इस मामले में सीधे हस्तक्षेप करने की अपील की है. उन्होंने मांग की है कि देवघर की सभी उड़ानें पहले की तरह चलती रहें और श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए नई उड़ानें भी जोड़ी जाएं. पत्र में मंत्री ने यह भी साफ कर दिया है कि अगर सरकार ने अपना फैसला नहीं बदला तो श्रद्धालुओं के हित में आंदोलन का रास्ता भी अपनाया जा सकता है. उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार श्रद्धालुओं की भावनाओं को समझते हुए सही फैसला लेगी.

मतदाता सत्यापन अभियान आज से शुरू, 2.64 करोड़ वोटरों का होगा वेरिफिकेशन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड में मंगलवार से मतदाता सत्यापन (स्पेशल रिवीजन/रफ) और इन्यूमरेशन प्रक्रिया की शुरूआत हो चुकी है. इस अभियान में राज्य के 2 करोड़ 64 लाख 63 हजार 236 मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा. चुनाव आयोग ने इसके लिए सभी बूथों पर इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध करा दिए हैं. अब बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं से संपर्क करेंगे और जानकारी जुटाएंगे. राज्यभर में इस कार्य के लिए 31,892 बीएलओ तैनात किए गए हैं. वहीं, राजनीतिक दलों की ओर से करीब 74,500 बीएलओ-2 भी नियुक्त किए गए हैं, जो इस प्रक्रिया में सहयोग करेंगे.

सत्यापन के दौरान मतदाताओं से उनकी जन्मतिथि के आधार पर जानकारी ली जाएगी. 1 जुलाई 1987 से पहले जन्मे मतदाताओं का केवल स्वयं का विवरण दर्ज होगा. 1 जुलाई 1987 से 2004 के बीच जन्मे मतदाताओं से पिता की जानकारी ली जाएगी, जबकि 2004 के बाद जन्मे मतदाताओं के मामले में माता-पिता दोनों का विवरण मांगा जाएगा. चुनाव आयोग ने राज्य से बाहर रहने वाले मतदाताओं के लिए भी विशेष व्यवस्था की है. ऐसे मतदाताओं की ओर से उनके माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी या भाई-बहन रिश्ते का उल्लेख करते हुए फॉर्म पर हस्ताक्षर कर सकते हैं. बीएलओ पांच श्रेणियों के मामलों को अलग रिपोर्ट के साथ वापस करेंगे. इनमें डुप्लीकेट मतदाता, मृत मतदाता, स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके मतदाता, लापता मतदाता और हस्ताक्षर करने से इनकार करने वाले मतदाता शामिल हैं. वहीं, जिन्होंने किसी अन्य देश की नागरिकता ले ली है, उनका फॉर्म बिना हस्ताक्षर के वापस किया जाएगा. चुनाव आयोग के अनुसार राज्य में मतदाताओं की 82.10 प्रतिशत मैपिंग पूरी हो चुकी है. फिलहाल करीब 47 लाख मतदाता अनमैप्ड हैं, लेकिन इनमें एएसडी और डुप्लीकेट मतदाता भी शामिल हैं. अंतिम स्थिति 5 अगस्त को प्रक्रिया पूरी होने के बाद स्पष्ट होगी. आयोग ने यह भी बताया कि नागरिकता के सहायक दस्तावेज के रूप में पासपोर्ट भी मान्य होगा. वहीं, 1 अक्टूबर 2024 के बाद 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले नए मतदाता भी आवेदन कर सकेंगे.

हूल दिवस पर तमाड़ में सिद्धो कान्हू, चांद-भैरव व भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तमाड़। भाजपा सहित सामाजिक कार्यकताओं ने हूल दिवस पर मंगलवार को सिद्धो कान्हू चांद भैरव को याद कर नमन किया। जानकारी हो कि 30 जून 1855 को संथाल परगना के भोगनाडीह से अंग्रेजी हुकूमत, साहुकार एवं जमीन दारी प्रथा के खिलाफ संथाल आदिवासी के सिद्धू कान्हू, चांद भैरव आदि ने प्रथम हूल अर्थात विद्रोह प्रारंभ किया था। इस लड़ाई में हजारों संथाल आदिवासियों के जान गए थे। आज के दिन आदिवासी समुदाय ही नहीं अपितु समस्त झारखंड वासियों द्वारा उन वीर शहीदों के चित्र के समक्ष पुष्पांजलि अर्पित करते हुए नमन करते हैं। इसी निमित्त आज तमाड़ के रायडीह ब्लॉक मोड़ पंजाब नेशनल परिसर में सिद्धू कान्हू चांद भैरव भगवान बिरसा मुण्डा को नमन किया गया। पुष्पांजलि अर्पित कर नमन करने वालों में लक्ष्मण सिंह मुण्डा, महेश मुण्डा, भाजपा मंडल अध्यक्ष महावीर सोनी, महामंत्री भारती कुमारी, भाजयुमो अध्यक्ष चंदन साहु, तुलसी मुण्डा, शिशुपाल पातर, कन्हाई पातर, सती देवी, अमीन महतो, लाल मोहन मुण्डा, आकाश मुण्डा, विकास अधिकारी सहित कई कार्यकर्ता शामिल थे।

रांची सदर अस्पताल में बड़ी चिकित्सकीय सफलता, सर्जरी से निकाली गई 1.45 किलो की विशाल तिल्ली

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। सरकारी अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का एक और उदाहरण सामने आया है. रांची सदर अस्पताल के सर्जरी विभाग ने एक जटिल ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है. जिसमें बुंडू प्रखंड के आनेडीह गांव की रहने वाली सुलोचना देवी की 1.45 किलोग्राम वजनी विशाल तिल्ली (स्प्लीन) को लैप्रोस्कोपिक तकनीक से सफलतापूर्वक निकाल दिया. ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा और अब मरीज स्वस्थ होकर घर लौट रही हैं. खास बात यह है कि यह पूरा इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत पूरी तरह निःशुल्क किया गया.

लंबे समय से पेट दर्द से जूझ रही थी मरीज

सुलोचना देवी पिछले कई वर्षों से लगातार पेट दर्द, पेट में भारीपन और अत्यधिक कमजोरी की समस्या से परेशान थी. बीमारी के कारण उनका सामान्य जीवन प्रभावित हो गया था. परिवार ने कई अस्पतालों और चिकित्सकों से इलाज कराया, लेकिन बीमारी का सही कारण सामने नहीं आ सका. कुछ अस्पतालों में जांच के दौरान चिकित्सकों ने खून की गंभीर बीमारी और कैंसर जैसी आशंका भी जताई, जिससे पूरा परिवार मानसिक तनाव में आ गया था.

गरीब परिवार के लिए इलाज बन गया था चुनौती

मरीज के पति मृत्युंजय महतो एक छोटा किसान है. सीमित आय के कारण बेहतर इलाज कराना परिवार के लिए आसान नहीं था. इसके बावजूद उन्होंने पत्नी की इलाज के लिए कई अस्पतालों के चक्कर लगाए. आर्थिक परेशानियों के बीच परिवार लगातार इस उम्मीद में था कि बीमारी का सही कारण पता चल सके और पत्नी को राहत मिले.

सदर अस्पताल में गंभीर बीमारी हुई डिटेक्ट

आखिरकार मरीज ने रांची सदर अस्पताल के सर्जरी विभाग में परामर्श लिया. यहां चिकित्सकों ने विस्तृत जांच कराई तो पता चला कि मरीज की तिल्ली सामान्य से कई गुना बड़ी हो चुकी है. साथ ही उनके शरीर में खून की भी भारी कमी थी. उनका हीमोग्लोबिन स्तर मात्र 5 ग्राम प्रति डेसीलीटर के आसपास था. कई बार रक्त चढ़ाने के बावजूद कुछ ही दिनों में हीमोग्लोबिन दोबारा घट जाता था. जिससे चिकित्सकों को गंभीर बीमारी की आशंका हुई. रिम्स में कराई गई एमआरआई जांच में मरीज की तिल्ली का आकार लगभग 26.16 सेंटीमीटर पाया गया, जो सामान्य आकार से कई गुना बड़ा था. मामले की गंभीरता को देखते हुए सदर अस्पताल के चिकित्सकों ने ऑन्कोलॉजी विभाग के विशेषज्ञों से भी सलाह ली. विशेषज्ञों ने तिल्ली निकालने और उसके ऊतकों की बायोप्सी कराने की सलाह दी।

हूल दिवस पर राज्यपाल ने सिदो-कान्हू को दी श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने हूल दिवस के अवसर पर लोक भवन में हूल क्रांति के अमर महानायक सिदो-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि हूल क्रांति भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का गौरवशाली अध्याय है. उन्होंने कहा कि सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो सहित हूल आंदोलन के सभी वीर सेनानियों ने अन्याय, शोषण और औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध अदम्य साहस का परिचय दिया. उनका त्याग, संघर्ष और राष्ट्रप्रेम आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्त्रोत है. राज्यपाल ने कहा कि हूल दिवस हमें वीर शहीदों के बलिदान को याद करने और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है.

पीएम आवास योजना की बढ़ेगी रकम, झारखंड की मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने केंद्र के सामने रखी मांग

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत मिलने वाली सहायता राशि बढ़ाने की जोरदार मांग उठाई है. उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि मौजूदा 1.20 लाख रुपये की राशि को बढ़ाकर 2 लाख रुपये किया जाए, ताकि लाभुक बेहतर और समय पर अपना पक्का घर बना सकें. उन्होंने यह मांग दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ग्रामीण विकास सम्मेलन के दौरान केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के समक्ष रखी.

आवास निर्माण की लागत बढ़ने का दिया हवाला

सम्मेलन में मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में निर्माण सामग्री और मजदूरी की लागत में लगातार बढ़ोतरी हुई है. ऐसे में 1.20 लाख रुपये में गुणवत्तापूर्ण आवास का निर्माण करना लाभुकों के लिए कठिन होता जा रहा है. उन्होंने कहा कि सहायता राशि बढ़ाना अब केवल एक मांग नहीं, बल्कि समय की आवश्यकता बन चुकी है. उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार सहायता राशि को 2 लाख रुपये कर देती है तो ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब परिवारों को सुरक्षित और टिकाऊ आवास उपलब्ध कराने का लक्ष्य अधिक प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकेगा. ग्रामीण विकास मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत स्ट्रांग फैब्रिकेटेड स्ट्रक्चर वाले मकानों के निर्माण का भी सुझाव दिया. उनका कहना था कि इस तकनीक से कम समय में मजबूत और टिकाऊ घर तैयार किए जा सकते हैं. इससे निर्माण कार्य में होने वाली देरी भी काफी हद तक कम होगी. उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक तकनीक के उपयोग से आवास निर्माण की गुणवत्ता बेहतर होगी और लाभुकों को समय पर अपने घर का लाभ मिल सकेगा.

एकमुश्त भुगतान की व्यवस्था लागू करने की मांग

दीपिका पांडेय सिंह ने सम्मेलन में यह भी सुझाव दिया कि लाभुकों को आवास निर्माण के लिए किस्तों में भुगतान करने के बजाय एकमुश्त राशि उपलब्ध कराई जाए. उनके अनुसार, कई बार अलग-अलग किस्तों में राशि मिलने के कारण निर्माण कार्य बाधित हो जाता है और लाभुकों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है.उन्होंने कहा कि एकमुश्त भुगतान की व्यवस्था लागू होने से निर्माण कार्य तेजी से पूरा होगा और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में भी सरलता आएगी. राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी अबुआ आवास योजना को लेकर भी मंत्री ने केंद्र सरकार के सामने महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा. उन्होंने मांग की कि इस योजना के तहत आवास निर्माण करने वाले लाभुकों को मनरेगा के माध्यम से 90 दिनों की मजदूरी भुगतान की स्वीकृति दी जाए.

बुंडू में रक्तदान जागरूकता के लिए 'जय हो सेवा संस्था' सम्मानित, संस्थापक राजकिशोर कुशवाहा ने क्षेत्र के रक्तदाताओं को समर्पित किया सम्मान

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बुंडूः रक्तदान के प्रति जन-जागरूकता फैलाने और लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित करने में उत्कृष्ट योगदान के लिए जय हो सेवा संस्था को रांची के सदर अस्पताल स्थित ब्लड सेंटर द्वारा सम्मानित किया गया। यह सम्मान संस्था के निरंतर सामाजिक प्रयासों और रक्तदान अभियान में सक्रिय भूमिका के लिए प्रदान किया गया। रांची में आयोजित सम्मान समारोह में संस्था की ओर से अध्यक्ष पवन महतो, सदस्य धनेश महतो, मोहम्मद सेराज, मनोज पाठक एवं रमन सिंह उपस्थित रहे। सभी ने संस्था की ओर से सम्मान ग्रहण किया। इस उपलब्धि पर संस्था के संस्थापक राजकिशोर कुशवाहा ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान जय हो सेवा संस्था के रक्तदान शिविरों में भाग लेने वाले सभी रक्तवीरों तथा पूरे पांचपरगना क्षेत्र की जनता को समर्पित है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों के सहयोग और विश्वास के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं थी। राजकिशोर कुशवाहा ने बताया कि पांचपरगना क्षेत्र में पहला रक्तदान शिविर आयोजित करने की पहल जय हो सेवा संस्था ने ही की थी। संस्था के इस प्रयास से प्रेरित होकर आज कई अन्य सामाजिक संगठन भी नियमित रूप से रक्तदान शिविरों का आयोजन कर रहे हैं। इससे क्षेत्र में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ी है और जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में काफी मदद मिली है। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान कर मानवता की सेवा में योगदान देना चाहिए। संस्था के पदाधिकारियों ने इस सम्मान के लिए सदर अस्पताल रांची के ब्लड सेंटर प्रबंधन का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी समाजहित में इसी प्रकार कार्य करते रहने का संकल्प दोहराया।

तीनपहाड़ में चतुर्थवर्गीय कर्मचारी ने अपना हाथ का नस काटकर आत्महत्या करने का किया प्रयास

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तीनपहाड़/साहिबगंज। तीनपहाड़ क्षेत्र अंतर्गत हाथीगढ़ स्थित पशु चिकित्सा केंद्र में पदस्थापित चतुर्थवर्गीय कर्मचारी ने अपना बाया हाथ का नस काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया।मिली जानकारी के अनुसार साहिबगंज के हबीबपुर पाइप लाइन निवासी महमूद आलम जो कि तीनपहाड़ के पशु चिकित्सा केंद्र में पदस्थापित है जिन्होंने सोमवार की संध्या अपने बाए हाथ का नस काटकर आत्महत्या करने का प्रयास किया।वही पुलिस को इसकी सूचना तब मिली जब मंगलवार की सुबह पास के ही एक बच्चे ने अपनी बकरी के लिए दवा लेने पशुचिकित्सा केंद्र गया और मौके पर खून से लथ पथ बेसुद पड़े एक व्यक्ति को देखा और अपने घरवालों को आकर बताया जिसके बाद मौके पर लोगो की भीड़ जुट गई जिसके बाद तुरंत घटना की सूचना तीनपहाड़ थाना पुलिस को दी गई सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन फानन में घायल व्यक्ति को राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया।इलाज उपरांत व्यक्ति ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि वो कुछ वर्ष पहले अपने बेटे के इलाज के लिए यूनियन बैंक साहिबगंज से 8 लाख 75 हजार रुपए का लोन लिया था जिसका किस्त वो पिछले 6 माह से जमा नहीं कर पाया था जिसके चलते बैंक कर्मी उसे लगातार किस्त जमा करने के लिए दबाव बना रहे थे जिसके चलते वो वो अवसाद में रहने लगा था और सोमवार को अपने कार्यालय कक्ष में ही अपने हाथ की नसों को काट कर आत्महत्या करने की कोशिश की थी।वही इस संबंध में राजमहल पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन ने कहा कि मामला बैंक लोन से संबंधित बताया जा रहा है,घायल व्यक्ति की इलाज राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल में चल रहा है और फिलहाल उसकी स्थिति अभी सामान्य है।

अंडर-14 में साहिबगंज संत जेवियर, अंडर-17 में भागलपुर संत टेरेसा एवं अंडर-19 में संत जोसेफ भागलपुर बना चैंपियन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

संत जेवियर स्कूल जोनल क्रिकेट टूनार्मेंट का समापन

साहिबगंज। शहर के प्रतिष्ठित संत जेवियर स्कूल में चल रहे जोनल क्रिकेट टूनार्मेंट का मंगलवार को फाइनल मुकाबलों के साथ ही समापन हो गया। अंतिम दिन संत जेवियर स्कूल मैदान सहित सिद्धू कानू स्टेडियम में भी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए। वहीं फाइनल मुकाबला संत जेवियर स्कूल में हुआ। अंडर-14 में साहिबगंज संत जेवियर स्कूल विजेता जबकि बिहार के कटिहार का डॉन बॉस्को स्कूल उपविजेता रहा। अंडर 17 में भागलपुर के संत टेरेसा स्कूल ने जीत हासिल की। वहीं साहिबगंज संत जेवियर स्कूल उपविजेता रही। अंडर 19 आयु वर्ग में भागलपुर संत जोसेफ स्कूल ने विजेता जबकि साहिबगंज संत जेवियर स्कूल ने उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया।मुख्य अतिथि जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा ने विजेता उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया। वहीं उन्होंने संत जेवियर स्कूल के फादर अरुल डोसको शॉल ओढ़ा कर व मोमेंटो देकर प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए सम्मानित किया। मौके पर सतीश सिन्हा, जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा, मो अशफाक आलम, श्याम रंजन तिवारी, अंकित, चंदन, मोहम्मद तारिक, मो अनाउल्लाह, सुधांशु रंजन, अब्राहम, प्रभाकर सिंह उर्फ गुड्डा, संत जेवियर स्कूल के शिक्षक आशीष चक्रवर्ती पुण्य गौरव सहित अन्य मौजूद थे

जिला क्रिकेट संघ ने मनाया हूल दिवस

साहिबगंज। हूल दिवस के अवसर पर जिला क्रिकेट संघ ने मंगलवार को सिदो-कान्हू स्टेडियम में वीर शहीद सिदो-कान्हू को श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा ने किया। अतिथि के रूप में मौजूद जेएससीए सदस्य चंदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा ने कहा कि वीर सिदो-कान्हू की शहादत हमें लगातार संघर्ष करते रहने की प्रेरणा देती है। मौके पर सुरेश साह, सतीश सिन्हा, मो अनाउल्लाह सहित अन्य मौजूद थे।

मंडरो प्रखंड क्षेत्र में घर घर जाकर बच्चों को पिलाई गई दो बूंद जिंदगी की खुराक

मंडरो/साहिबगंज।मंडरो प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार को घर घर जाकर 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा की दो बूंद पिलाया गया। इस दौरान एएनएम रेखा देवी ने कहा कि जन्म से पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाना अत्यंत आवश्यक है। वही चिकित्सा पदाधिकारी डॉ पंकज कुमार ने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रहे, क्योंकि पोलियो से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण ही है। तीन दिवसीय पल्स पोलियों अभियान का मंगलवार को हुआ समापन। वही मिजाचौकी में एनएनएम रेखा देवी, अर्चना कुमारी समेत अन्य एएनएम द्वारा घर घर जाकर पोलियो की ड्रॉप बच्चों को पिलाई गई। मौके पर एमपीडब्ल्यू गेना मंडल, नरेश कुमार, शुभम कुमार समेत अन्य मौजूद थे।

घर-घर पहुंचकर बीएलओ कर रहे मतदाता सत्यापन, नाम जोड़ने, हटाने और सुधार के लिए वितरित किए जा रहे फॉर्म

साहिबगंज। भारत निर्वाचन आयोग ने झारखंड में 30 जून मंगलवार से विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर शुरू किया है। एसआईआर के पहले दिन जिला के 1090 बूथों में अधिसूचना जारी की गई। वही बीएलओ ने बूथों में वोटरों, बीएलए टू के साथ आम सभा करके एसआईआर की जानकारी ओर फॉर्म की जानकारी दी। वही बीएलओ घर घर जाकर एसआईआर के तहत फॉर्म नंबर 6, फॉर्म नंबर 7 व फॉर्म नंबर 8 का वितरण किया गया। फॉर्म नंबर छह वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने, फॉर्म नंबर सात अगर किसी मतदाता का मृत्यु हो गया है तो उसकी जानकारी देने, फॉर्म नम्बर आठ मतदाता का सुधार के लिए वितरण किया गया। वही घर घर एसआईआर स्टीकर चिपकाने का कार्य किया जा रहा है। एसआईआर के तहत प्रत्येक मतदाता को बीएलओ दो प्रतियों में इन्म्यूरेशन फॉर्म घर घर बीएलओ उपलब्ध कराएगी। मतदाताओं को इस फॉर्म में सही एवं पूर्ण जानकारी भरकर अपने बीएलओ को वापस जमा करना होगा। यदि कोई मतदाता चाहे तो भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट या पोर्टल से भी इसे डाउनलोड कर सकता है। यदि कोई मतदाता वर्ष 2003 की मतदाता सूची में पहले से पंजीकृत था, तो उसे अपना आवश्यक विवरण भरना होगा। यदि कोई मतदाता वर्ष 2003 की मतदाता सूची में पंजीकृत नहीं था, तो उसे अपने माता-पिता अथवा दादा-दादी, नाना-नानी से संबंधित आवश्यक विवरण भी देना होगा। यदि किसी कारणवश बीएलओ के आने के समय घर पर कोई सदस्य उपस्थित नहीं होता है, तो आपके घर पर लगाए गए एसआईआर स्टिकर पर बीएलओ का संपर्क नंबर अंकित होगा। मतदाता उस नंबर पर संपर्क कर अपनी सुविधा के अनुसार बीएलओ से मिल सकते हैं और फॉर्म भरकर जमा कर सकते हैं।

सेवाकाल की सराहना कर सहकर्मियों ने दी उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप)-9,साहिबगंज में मंगलवार को समादेष्टा रेशमा रिमिशन की अध्यक्षता में विदाई समारोह आयोजित किया गया।कार्यक्रम में पुलिस उपाधीक्षक सुमन कुमार सवैया विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए,जबकि संचालन झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह ने किया।इस अवसर पर निरीक्षक (सशस्त्र) प्रभु प्रसाद,अवर निरीक्षक (सशस्त्र) भगवान मांझी एवं अवर निरीक्षक (सशस्त्र) नसरुद्दीन को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई।अधिकारियों एवं सहकर्मियों ने उनके सेवाकाल की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।मौके पर सत्येंद्र पासवान, भरत यादव,संजय यादव,अमित पासवान धनंजय सिंह,मुन्ना सिंह,कबीर खान,पवन शाह,पंकज ठाकुर, सुबोध ठाकुर,धर्मेंद्र कुमार रजक, रविंद्र विद्या,झारखंड पुलिस एसोसिएशन, पुलिस मेंस एसोसिएशन,चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों सहित वाहिनी के अधिकारी, पुलिसकर्मी एवं कर्मचारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हूल दिवस पर झामुमो कार्यकताओं ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को बरहरवा के दिघी चौक स्थित अमर शहीद सिदो - कान्हू की प्रतिमा पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का नेतृत्व नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने किया। कार्यक्रम में झामुमो नेता शक्ति नाथ अमन, नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो एवं नगर सचिव मोहम्मद इकबाल हुसैन ने सबसे पहले सिदो - कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके बाद पार्टी के अन्य पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने भी श्रद्धासुमन अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष धर्मवीर कुमार महतो ने कहा कि 30 जून 1855 को संथाल परगना के भोगनाडीह से उठी हूल क्रांति की हुंकार ने शोषण, अत्याचार और अन्याय के खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंका था। वहीं झामुमो नेता शक्ति नाथ अमन ने कहा कि हूल दिवस वीर शहीद सिदो - कान्हू, चांद - भैरव तथा फूलो - झानो सहित सभी बलिदानियों के अदम्य साहस और त्याग को याद करने का दिन है। उनका बलिदान आज भी झारखंडवासियों को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में नगर कोषाध्यक्ष दिनेश सेन, बम - बम महतो, कृष्ण पटवारी, शुभाशीष महतो, विकास रजक, फिरोज खान, मंगल शर्मा, विजय गुप्ता, आजाद आलम, मुन्ना साह, प्रशांत मंडल, प्रकाश मंडल, एनामुल शेख, अजीत शेख, सुशील सेन, विक्रम मंडल सहित बड़ी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

11 हजार वोल्ट का तार टूटकर खेत में गिरा, करंट लगने से 12 वर्षीय बालक की दर्दनाक मौत

तालझारी/साहिबगंज।थाना क्षेत्र अंतर्गत हाथीगढ़ सकरीगली में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसे में 12 वर्षीय बालक की करंट लगने से मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब दोपहर करीब 2:00 बजे 11 हजार वोल्ट का बिजली का तार टूटकर खेत में गिर गया। उसी दौरान खेत में खेल रहे एक मासूम इसकी चपेट में आ गया।मृतक की पहचान अंकित कुमार चौधरी (12 वर्ष), पिता ब्रह्मदेव चौधरी, निवासी गरेरी टोला, हाथीगढ़ सकरीगली, थाना तालझारी, जिला साहिबगंज के रूप में हुई है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बिजली का हाई वोल्टेज तार अचानक खेत में गिर गया, जिससे वहां खेल रहे अंकित को तेज करंट लगा। स्थानीय लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद पूरे गांव में मातम का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलते ही तालझारी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस ने बताया कि मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। वहीं, ग्रामीणों ने बिजली विभाग से जर्जर तारों की नियमित जांच और समय रहते मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बरहेट के पंचकठिया में दर्दनाक सड़क हादसा, पुलिस जांच में जुटी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। साहिबगंज-गोविंदपुर मुख्य सड़क पर बरहेट थाना क्षेत्र के पंचकठिया में मंगलवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में 54 वर्षीय जितेन दत्ता की मौत हो गई, जबकि एक सहिया गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार एक स्कॉर्पियो वाहन बोरियो से बरहेट की ओर आ रही थी। इसी दौरान सड़क पर अचानक एक बच्चा आ गया। बच्चे को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिससे स्कॉर्पियो गलत दिशा में चली गई और सड़क किनारे मोटरसाइकिल के पास खड़े जितेन दत्ता तथा सहिया सलोनी टुडू को जोरदार टक्कर मार दी। बताया जाता है कि दोनों आपस में बातचीत कर रहे थे। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायल जितेन दत्ता को इलाज के लिए प्रेम ज्योति अस्पताल, चंद्रगोड़ा ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। वहीं घायल सहिया सलोनी टुडू को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट में भर्ती कराया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही बरहेट थाना के एसआई बिट्टू साह एवं रघुवीर राम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त स्कॉर्पियो और मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर थाना भेज दिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इधर, जितेन दत्ता की मौत से उनके परिवार में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सेवानिवृत्ति पर जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ. दुगार्नंद झा को भावभीनी विदाई, योगदान की हुई सराहना

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ. दुगार्नंद झा के सेवा काल पूर्ण होने पर मंगलवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी कार्यालय में सम्मान एवं विदाई समारोह आयोजित किया गया। शिक्षा विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों, शिक्षकों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने उनके योगदान की सराहना करते हुए भावभीनी विदाई दी।वक्ताओं ने कहा कि डॉ. झा ने अपने कार्यकाल में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, प्रशासनिक पारदर्शिता कायम रखने तथा शिक्षकों व विद्यालयों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विभाग की ओर से उन्हें अंगवस्त्र, स्मृति-चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।झारखंड राज्य माध्यमिक शिक्षक संघ ने भी डॉ. झा को फूलमाला, अंगवस्त्र, श्रीमद्भगवद्गीता एवं स्मृति-उपहार देकर सम्मानित किया। शिक्षक प्रतिनिधियों ने कहा कि वे हमेशा शिक्षकों की समस्याएं गंभीरता से सुनते थे और किसी भी फाइल को लंबित नहीं रहने देते थे।अपने विदाई संबोधन में डॉ. झा ने कहा, ₹साहिबगंज की मिट्टी और यहां के शिक्षकों का सहयोग मैं कभी नहीं भूलूंगा। मेरी कोशिश हमेशा रही कि जिले का हर बच्चा विद्यालय पहुंचे और उसे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले।₹ इस अवसर पर अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी लक्ष्मण यादव , डॉ सच्चिदानंद सचिव झारखंड राजभाषा साहित्य अकादमी, सहित शिक्षा विभाग के कई अधिकारी, कर्मचारी और शिक्षक उपस्थित रहे।

वीर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी

उधवा/साहिबगंज।हूल दिवस के पावन अवसर पर मंगलवार को +टू उच्च विद्यालय के सामने वीर शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान झामुमो के दर्जनों कार्यकताओं ने बारी-बारी से शहीदों को नमन किया। इस दौरान प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ बबुआ, केंद्रीय समिति सदस्य अखलाकुर रहमान, जिप सदस्य राणी हांसदा, सचिव विश्वजीत मंडल, जिला सह सचिव काजू मल्लिक, जिप सदस्य प्रतिनिधि बरनावास सोरेन,संगठन सचिव बच्चू मंडल सहित अन्य प्रमुख नेताओं ने शहीद सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और माल्यार्पण किया। इस दौरान झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अयूब अली उर्फ बबुआ ने शहीद सिद्धू कान्हू,चांद भैरव,फूलो झानू सहित वीरों को याद करते हुए कहा आज हूल दिवस पर हम अपने महान वीर शहीदों को नमन करते हैं, जिन्होंने जल, जंगल और जमीन के लिए अंग्रेजों और शोषणकारी ताकतों के खिलाफ बिगुल फूंका था। उनका बलिदान हमें हमेशा अन्याय के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा देता रहेगा। झामुमो उनके दिखाए रास्ते पर चलकर झारखंड के हक और अधिकार के लिए सदैव संघर्षरत रहेगा।मौके पर जैनुल आबेदीन, कीनू सोरेन, भैया किस्कू, जहांगीर शेख, धनी पहाड़ीन,और अन्य कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने हूल दिवस पर वीर शहीदों को अर्पित किया श्रद्धासुमन

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज। हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने मंगलवार को वीर शहीद सिदो-कान्हू, चांद-भैरव, फूलो-झानो को याद किया। सिदो-कान्हू स्टेडियम में जेजेए जिला अध्यक्ष चंदन सिंह के नेतृत्व में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। अध्यक्ष ने कहा कि वीरों की शहादत कभी बेकार नहीं जाती। अमर शहीदों ने जुल्म के खिलाफ एकजुटता के साथ संघर्ष का संदेश दिया। इस दौरान हुई बैठक में संगठन की मजबूती, पत्रकारों के संघर्ष, जनता व प्रशासन के बीच समन्वय, पत्रकारों के साथ हो अरे अन्याय, प्रशासनिक कार्रवाइयों, समाचार, फोटो, वीडियो संकलन में आ रही बाधाओं, पत्रकारों में एकता सहित अन्य मुद्दों पर चर्चा की गई। चंदन सिंह ने कहा कि झारखंड जर्नलिस्ट एसोसिएशन पत्रकारों के हितों की रक्षा व उनके कल्याण को लेकर संजीदगी व चट्टानी एकता के साथ काम कर रहा है। संगठन की ताकत आज अंतरराष्ट्रीय स्तर तक है। मौके पर कार्यक्रम व बैठक में अतिथि के रूप में प्रदेश सचिव अरविंद ठाकुर, डिजिटल मीडिया प्रदेश प्रभारी प्रवीण कुमार सहित जिला महासचिव रब नवाज आलम, कोषाध्यक्ष अमित सिंह, सदर प्रखंड सचिव अरविंद यादव, वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र पाठक, नवीन कुमार, प्रशांत कुमार, मनीष कुमार, सुमन झा, सहेन्द्र कुमार, अफसर अली, देव आर्यन सहित बड़ी संख्या में पत्रकार एवं संगठन के सदस्य मौजूद थे

मेले में सीता सोरेन ने खुद बनाई जलेबी, लोगों के साथ बैठकर लिया स्वाद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

दुमका। हूल दिवस के अवसर पर जामा विधानसभा क्षेत्र के लकड़जोड़िया में आयोजित मेले में उस समय अलग ही नजारा देखने को मिला। जब पूर्व विधायक सीता सोरेन आम लोगों के बीच पूरी तरह घुल-मिल गईं। सबसे पहले उन्होंने वीर सिदो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हूल के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उनका कारवां सीधे फुटबॉल मैदान में लगे मेले की ओर बढ़ा। मेले में पहुंचते ही सीता सोरेन ने दुकानों का भ्रमण किया। लोगों से मुलाकात कर हालचाल जाना। इस दौरान उनका एक अलग ही अंदाज देखने को मिला। वह जलेबी की दुकान पर पहुंचीं, कढ़ाई के सामने खड़ी होकर अपने हाथों से जलेबी बनाई और फिर वहीं मौजूद लोगों के साथ बैठकर गर्मागर्म जलेबी का स्वाद ली। यह दृश्य मेले में आए लोगों के आकर्षण का केंद्र बन गया। इस अवसर पर सीता सोरेन ने कहा कि यह मेला उनके दिवंगत पति दुर्गा सोरेन की पहल पर शुरू हुआ था। वर्षों बाद भी इस परंपरा को उसी उत्साह के साथ जीवित देखकर उन्हें गर्व और खुशी महसूस हो रही है। उन्होंने कहा कि जनता का स्नेह और अपनापन उनके लिए सबसे बड़ा आशीर्वाद है।

हूल दिवस : विधायक स्टीफन मरांडी एवं झामुमो नेत्री उपासना मरांडी ने पाकुड़िया में सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण, दी श्रद्धांजलि

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़िया :– महेशपुर विधानसभा विधायक प्रो.स्टीफन मरांडी एवं केंद्रीय कमेटी सदस्य सह नेत्री उपासना मरांडी ने कार्यकताओं के साथ प्रखंड के तलवा चौक और सिद्धू कान्हू चौक पाकुड़िया में हुल दिवस मौके पर स्थित सिद्धू कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया एवं श्रद्धांजलि दिया।इस मौके पर हजारों की संख्या मे कार्यकताओं ने आदिवासी तरीके से विधायक और युवा नेत्री का भव्य स्वागत किया। इसके पश्चात सभी पैदल मार्च करते हुए सतीघाट मैदान पहुचे जँहा झामुमो प्रखंड कमेटी की तरफ से विभिन्न प्रकार का खेल प्रतियोगिता जैसे तीरंदाजी, मटका फोड़ लागड़े ऐनेच आदि का आयोजन किया गया था । वहां उपस्थित भीड़ को सम्बोधित करते हुए विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी ने हुल दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा की प्रतिवर्ष 30 जून को हूल दिवस का आयोजन होता है. हूल शब्द का अर्थ क्रांति है। 30 जून 1855 को तत्कालीन शासन व्यवस्था और महाजनों के शोषण के विरुद्ध साहिबगंज के भोगनाडीह गांव से सिदो कान्हू के नेतृत्व में संथाल हूल की शुरूआत हुई थी।जिसका आने वाले दिनों में व्यापक असर देखा गया था।नौ महीने तक संथाल हूल क्रांति चली थी। इसको लेकर अंग्रेजों ने व्यवस्था मजबूत करने के लिए संथाल परगना को अलग जिला बनाया और कई विशेष कानून बनाए गए।30 जून 1855 को दो भाइयों सिदो-कान्हू के नेतृत्व में साहिबगंज में बरहेट के पास भोगनाडीह से 10 हजार आदिवासियों ने विद्रोह का बिगुल फूंका जो नौ महीने तक धधकता रहा। कहा जाता है कि इसमें तीस से पचास हजार लोग कूद पड़े थे। संथालों ने जनमानस को परतंत्रता की बेड़ी से मुक्त कराने के लिए अपने हूल को विदेशी अंग्रेजों और स्वदेशी महाजनों दोनों दुश्मनों के खिलाफ खड़ा किया था।आज का संथाल परगना क्षेत्र संथाल हूल का प्रतिफल है। जिसे केवल संथालों ने ही नहीं बल्कि गैर संथालों में कई जाति-समुदाय ने भाग लिया था।केंद्रीय कमेटी सदस्य उपासना मरांडी ने कहा इस आंदोलन में महिलाएं भी बड़ी तादाद में शामिल हुई थीं। इन महिलाओं का नेतृत्व सिदो कान्हू की बहन फूलो और झानो ने किया था।यहां तक कि इस क्रांति में किशोरियों की भी संख्या काफी थी। संथाल हूल एक समग्र क्रांति थी।जिसमें शासन और शोषण के खिलाफ लोग उठ खड़े हुए थे। हजारों की संख्या मे आदिवासी गैर आदिवासी सभी लोग मिलकर क्रांति की मशाल को जलाया।इसका व्यापक असर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ पड़ा लोग जागरूक हुए और क्रांति आगे बढ़ती गई। उन हजारों वीर शहीदों की याद में हर साल हूल दिवस मनाया जाता है। अन्य वक्ताओं ने भी अपनी अपनी बातों को उपस्थित लोगों के बीच रखा।इसके बाद खेल प्रीतियोगिता मे विजय प्रतिभागियो के बीच विधायक प्रो. स्टीफन मरांडी और केंद्रीय कमेटी सदस्य उपासना मरांडी सहित अन्य अतिथियों ने पुरस्कार का वितरण किया। इससे पूर्व सुबह 7:30 बजे झामुमो प्रखंड कमेटी की तरफ से सिद्धू कान्हू की प्रतिमा का आदिवासी रीतिरिवाज एवं पुरे विधि विधान से पूजा अर्चना कर के माल्यार्पण किया गया ।मौके जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे, प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा, थाना प्रभारी मनोज कुमार महतो, महेशपुर प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद ,प्रखंड सचिव मइनुद्दीन अंसारी, वरिष्ठ देबीलाल हंसदक,खुर्शीद आलम,जीप अध्यक्ष जुली हेमब्रोम , कलम मुर्मू ,जिला संगठन सचिव मुनीराम मरांडी, नजरुल इस्लाम,निवारन मरांडी,कालीदास टुडू, अरविन्द टुडू ,शिवलाल टुडू,अब्दुल बनीज,रेफाइल मुर्मू,सुभाषिनी मुर्मू, छोटू भगत , विश्वजीत दास ,मैनेजर मरांडी, नेगार अंसारी ,लालबाबू अंसारी ,बिनोद भगत ,मुजीबूल शेख ,मंजूर अंसारी ,तोहिदुल शेख,मनोज सोरेन, अकबर अली, बुलबुल शेख ,एनोस मुर्मू, छोटू दास,रोशन अंसारी, खुदूलाल भगत ,परमेश्वर मरांडी , कारण गुप्ता ,नरेश हाँसदा, रोहित हाँसदा,सुनील टुडू,सहित पंचायत? के अध्यक्ष/सचिव व दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद थे।

हूल दिवस पर सिद्धू-कान्हू सहित अमर शहीदों को कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

लोहरदगाः जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा मंगलवार को जिलाध्यक्ष सुखैर भगत के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र भवन में हूल दिवस श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत वीर क्रांतिकारी सिद्धू-कान्हू के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इस अवसर पर संथाल हूल के अमर शहीद सिद्धू, कान्हू, चांद एवं भैरव सहित सभी आदिवासी वीर नायकों को नमन करते हुए उनके साहस, बलिदान और संघर्ष को याद किया गया।इसके बाद आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि संथाल हूल केवल एक विद्रोह नहीं था, बल्कि जल, जंगल, जमीन, स्वाभिमान और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए लड़ा गया भारत के शुरूआती जनआंदोलनों में से एक था। अंग्रेजी शासन और जमींदारी शोषण के विरुद्ध सिद्धू-कान्हू, चांद और भैरव का संघर्ष आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।जिलाध्यक्ष सुखैर भगत ने कहा कि हूल दिवस हमें अपने वीर शहीदों के त्याग और बलिदान को स्मरण करने का अवसर देता है। उन्होंने कहा कि सिद्धू-कान्हू, चांद एवं भैरव ने अंग्रेजी शासन और शोषण के खिलाफ संघर्ष कर देशवासियों में स्वतंत्रता की चेतना जगाई। उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की मजबूत नींव बना। उन्होंने कहा कि सभी को उनके बताए संघर्ष, समानता और सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए।प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद ने कहा कि संथाल हूल भारतीय इतिहास में स्वाभिमान और जनप्रतिरोध का गौरवशाली अध्याय है। सिद्धू-कान्हू एवं उनके साथियों का बलिदान हमेशा अन्याय और शोषण के खिलाफ संघर्ष की प्रेरणा देता रहेगा।जिला उपाध्यक्ष मोहन दुबे ने कहा कि हूल विद्रोह ने देश में स्वतंत्रता की चेतना का नया संचार किया था। आदिवासी वीरों का संघर्ष आज भी समाज को अन्याय के विरुद्ध एकजुट होकर आवाज उठाने की प्रेरणा देता है।कार्यक्रम में प्रदेश प्रतिनिधि नेसार अहमद, जिला उपाध्यक्ष मोहन दुबे, जिला महासचिव सदरुल अंसारी, जिला सोशल मीडिया प्रभारी प्रकाश उरांव, ओबीसी स्टेट कोऑर्डिनेटर संतोष महतो, युवा जिलाध्यक्ष दानिश अली, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष हरी भगत, प्रदेश अल्पसंख्यक सचिव हाजी सिकंदर, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष मोज्जमील अंसारी, सांसद स्वास्थ्य प्रतिनिधि सोनू कुरैशी, मंडल अध्यक्ष महताब आलम, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष मुनीम अंसारी, सावरत अंसारी, रऊब अंसारी, सेराज अंसारी, असलम अंसारी, रिंकू कुरैशी, शैलेश कुमार, आर्यन भगत, परवेज अंसारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हल्का कर्मचारी पर कार्यालय से अनुपस्थित रहने और लोगों को बार-बार लौटाने का आरोप, उपायुक्त से हस्तक्षेप कर व्यवस्था सुधारने की मांग

यासिर अराफात@ झारखंड उजाला ब्यूरो प्रमुख

पाकुड़ः पाकुड़ अंचल के हल्का संख्या-8 में सरकारी सेवाओं की कार्यप्रणाली को लेकर ग्रामीणों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि हल्का कर्मचारी विवेक तिरु की कार्यशैली के कारण जाति, निवास, आय प्रमाण-पत्र सहित भूमि संबंधी मामलों का निष्पादन समय पर नहीं हो पा रहा है। आवश्यक कार्यों के लिए लोगों को कई दिनों तक कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं, लेकिन उन्हें अपेक्षित सुविधा नहीं मिल रही है।ग्रामीणों का कहना है कि कार्यालय पहुंचने पर अक्सर संबंधित कर्मचारी उपलब्ध नहीं मिलते। यदि किसी दिन मुलाकात हो भी जाती है तो कई मामलों में आवेदन लंबित रख दिए जाते हैं या आवेदकों को दोबारा आने की सलाह देकर वापस भेज दिया जाता है। लोगों का यह भी आरोप है कि फरियाद लेकर आने वालों के साथ उनका व्यवहार सहयोगात्मक नहीं रहता, जिससे आम नागरिक खुद को उपेक्षित महसूस करते हैं। क्षेत्र के लोगों के अनुसार प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण अपने जरूरी कार्यों के लिए घंटों इंतजार करते हैं, लेकिन बिना काम हुए वापस लौटने को मजबूर हो जाते हैं। इससे लोगों का समय और पैसा दोनों व्यर्थ हो रहे हैं, जबकि प्रमाण-पत्र और भूमि संबंधी मामलों में देरी से विद्यार्थियों, किसानों और आम परिवारों को विभिन्न प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।इन परिस्थितियों को देखते हुए स्थानीय नागरिकों ने उपायुक्त, पाकुड़ से मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की है। उन्होंने मांग की है कि हल्का कर्मचारी को आम जनता के कार्यों का समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाए। साथ ही कार्यालय में नियमित उपस्थिति, पारदर्शी कार्यप्रणाली और लंबित मामलों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जाए, ताकि लोगों को बार-बार कार्यालय का चक्कर न लगाना पड़े।

पक्ष जानने का प्रयास रहा असफलः इस संबंध में हल्का कर्मचारी विवेक तिरु का पक्ष जानने के लिए उनके मोबाइल फोन पर कई बार संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने किसी भी कॉल का उत्तर नहीं दिया। वहीं, व्यक्तिगत रूप से मुलाकात का प्रयास भी सफल नहीं हो सका। उनका पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाएगा।

राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय मे नेशनल इन्श्योरेन्स जागरूकता दिवस मनाया गया

रामगढ़ ।सोमवार को राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय में नेशनल इन्श्योरेन्स जागरूकता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओ को आपात स्थितियों में वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने वाली विभिन्न बीमा पॉलिसियों के महत्व और लाभों के प्रति जागरूक करना है। इस अवसर पर संकाय के व्याख्यातागणों ने छात्र-छात्राओ को इन्श्योरेन्स के प्रति जागरूक किए और इस विषय पर छात्र-छात्राओं ने भी अपने अपने विचार रखे।प्रबंधन विभाग के आयुष, अर्पित, आदित्य एवं वाणिज्य विभाग से आस्था राज, आयशा अंजुम, कोमल अग्रवाल ने अपने विचार रखे। विश्वविद्यालय कुलाधिपति बी एन साह ने इंश्योरेंस डे के अवसर पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ दी और उन्होंने कहा कि सुरक्षित जीवन और समृद्ध भविष्य के लिए बीमा के महत्व को अपनाएँ। वाणिज्य विभागाध्यक्ष डॉ रंजन कुमार ने बताया की बीमा केवल एक पॉलिसी नहीं, बल्कि जीवन, परिवार और भविष्य की सुरक्षा का सशक्त संकल्प है। बीमा का होना हर एक आदमी के लिए आवश्यक है।व्याख्याता उदय प्रसाद ने छात्रों को बताया कि बीमा खर्च नहीं , अपने परिवार के सुरक्षित भविष्य में किया गया एक समझदारी भरा निवेश है।कार्यक्रम का संचालन मो रिज्वान नूरी ने किया और धन्यवाद ज्ञापन अनिल कुमार केशरी ने किया।इस अवसर विश्वविद्यालय के सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार, विभाग के व्याख्याता डॉ प्रशांत कुमार , कुंदन कुमार, डॉ रचिता सिंह एवं छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

हूल दिवस के अवसर पर वीर शहीदों की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचे लिट्टीपाड़ा विधायक हेमलाल मुर्मू

अमड़ापाड़ाः हूल दिवस के अवसर पर लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक हेमलाल मुर्मू जी, युवा नेता सह केंद्रीय समिति सदस्य विकास मुर्मू ने अमड़ापाड़ा प्रखंड के कालाझोर, पाडेरकोला चौक, अमड़ापाड़ा प्रखंड कार्यालय स्थित हेरिटेज मेमोरियल व गोपीकांदर प्रखंड के गुम्मा मोड़ में स्थापित वीर शहीद सिदो-कान्हू, चाँद-भैरव, फूलो-झानू सहित अन्य शहीदों के आदमकद प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर नमन किया।तत्पश्चात पुर्व जिला सचिव सुलेमान बास्की, केंद्रीय समिति सदस्य निशा शबनम हाँसदा, महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सुष्मिता मुर्मू सहित अन्य कार्यकताओं ने बारी बारी से माल्यार्पण कर नमन किया।माल्यर्पण के पश्चात लिट्टीपाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री हेमलाल मुर्मू जी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत की आजादी, अंग्रेजों की बर्बरता और आदिवासियों के ऊपर हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने वाले हर क्रांतिकारी को हूल दिवस पर नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। यह दिवस, हर बर्बरता और अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाने का प्रतीक है। उसकी खिलाफत का प्रतीक है। सिद्धो-कान्हू, चांद-भैरव सहित सभी क्रांतिकारियों को कोटि कोटि नमन।मौके पर प्रखंड अध्यक्ष श्यामलाल हांसदा, प्रखंड सचिव जहीरुद्दीन मियां, हिरणपुर प्रखंड अध्यक्ष इसहाक अंसारी, लिट्टीपाड़ा प्रखंड अध्यक्ष प्रसाद हांसदा, सचिव जावेद आलम, युवा मोर्चा के जिला सचिव अमित भगत, अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला सचिव दिलीप मरांडी, लिट्टीपाड़ा प्रखंड उपाध्यक्ष रंजन साहा, अमड़ापाड़ा प्रखंड उपाध्यक्ष धानो मरांडी, कालीदास मुर्मू, थोमस मुर्मू, ईमरान अंसारी, प्रखंड कोषाध्यक्ष संजीत भगत, प्रखंड संगठन सचिव रंजीत पंडित, प्रखंड सह सचिव संतोष भगत, जिला सदस्य नारायण भगत, जिला सदस्य मंटू भगत, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष कोर्नेलियुस हेम्ब्रम, जिला मीडिया प्रभारी आफताब आलम, भीमसेंट हेम्ब्रम, बेंजामिन मरांडी, संजय रजक, विनोद किस्कू, सनातन हांसदा, इग्नेशियूस मुर्मू, अशोक हेम्ब्रम, सिकंदर किस्कू, आरिफ अंसारी, ईस्लाम अंसारी, चारलेश मरांडी, महफुज आलम, दिलीप रजवार, नाजिर अंसारी, बैजल टुडू, माफूज मिया, फिलीप मुर्मू, कुबराज बेसरा, मनोज मरांडी सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता व समर्थक उपस्थित थे।

हेसागढा में हूल दिवस पर शहीद सिद्धू-कान्हू, चाँद-भैरव एवं वीरांगना फूलो-झानो को श्रद्धांजलि दी

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़।हूल दिवस के अवसर पर सिद्धू-कान्हू, चाँद-भैरव एवं वीरांगना फूलो-झानो को भावभीनी श्रद्धांजलि हूल दिवस के पावन अवसर पर झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के महासचिव श्री फागु बेसरा के आवासीय कार्यालय हेसागढा में संथाल विद्रोह के महानायक अमर शहीद सिद्धू-कान्हू, चाँद-भैरव एवं वीरांगना फूलो-झानो की तस्वीर पर मुख्य अतिथि माननीय श्री फागु बेसरा, केन्द्रीय महासचिव, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा सह केन्द्रीय अध्यक्ष, संथाल समाज दिशोम मांझी परगना और राजकुमार महतो, केन्द्रीय सदस्य, झामुमो ने पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए श्री बेसरा ने कहा कि वर्ष 1855-56 का संथाल हूल भारत के स्वतंत्रता संग्राम का प्रथम जनविद्रोह था। सिद्धू-कान्हू, चाँद-भैरव तथा वीरांगना फूलो-झानो ने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष का बिगुल फूंका था। इस ऐतिहासिक आंदोलन में लगभग 25 से 30 हजार संथाल आदिवासी वीरों ने अपने प्राणों की आहुति देकर जल, जंगल, जमीन, स्वाभिमान और अस्तित्व की रक्षा के लिए अद्वितीय बलिदान दिया।उन्होंने कहा कि हूल केवल एक विद्रोह नहीं, बल्कि अन्याय, शोषण और दमन के विरुद्ध आत्मसम्मान, अधिकार और सामाजिक न्याय की लड़ाई का प्रतीक है।आज की युवा पीढ़ी को इन महान शहीदों के संघर्ष, त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेकर समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए।झारखंड की पहचान, संस्कृति, भाषा और आदिवासी अस्मिता की रक्षा करना हम सभी का सामूहिक दायित्व है। हूल के महानायकों का संघर्ष हमें सदैव अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने तथा लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए प्रेरित करता रहेगा।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने अमर शहीदों के बताए मार्ग पर चलने तथा उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया।इस हूल दिवस श्रद्धाजंली में मुख्य रूप से सर्वश्री अकल उराँव, सुरेश चन्द्र पटेल, विनोद कुमार, कैलाश मांझी, सनु मदन सोरेन, प्रदीप सोरेन, मांगू मांझी, राजेश हंसदा, भुनेश्वर ठाकूर, रामकिशुन गिरि, राजा खान, धनीराम मांझी, आनंद मरांडी, बलदेव ठाकूर, सुनील सोरेन आदि।

महिला पतंजलि योग समिति द्वारा मिट्टी लेप शिविर आयोजित

लोहरदगाः अखोरी कॉलोनी में महिला पतंजलि योग समिति द्वारा एक दिवसीय मिट्टी लेप (मड थेरेपी) कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वार्ड पार्षद अविनाश कौर एवं महिला पतंजलि योग समिति की कोषाध्यक्ष संयुक्ता प्रजापति ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यक्रम के दौरान मिट्टी में कच्ची हल्दी, गोमूत्र, गोबर, अड़हुल का फूल, नीम के पत्ते, करी पत्ता, एलोवेरा, गिलोय, गुलाब के फूल, पुदीना, मुल्तानी मिट्टी तथा सरसों का तेल मिलाकर विशेष प्राकृतिक लेप तैयार किया गया। इसके बाद उपस्थित महिलाओं ने इस मिश्रित लेप को अपने पूरे शरीर पर लगाया।वार्ड पार्षद अविनाश कौर ने कहा कि इस प्रकार के प्राकृतिक स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित होने चाहिए, ताकि लोग प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति जागरूक हों और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।महिला पतंजलि योग समिति की कोषाध्यक्ष संयुक्ता प्रजापति ने मिट्टी लेप, जिसे प्राकृतिक चिकित्सा (नेचुरल थेरेपी) भी कहा जाता है, के विभिन्न लाभों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इससे त्वचा में निखार आता है, जोड़ों के दर्द एवं सूजन में राहत मिलती है, पेट पर लगाने से पाचन क्रिया मजबूत होती है तथा मुंहासे, दाग-धब्बों जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं में भी लाभ मिलता है। उन्होंने कहा कि मिट्टी चिकित्सा शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने, वात-पित्त-कफ को संतुलित करने, रक्त संचार बेहतर बनाने और मानसिक शांति प्रदान करने में भी सहायक मानी जाती है।इस अवसर पर क्षमा रानी, प्रतिमा देवी, इंदु देवी, संयुक्ता प्रजापति, सुमन देवी, शोभा खत्री, जयंती चौधरी, बिंदिया देवी, बरनाली दास, प्रेरणा प्रजापति, आस्था प्रजापति, ललिता देवी, कविता दास, संतोषी पाणिग्रही, रूपा पटेल, आरती देवी, शकुंतला देवी, पूनम देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के तहत उपायुक्त ने विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

चुनाव पाठशाला एवं गणना प्रपत्र वितरण कार्य का लिया जायजा।

उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सहित अन्य अधिकारियों ने भी विभिन्न मतदान केंद्रों का किया निरीक्षण

रामगढ़। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR-2026) के तहत चल रहे एन्यूमरेशन कार्य की प्रगति एवं व्यवस्थाओं का जायजा लेने के उद्देश्य से जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त ऋतुराज ने मंगलवार को 23-रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल अधिकारियों (BLO) द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने घर-घर जाकर मतदाताओं के बीच गणना प्रपत्र वितरण, प्रपत्र प्राप्त करने की प्रक्रिया, मतदाताओं को उपलब्ध कराई जा रही जानकारी तथा अभिलेख संधारण की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं बीएलओ को भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुंच सुनिश्चित करते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस दौरान उपायुक्त ने मतदान केंद्रों पर आयोजित चुनाव पाठशाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित मतदाताओं से संवाद करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य एवं प्रक्रिया की जानकारी दी तथा सभी मतदाताओं से गणना प्रपत्र सही एवं पूर्ण रूप से भरकर समय पर बीएलओ को उपलब्ध कराने की अपील की। उन्होंने कहा कि शुद्ध एवं अद्यतन मतदाता सूची लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला है, इसलिए प्रत्येक मतदाता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने बीएलओ को निर्देश दिया कि गणना प्रपत्र वितरण एवं संग्रहण के दौरान प्रत्येक मतदाता को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी दें तथा किसी भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए। उन्होंने अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु पारदर्शिता, सतर्कता एवं समयबद्धता के साथ कार्य करने पर बल दिया।उपायुक्त के निर्देश पर उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता सहित जिले के अन्य वरीय पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने आवंटित क्षेत्रों के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा गणना प्रपत्र वितरण एवं मतदाता जागरूकता गतिविधियों का जायजा लिया। जिला प्रशासन द्वारा बताया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता को गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया जा रहा है। सभी मतदाताओं से अपील की गई है कि वे निर्धारित प्रपत्र भरकर समय पर बीएलओ को उपलब्ध कराएं तथा शुद्ध एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने में अपना सक्रिय सहयोग दें।

सेन्हा में वज्रपात,मवेशी सहित तीन मुर्गी की मौत

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगाः सेन्हा के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र में शनिवार को हल्की बारिश के साथ हुई वज्रपात किसान को आर्थिक क्षति हुई है। वज्रपात से एक मवेशी के साथ तीन मुर्गी की मौत घटने स्थल पर हो गया। घटना सेन्हा थाना क्षेत्र के अलौदी पंचायत के चुरकु महुआटोली में हुई। बताया जाता है कि महुआटोली निवासी स्वर्गीय रतिया उराँव के पुत्र बिचु उरांव ने मवेशी को चारा खिला कर पेड़ के छाया में घर के बाहर बांस झुंड के समीप बांध रखा था कि अचानक मौसम का मिजाज बदला और हल्की बारिश के साथ तेज गर्जन आरम्भ हुआ। इसी दरमियान एक मवेशी तथा तीन मुर्की वज्रपात के चपेट में आ गया जिससे घटना स्थल पर ही मौत हो गई। आश्चर्यजनक बात यह है कि बारिश क्षेत्र में किसान वर्षा को लेकर परेशान हैं वहीं हल्की बारिश के साथ वज्रपात की घटना हुई। जिसमें किसान बीचु उराँव को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। विदित हो कि आकाशीय गर्जन एवं वज्रपात के समय कोई भी ग्रामीण आसपास में रहते या उस स्थान पर रहने से बड़ी घटना हो सकता था। बताया जाता है कि अचानक मौसम थोड़ा खराब हुआ और आसमान में बादल छाने लगे इसी बीच अचानक जोरदार आवाज के साथ वज्रपात हुई। फिलहाल इस घटना से किसान काफी चिंतित हैं और आर्थिक नुकसान से परेशान है तथा आपदा राहत कोष से मुआवजा की सहयोग राशि का अपील किया है। इस संदर्भ में अंचलाधिकारी पंकज कुमार भगत का कहना है कि मवेशी एवं मुर्गी की मौत वज्रपात से होने की सूचना प्राप्त हुआ है। साथ ही उन्होंने कहा विधि संगत जांचोपरांत किसान को सहयोग राशि मुगैया कराया जाएगा। फिलहाल पशु चिकित्सा विभाग से घटना की जांच एवं जांच प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया गया। वहीं किसान के द्वारा आपदा घटना को लेकर आवेदन प्राप्त नही हुआ है।

चौपारण थाना क्षेत्र में उत्पाद विभाग की बड़ी कार्रवाई, 8,800 किलोग्राम जावा महुआ विनष्ट एवं 1,200 लीटर अवैध चुलाई शराब जब्त

हजारीबाग। उपायुक्त श्री हेमन्त सती के निदेर्शानुसार जिले में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, संचय एवं परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सहायक आयुक्त उत्पाद, हजारीबाग के निर्देशन में चौपारण थाना क्षेत्र के परसातरी एवं अम्बातारी गांव में सघन छापेमारी अभियान चलाया गया। इस अभियान में चौपारण थाना पुलिस का भी सहयोग प्राप्त हुआ। छापेमारी के दौरान उत्पाद विभाग की टीम ने नदी किनारे एवं सुदूर जंगलों में छिपाकर संचालित की जा रही अवैध चुलाई शराब निर्माण की कई भट्टियों का पता लगाकर उन्हें ध्वस्त कर दिया। साथ ही शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, बर्तन एवं अन्य उपकरण भी जब्त किए गए। कार्रवाई के क्रम में लगभग 8,800 किलोग्राम जावा महुआ को मौके पर ही विनष्ट किया गया तथा करीब 1,200 लीटर अवैध चुलाई शराब जब्त की गई। यह कार्रवाई जिले में अवैध शराब के विरुद्ध अब तक की महत्वपूर्ण कार्रवाइयों में से एक मानी जा रही है। उत्पाद विभाग द्वारा अवैध कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है तथा उनके विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस छापेमारी अभियान में उत्पाद विभाग के अवर निरीक्षक सुमितेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सय्यद बसिरुद्दीन, सहायक अवर निरीक्षक एंटोनी बागे, सशस्त्र गृह रक्षा वाहिनी के जवान तथा चौपारण थाना की पुलिस टीम शामिल रही।

हूल दिवस के शुभ अवसर पर हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन सीनियर फुटबॉल लीग का भव्य शुभारंभ

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

हजारीबागः हूल दिवस के शुभ अवसर पर हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीनियर फुटबॉल लीग 2026 का शुभारंभ बड़े उत्साह एवं खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन जिला खेल पदाधिकारी श्री कैलाश राम ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं फुटबॉल को किक मारकर किया। इस अवसर पर उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, खेल भावना एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं। उद्घाटन समारोह में हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच रेड आर्मी एवं पप्पू 11, खटकमसांडी के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। समाचार लिखे जाने तक मैच जारी था और पप्पू 11, खटकमसांडी की टीम रेड आर्मी पर 1झ0 की बढ़त बनाए हुए थी। उद्घाटन समारोह में हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर जॉन भेंगरा, कोर्रा निवासी एवं राष्ट्रीय ट्रांसपोर्ट, हजारीबाग के अच्छे खिलाड़ी, अच्छे कोच एवं रेफरी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रतियोगिता का उद्घाटन मैच रेड आर्मी एवं पप्पू 11, खटकमसांडी के बीच खेला गया, जिसमें खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। समाचार लिखे जाने तक मैच जारी था और पप्पू 11, खटकमसांडी की टीम रेड आर्मी पर 2-0 की बढ़त बनाए हुए थी। समारोह में कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार, सचिव कोलेश्वर गोप, उपाध्यक्ष शशिकांत शर्मा, हजारीबाग सदर विधानसभा खेल प्रतिनिधि श्री दिलीप गोप, मंसूर आलम, चंद्रशेखर कुमार, प्रकाश कुमार गुप्ता, अबोध राम, प्रमोद कुमार दास, सूरज थापा, मुशर्रफ खान, प्रमोद राम, विकास किंडो, दादन कुमार रजक, जीतू यादव, विनय यादव, मनोज राम एवं अजय कुमार सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। मैच का सफल संचालन ललित उराँव, सुमित उराँव, भगवान मुर्मू, विकास राम, सूरज दास, विकास दास, रविंद्र कुमार, विवेक केरकेट्टा एवं पवन राम ने किया। हजारीबाग एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस सीनियर फुटबॉल लीग का उद्देश्य जिले में फुटबॉल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता के आगामी मुकाबलों को लेकर खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा।

हुल दिवस पर शहीदों को नमन, भाकपा माले ने धनबाद सांसद की अमर्यादित*बयानबाजी के खिलाफ खोला मोर्चा

केंदुआटांड़ (बलियापुर)। मंगलवार को केंदुआटांड़ स्थित भाकपा माले कार्यालय में प्रखंड कमेटी की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक की शुरूआत में सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और साथियों ने 'हुल दिवस' के ऐतिहासिक अवसर पर देश के तमाम शहीद क्रांतिकारी वीरों को पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उन्हें नमन किया।इसके पश्चात आयोजित एक प्रेस वार्ता में भाकपा माले के नेताओं ने धनबाद के सांसद द्वारा पार्टी के लोकप्रिय नेता विधायक अरूप चटर्जी के खिलाफ लगातार की जा रही अनर्गल और अमर्यादित बयानबाजी की कड़े शब्दों में निंदा की।प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रखंड सचिव गणेश महतो और देवाशीष पांडेय ने कहा कि नगर निगम चुनाव के बाद से धनबाद सांसद अपनी राजनीतिक जमीन खिसकते देख मानसिक संतुलन खो बैठे हैं। वे लगातार ओछी राजनीति पर उतर आए हैं और उनके द्वारा बेहद गंदी एवं अमर्यादित भाषा शैली का प्रयोग किया जा रहा है।माले नेताओं ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, ₹पूरे धनबाद और झारखंड की जनता भली-भांति जानती है कि असली माफिया, कोयला चोर और लुटेरा कौन है। गरीबों और दबे-कुचले लोगों का शोषण करना ही उनकी मुख्य नीति रही है, जो अक्सर अखबारों और सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आती रहती है। चाहे राम मंदिर के नाम पर अपने ही गांव के आसपास के रैयतों की जमीन जबरन घेरकर उन्हें भगाने का मामला हो, या फिर भ्रष्टाचार का खेल—सांसद का असली चेहरा हर जगह उजागर हो चुका है।₹बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित सदस्यःइस बैठक और प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से उप प्रमुख आशा देवी, गणेश महतो, कृष्णा दा, देवाशीष पांडेय, शीतल दत्ता, , मजिद खान, मंगल महतो, बबलु महतो, सुरजीत चंद्र आलोक माझी सत्येन्द्र महतो, विजय राम, विजय रजक, रजत महतो, योगेश्वर मांझी, अधर सहिस, सुधीर महतो, हीरालाल मोदक, ईश्वर महतो, और सपन महतो , अमित बनर्जी सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हुल क्रांति दिवस पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बलियापुर /धनबाद। भारतीय इतिहास में वर्ष 1855 के संथाल विद्रोह या हुल विद्रोह को आदिवासी समुदाय के साहस, संघर्ष और स्वाभिमान के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। यह विद्रोह सिदो, कान्हू, चांद, भैरव, फूलो, झानो के नेतृत्व में ब्रिटिश शासन, जमींदारों और महाजनों के शोषण के खिलाफ शुरू हुआ था और ब्रिटिश शासन की नींव हिला दिया था। आज उनको याद करते हुए दाड़दाहा में शहीदों के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। आदिवासी नृत्य और शहीदों के सम्मान में नारे लगाए गए। इस अवसर पर प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी ने कहा कि झारखंड के इतिहास में संथाल विद्रोह का महत्वपूर्ण स्थान है। इस विद्रोह के बाद अंग्रेज सोचने को मजबूर हो गया कि ताकत के बल पर आदिवासियों को दबाया नहीं जा सकता है। और इसी आंदोलन के बाद सीएनटी, एसपीटी लाया गया। मौके पर ईश्वर मरांडी, रमेश मरांडी, विमल मरांडी, भोलानाथ हेम्ब्रम, स्वपन कुमार महतो, लाल मोहन महतो, भोलानाथ महतो, कमल देव मुर्मू, मंगल मुर्मू, आकाश हेंब्रम, राजकुमार हेंब्रम, रविश्वर हेंब्रम आदि मौजूद थे।

हूल दिवस पर भाजपा कार्यकताओं ने सिदो-कान्हू को किया नमन

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : हूल दिवस के अवसर पर भाजपा कार्यकताओं ने भाजपा जिलाध्यक्ष सरिता मुर्मू की अगुवाई में पाकुड़ नगर स्थित सिदो-कान्हू मुर्मू पार्क,पाकुड़ में स्थापित अमर शहीद वीर सिदो-कान्हू,चांद भैरव के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय एवं प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी, जिला प्रभारी निवास मंडल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।इस अवसर पर अमर शहीद सिदो-कान्हू,चांद भैरव,फूलों झानो को याद करते हुए प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने कहा कि आज से 171 साल पहले देश पर राज कर रहे अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ आवाज उठाने की ताकत किसी में नहीं थी उस दौर में झारखंड में संथाल की धरती पर अमर शहीद सिदो-कान्हू,चांद भैरव फूलो झानो जैसे आजादी के नायको ने विद्रोह का विगुल फुका था,इसे ही संथाल हूल कहा जाता है तथा आज ही के दिन 30 जून 1855 को क्रांति का आगाज हुआ था,अंग्रेजों के खिलाफ हूल क्रांति का आगाज करने वाले आजादी के दीवानों को आज पूरा देश नमन कर रहा है।झारखंड के ऐसे महान नायकों को मेरा नमन है।प्रदेश उपाध्यक्ष बालमुकुंद सहाय ने कहा कि हूल दिवस के अवसर पर संथाल विद्रोह के महान सेनानियों से सिदो-कान्हू चांद भैरव फूलो झानो को अन्य वीर वीरांगनाओं को कोटि-कोटि नमन है।ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष एवं गौरव गाथाएं भावी पीढ़ियां को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष तथा मातृ भूमि की सेवा हेतु सदैव प्रेरित करती रहेगी।कार्यक्रम में जिला महामंत्री रूपेश भगत उपाध्यक्ष हिसाबी राय सोहन मंडल साधन ठाकुर अनुग्राहित प्रसाद साह मीरा प्रवीण सिंह? विवेकानंद तिवारी अमृत पांडेय दुर्गा मरांडी सम्पा साहा मनोरम देवी पार्वती देवी दिलीप सिंह जीतु सिंह धर्मेंद्र त्रिवेदी गोपी दूबे मौजूद थे।

पांडेयपुरा खुर्द में बढ़न महतो की पत्नी के ब्रह्मभोज में शामिल हुए विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेशवर कुमार

केरेडारी/ हजारीबागः ग्राम पांडेयपुरा खुर्द निवासी बढ़न महतो की धर्मपत्नी शीतली देवी के ब्रह्मभोज कार्यक्रम में सोमवार को विधायक मीडिया प्रतिनिधि जागेशवर कुमार शामिल हुए। उन्होंने शोकाकुल परिवार से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त की और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। प्राप्त जानकारी के अनुसार बढ़न महतो की पत्नी का निधन 18 जून 2026, गुरुवार को हो गया था। उनका अग्नि संस्कार 19 जून 2026 को किया गया। दशकर्म का कार्यक्रम 28 जून 2026 को संपन्न हुआ, जबकि ब्रह्मभोज का आयोजन 30 जून 2026 को किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित रहेः दुलार महतो, अशोक महतो, सोमर महतो, अनूप महतो, अमेरिका महतो, प्रमोद कुमार, करण कुमार, परमेश्वर महतो, बालेश्वर महतो, अर्जुन महतो, पंकज कुमार, तरुण कुमार, मनोज कुमार, विनोद महतो, बढ़न महतो सहित समस्त महतो परिवार एवं अन्य ग्रामीणजन उपस्थित थे।

हूल दिवस पर वीर शहीदों को श्रद्धांजलि, सिद्धो-कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया नमन

पुलिस अधीक्षक एवं उप विकास आयुक्त सहित जिला के पदाधिकारियों ने अर्पित की श्रद्धांजलि

सिदो–कान्हू, चाँद–भैरव सहित हूल विद्रोह के सभी अमर सेनानियों को किया नमन

वीर शहीदों की कुबार्नी को कभी भुलाया नहीं जा सकताः– उप विकास आयुक्त

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : हूल दिवस के अवसर पर मंगलवार को पाकुड़ स्थित सिदो-कान्हू पार्क में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह, उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल, परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमित कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गौरव कुमार, नगर परिषद अध्यक्ष शबरी पाल, अंचलाधिकारी पाकुड़ अरविन्द कुमार बेदिया सहित अन्य पदाधिकारियों ने सिद्धो- कान्हू की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा सिदो- कान्हू, चाँद-भैरव और हूल विद्रोह के सभी अमर सेनानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर *उप विकास आयुक्त अरविन्द कुमार लाल ने कहा कि 30 जून 1855 को सिद्धो-कान्हू ने अंग्रेजी शासन की दमनकारी नीतियों, शोषण और गुलामी के विरुद्ध जनक्रांति का बिगुल फूंका था। हूल विद्रोह केवल एक आंदोलन नहीं, बल्कि जनजातीय समाज के स्वाभिमान, अधिकार और स्वतंत्रता का ऐतिहासिक उद्घोष था। उन्होंने कहा कि सिद्धो-कान्हू के आह्वान पर हजारों संथाल आदिवासियों ने अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संघर्ष करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी। इस ऐतिहासिक जनविद्रोह ने अंग्रेजी शासन की नींव को हिला दिया और देश की स्वतंत्रता की लड़ाई को नई दिशा प्रदान की। उप विकास आयुक्त ने कहा कि हूल दिवस हमें अपने वीर सेनानियों के अदम्य साहस, बलिदान और राष्ट्रभक्ति से प्रेरणा लेने का अवसर प्रदान करता है। वीर शहीदों की कुबार्नी को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने सभी से उनके आदर्शों को आत्मसात करते हुए समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

सिंदरी गुरुद्वारा साहिब में श्रद्धा के साथ मनाया गया छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

सिंदरी/ धनबाद। सिखों के छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद सिंह जी का प्रकाश पर्व मंगलवार को सिंदरी गुरुद्वारा साहिब में श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। प्रकाश पर्व के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने गुरुद्वारा साहिब पहुंचकर मत्था टेका और गुरु साहिब का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर स्त्री सत्संग सभा के तत्वाधान में विशेष धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरूआत श्री सुखमणि साहिब के पाठ से हुई ।इसके बाद स्थानीय कीर्तनीय जत्थे ने गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को आध्यात्मिक रस में सराबोर कर दिया। गुरुद्वारा साहिब के मुख्य ग्रंथी सरदार बलवीर सिंह ने अरदास की तथा संगत को हुक्मनामा सुना कर गुरु साहिब के आदर्शों पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं के बीच पारंपरिक गुरु का लंगर वितरित किया गया, जिसमें मिस्सी रोटी, प्याज, अचार , आम और लस्सी परोसी गई। श्रद्धालुओं ने गुरु का लंगर का प्रसाद ग्रहण कर सेवा एवं संगत की परंपरा को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर मनजीत कौर, हरभजन कौर, डॉक्टर स्मृति नागी, दविंदर कौर, सुरेंद्र कौर, रूपा कौर, रीता कौर ,हरभजन कौर, कमलजीत कौर ,प्रीती कौर, दलजीत कौर ,बलजीत कौर, गुरुद्वारा प्रधान जसप्रीत सिंह रैनो , जगदीश्वर सिंह, ओंकार सिंह, लखजीत सिंह, मनजीत सिंह उप्पल,हरविंदर सिंह, मोहन सिंह, कुलबीर सिंह, प्रेम सिंह, हरपाल सिंह, नरेंद्र सिंह, बलबीर सिंह नागी,योगेंद्र सिंह,गुरचरण सिंह, सतविंदर सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

कोयला ढुलाई से मंसूरिया नदी के पास सड़क जर्जर, बड़े हादसे की आशंका

केरेडारी/हजारीबागः थाना क्षेत्र के फोरलेन दमहाबागी से चूंदरू धाम तक पथ प्रमंडल की सड़क लगातार हो रही भारी कोयला ढुलाई के कारण जर्जर हो गई है। बीते वर्षों में इस मार्ग से करोड़ों टन कोयले का परिवहन विभिन्न कोल साइडिंगों तक किया गया, जिससे सड़क की स्थिति बद से बदतर हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस सड़क का निर्माण सिंह कंस्ट्रक्शन द्वारा कराया गया था। निर्माण के बाद निर्धारित डीएलपी (डिफेक्ट लायबिलिटी पीरियड) भी तीन से पांच वर्ष पूर्व समाप्त हो चुका है। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता सही नहीं होने के कारण सड़क समय से पहले ही क्षतिग्रस्त हो गई।

मंसूरिया नदी के पास सबसे खराब हालत : वर्तमान में सड़क के दोनों किनारे कई जगहों से टूट चुके हैं। मिट्टी धंस गई है और बीच-बीच में बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं। विशेषकर मंसूरिया नदी के समीप सड़क की स्थिति अत्यंत खतरनाक है। यहां से गुजरने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को हर समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

कांग्रेस नेता ने उठाया मुद्दा : कांग्रेस नेता रविन्द्र गुप्ता ने कहा कि देश के लिए कोयला उत्पादन और परिवहन आवश्यक है, लेकिन आम जनता की सुरक्षा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग सड़क की बदहाल स्थिति पर ध्यान नहीं दे रहा है। झारखण्ड सरकार इस गंभीर समस्या पर मौन है, जबकि सड़क की स्थिति लगातार दुर्घटनाओं को आमंत्रित कर रही है। रविन्द्र गुप्ता ने बताया कि वे पथ प्रमंडल विभाग के कार्यपालक अभियंता को पत्र लिखकर सड़क की तत्काल मरम्मत कराने की मांग करेंगे, ताकि संभावित हादसों को रोका जा सके।

खेल मैदान न होने से दम तोड़ रही मुरुमदाग गांव के युवा खेल प्रतिभाएं। युवाओं ने जताई नाराजगी

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

देपहरी मैदान को चिह्नित कर उसे खेल के मैदान के रूप में विकसित किया जाएः– मुरूमदाग की युवा

मैदान के अभाव में हमलोगों का प्रतिभा खेल के क्षेत्र में सपना हो रहा है अधूरा

झारखंड उजाला,ब्यूरो पलामू

छतरपुर,पलामू। छतरपुर प्रखंड क्षेत्र के सूदरवर्ती गांव मुरुमदाग में उचित खेल मैदान (ग्राउंड) और बुनियादी सुविधाओं के अभाव में युवाओं की प्रतिभा दम तोड़ रही है। उचित मार्गदर्शन और अभ्यास के बिना ग्रामीण खिलाड़ी राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता साबित करने से वंचित रह जाते हैं।ग्राउंड के अभाव में ग्रामीण प्रतिभाओं का दम तोड़ता सपना,युवाओं ने जताई नाराजगी मुरूमदगा के युवाओं को लगातार यह बात सामने आ रही है कि यहां के युवाओं में असीम खेल प्रतिभा छिपी हुई है, लेकिन खेल के मैदान न होने के कारण वे अपनी क्षमता का सही प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। गांव के होनहार खिलाड़ी अभ्यास करने के लिए तरस रहे हैं, जिससे उनकी प्रतिभा समय से पहले ही कुंठित हो रही है।

बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव

वर्तमान समय में खेलों को करियर के रूप में चुनने के लिए युवाओं को कठोर अभ्यास और उचित इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होती है। लेकिन मुरुमदाग पंचायत के अधिकांश गांवों में ऐसा कोई सुरक्षित खुला मैदान उपलब्ध नहीं है, जहां युवा सुबह-शाम दौड़ सकें, या क्रिकेट, फुटबॉल, कबड्डी, और एथलेटिक्स जैसे खेलों का अभ्यास कर सकें।

खिलाड़ियों का छलका दर्द

खिलाड़ियों का छलका दर्द युवाओं का कहना है कि वे गलियों और सड़कों पर खेलने को मजबूर हैं, जो किसी भी पेशेवर खेल के अभ्यास के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके अलावा, खेल उपकरण और प्रशिक्षित कोच (प्रशिक्षक) की अनुपलब्धता उनके रास्ते का एक बड़ा रोड़ा बनी हुई है। सही मंच और सुविधाएं न मिलने के कारण कई बेहतरीन खिलाड़ी खेल से दूरी बनाने को मजबूर हैं।

प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता

इस गंभीर समस्या को लेकर स्थानीय लोगों और खिलाड़ियों में गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का आरोप है कि मौखिक रूप से कई बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों से गुहार लगाने के बाद भी गांवों में खेल के मैदानों का निर्माण नहीं हो सका है। मुरुमदाग गांव के ही देपहरी जगहों पर सरकारी जमीनें होने के बावजूद, उन्हें खेल मैदान के रूप में विकसित नहीं किया गया है।भविष्य के लिए उठाई गई मांग युवाओं और खेल प्रेमियों ने सरकार और जिला प्रशासन से यह पुरजोर मांग की है किःगांवों में खाली पड़ी सरकारी जमीन जैसे देपहरी मैदान को चिह्नित कर उसे खेल मैदान के रूप में विकसित किया जाए। इसे ग्रामीण स्तर पर स्टेडियम का निर्माण कराया जाए।खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण और खेल उपकरण उपलब्ध कराए जाएं।यदि जल्द ही ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों को बढ़ावा देने के लिए कदम नहीं उठाए गए, तो यहां के प्रतिभावान युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो जाएगा और ग्रामीण क्षेत्रों से खेल प्रतिभाओं का पूरी तरह से पलायन हो जाएगा। नारजगाजी जताने वाले में पत्रकार मनोहर यादव, हनी सिंह यादव,अशोक यादव, अरविंद सिंह,मनोज यादव, सुनील कुमार यादव, बैजनाथ यादव, पप्पू यादव, पंकज कुमार यादव, रघुपत यादव , उमाशंकर यादव, दीपक यादव, रमेश सिंह, मनी कुमार भुइयां, कमलेश भुइयां, रामचंद्र यादव, भीम कुमार भुइयां, निरंजन गुप्ता, अरुण गुप्ता, संतोष साव, मनीष गुप्ता, रघुपत यादव, अंगद कुमार, रंजन यादव, रमेश यादव, राकेश यादव सहित सैकड़ों लोगों ने नाराजगी जताई।

पहरा गांव में सर्वे आम रास्ता पर कांटा झाड़ी लगाकर बंद किया, ग्रामीणों ने सीओ से लगाई गुहार

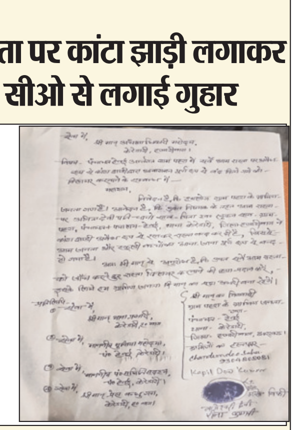

केरेडारी/हजारीबागः पंचायत हेवई अंतर्गत ग्राम पहरा में सर्वे आम रास्ता को अवैध रूप से कांटा झाड़ी लगाकर बंद कर देने का मामला सामने आया है। इससे आम जनता और स्कूली बच्चों का आना-जाना पूरी तरह ठप हो गया है। ग्रामीणों ने अंचल अधिकारी केरेडारी को आवेदन देकर रास्ता खुलवाने की मांग की है।

क्या है मामला : ग्रामीणों के आवेदन के अनुसार, ग्राम पहरा निवासी अनिता देवी पति चानो साव, पिता स्व. लुकन साव ने सर्वे आम रास्ता पर अवैध रूप से कांटा झाड़ी रखकर रास्ता बंद कर दिया है। इस कारण गांव के लोगों व स्कूली बच्चों को भारी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने अंचल अधिकारी से अनुरोध किया है कि उक्त सर्वे आम रास्ता की जांच कराकर तत्काल रास्ता खुलवाया जाए। ग्रामीणों ने कहा कि वे इसके लिए प्रशासन के सदा आभारी रहेंगे।

आवेदन की प्रतिलिपि इन्हें भी भेज दिया गया है।

1. थाना प्रभारी, केरेडारी
2. मुखिया, पंचायत हेवई
3. पंचायत समिति सदस्य, हेवई
4. प्रेस बंधुगण, केरेडारी

आवेदकः ग्राम पहरा के ग्रामीण जनता चंदरदेव साहू , कपिल देव कुमार सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित है।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

स्मिता सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

भा वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक

लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। भौगोलिकसंदर्भ

वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी?

किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है।

निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है। एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं।

आज का राशिफल

स्वामी रत्नेश जी
भारत ज्योतिष शिरोमणि,
नई दिल्ली ।

मेष राशि :- शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं. आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है. आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत है. आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं.

मेष

वृषभ राशि :- आपमें आज चुस्ती-फुर्ती देखी जा सकती है. आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा. विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफा होगा. आपके जीवन-साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत है. रोमांस के लिहाज से रोमांचक दिन है. शाम के लिए कोई खास योजना बनाएँ और जितना हो सके, इसे उतना रुमानी बनाने की कोशिश करें.

वृष

मिथुन राशि :- आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से उबरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं. लेकिन ऐसे खुदगर्ज और गुस्सैल इंसान से बचें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में इजाफा कर सकता है. जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है. वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा. जिन्हें भावनात्मक संबल की जरूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आगे आ रहे हैं.

मिथुन

कर्क राशि :- स्वयं को शांत बनाए रखें क्योंकि आज आपको ऐसी कई बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनके चलते आप काफी मुश्किल में पड़ सकते हैं. खास तौर पर अपने गुस्से पर काबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि थोड़ी देर पागलपन है. धन की आवाजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन ढलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे.

कर्क

सिंह राशि :- आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा. कई लोग आपकी खासी तारीफ कर सकते हैं. धन की आवश्यकता कभी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं. परिवार के सदस्यों की जरूरतों को तरजीह दें. उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाकई उनका खयाल रखते हैं. आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे.

सिंह

कन्या राशि :- अपनी शारीरिक चुस्ती-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं. जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है. अपनी महत्वाकांक्षाओं को ऐसे बड़ों के साथ बांटें, जो आपकी सहायता कर सकते हैं. रोमांस के नजरिए से आज जिन्दगी बहुत जटिल रहेगी. आज किए गए निवेश काफी फायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है.

कन्या

तुला राशि :- दूसरों की इच्छाएँ आपकी अपना खयाल रखने की इच्छा से टकराएगी- अपने जज्बात को बांधे नहीं और वे काम करें जिससे आपको सुकून मिले. जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीजों में निवेश करने से बचें. आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान खरीद सकते हैं. सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है.

तुला

वृश्चिक राशि :- मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ मौज-मस्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी. आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है. आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा. दोस्तों का साथ राहत देगा. अपने प्रिय की गैर-जरूरी भावनात्मक मांगों के सामने घुटने न टेकें. नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी.

वृश्चिक

धनु राशि :- खयाली पुलाव पकाने में वक़्त जाया न करें. सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें. आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इजाफा करेगा. किसी नजदीकी रिश्तेदार या मित्र की तरफ से मिली अच्छी खबर के साथ दिन की शुरूआत होगी. प्यार का भरपूर लुत्फ मिल सकता है. आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौके होंगे. अगर आप शादीशुदा हैं और आपके बच्चे भी हैं तो वो आज आपसे शिकायत कर सकते हैं।

धनु

मकर राशि :- स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अच्छा दिन है. आपकी खुशमिजाजी ही आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी करेगी. कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं. अपना कीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुजारें. यह सबसे बेहतर मरहम है. वे कभी न खत्म होने वाली खुशियों का स्रोत साबित होंगे.

मकर

कुम्भ राशि :- नियमित व्यायाम के माध्यम से वजन को नियन्त्रित रखें. खर्चों में हुई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी आपके मन की शांति को भंग करेगी. कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा. अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है. मशहूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आइडिया सुझाएगा. दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा.

कुंभ

मीन राशि :- आपका सकारात्मक रुख आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा. अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है. शाम को रसोई के लिए जरूरी चीजों की खरीदारी आपको व्यस्त रखेगी. कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम खूबसूरत तोहफों और फूलों से भरपूर रहेगी. कार्यक्षेत्र के नजरिए से आज का दिन आपका है. इसका भरपूर फायदा उठाएँ. आज आप खुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कृत होगा।

मीन

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं..

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे। व्यवसायऔर उत्पादकता सॉफ़्टवेयर

भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।

पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है। कानूनी

विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है। आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता।

घटती महंगाई

यह सुखद है कि 19 महीने के बाद थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज की गई है और यह अक्तूबर महीने में घटकर 8.39 पर आ गई है। खुदरा महंगाई दर में भी कमी का रुख उत्साहवर्द्धक है। गौर करने की बात है, लगभग पिछले साल से ही महंगाई बढ़ती चली आ रही थी, बार-बार चिंता जताई जा रही थी और भारतीय रिजर्व बैंक ने भी मौद्रिक नीति में समय-समय पर बदलाव किए हैं, अब परिणाम सामने हैं। इससे पहले मार्च, 2021 में महंगाई दर 7.89 प्रतिशत पर थी, आगामी महीनों में महंगाई दर के और घटने का अनुमान है। भारतीय अर्थव्यवस्था और अधिकतर लोगों के हित में यह जरूरी है कि महंगाई न केवल कम हो, बल्कि छह प्रतिशत के आसपास रहे। आमतौर पर दो प्रतिशत से छह प्रतिशत की महंगाई दर होनी चाहिए, उससे ऊपर जब दर चढ़ती है, तो न केवल आम लोगों, बल्कि उद्योग-धंधों को भी मुश्किल में डालती है। अब चूंकि थोक महंगाई दर दो अंकों से नीचे आई है, तो यह आशा बलवती हुई है कि आने वाले महीनों में राहत महसूस होगी।

वैसे थोक मुद्रास्फीति दर में लगभग पांच अंकों का अंतर एक महीने के समय में ही आया है, तो आश्चर्य भी होता है। खनिज तेल, धातु, फ्रैबिकेटेडेट धातु उत्पाद, अन्य गैर-धातु खनिज उत्पाद के दाम घटने से अक्तूबर, 2022 में थोक मुर्द्रास्फीति घटी बताई जा रही है। अक्तूबर महीने में सब्जियों की मुद्रास्फीति 17.61 प्रतिशत रही है, जबकि उसके पिछले महीने यह 39.66 प्रतिशत पर थी। ईंधन और बिजली में भी महंगाई दर 23.17 प्रतिशत रही है। मैन्युफैक्चरिंग उत्पादों की महंगाई दर ही कुछ कम 4.42 प्रतिशत दर्ज हुई है। विशेष रूप से सब्जियों के भाव आम लोगों को ज्यादा चुभ रहे हैं और इसलिए थोक महंगाई के आंकड़े देखकर कोई आम आदमी सवाल उठा सकता है। आम आदमी के बजट को बिगाड़ने के लिए रसोई और ईंधन पर्याप्त हैं। हाल ही में रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यह उम्मीद जताई थी कि अक्तूबर में मुद्रास्फीति की दर सात प्रतिशत से कम रहेगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका, क्योंकि मोटे तौर पर सब्जियों और ईंधन के भाव साथ नहीं दे रहे हैं। बताया जाता है, पिछले छह या सात महीनों में भारतीय रिजर्व बैंक व सरकार, दोनों ने ही मुद्रास्फीति को कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। आरबीआई गवर्नर के मुताबिक, केंद्रीय बैंक ने अपनी ओर से ब्याज दरों में वृद्धि की है, जबकि सरकार की तरफ से आपूर्ति पक्ष से जुड़े कई कदम उठाए गए हैं। फिर भी कसर रह ही जा रही है।

भारत की खुदरा मुद्रास्फीति, जिसे उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) द्वारा मापा जाता है, अक्तूबर महीने में तीन महीने के निचले स्तर 6.77 प्रतिशत पर आ गई है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आंकडे.उत्साहजनक हैं। सितंबर महीने में खुदरा महंगाई दर 7.41 फीसदी थी। तीन महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने के बावजूद खुदरा महंगाई लगातार 10वें महीने में भी रिजर्व बैंक के छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा के पार बना हुआ है। सरकार ने रिजर्व बैंक को कह रखा है कि 2026 तक खत्म होने वाली पांच वर्षीय अवधि में महंगाई दर को दो से चार प्रतिशत तक रखना है। हालांकि, यह लक्ष्य पाना आसान नहीं है। महंगाई घटाने के लिए अनेक मोर्चों पर कदम उठाने व कड़े फैसले लेने की जरूरत पड़ेगी। उत्पादन पर ध्यान देना जितना जरूरी है, उससे कहीं ज्यादा जरूरी है आपूर्ति को आसान बनाना, ताकि कीमतों को आबादी के अनुरूप घटाया जा सके।

भारत सहित विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक बढ़ा रहे है अपने स्वर्ण भंडार

भारत को इस स्वर्ण भंडार को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिवर्ष फी के रूप में कुछ राशि बैंक आफ इंग्लैंड को अदा करनी होती थी अतः अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 100 टन स्वर्ण भंडार को भारत लाने के बाद इस फी की राशि को अदा करने से भी भारत बच जाएगा। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी बैंकों में रखे भारत के 100 टन सोने को ब्रिटेन से वापिस भारत में ले आया गया है। यह सोना भारत ने ब्रिटेन के बैंक में रिजर्व के तौर पर रखा था और इस पर भारत प्रतिवर्ष कुछ फीस भी ब्रिटेन के बैंक को अदा करता रहा है। समस्त देशों के केंद्रीय बैंक अपने यहां सोने के भंडार रखते हैं ताकि इस भंडार के विरुद्ध उस देश में मुद्रा जारी की जा सके (भारत में 308 टन सोने के विरुद्ध रुपए के रूप में मुद्रा जारी की गई है, यह सोने के भंडार भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा हैं) और यदि उस देश की अर्थव्यवस्था में कभी परेशानी खड़ी हो एवं उस देश की मुद्रा का तेजी से अवमूल्यन होने लगे तो इस प्रकार की परेशानियों से बचने के लिए उस देश को अपने स्वर्ण भंडार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचना पड़ सकता है। इस कारण से विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंक अपने पास स्वर्ण के भंडार रखते हैं। पूरे विश्व में उपलब्ध स्वर्ण भंडार का 17 प्रतिशत हिस्सा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों के पास जमा है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी 822 टन के स्वर्ण भंडार हैं। सुरक्षा की दृष्टि से इसका 50 प्रतिशत से अधिक भाग, अर्थात लगभग 413.8 टन, भारत के बाहर अन्य केंद्रीय बैंकों विशेष रूप से बैंक आफ इंग्लैंड एवं बैंक आफ इंटर्नैशनल सेटल्मेंट के पास रखा गया है। उक्त वर्णित 308 टन के अतिरिक्त 100.3 टन स्वर्ण भंडार भी भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा है। वर्ष 1947 में भारत के राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व ही भारत ने अपने स्वर्ण के भंडार बैंक आफ इंग्लैड में रखे हुए हैं। इसके बाद 1990 के दशक में भी भारत ने अपनी आर्थिक परेशानियों के बीच अपने स्वर्ण भंडार को बैक आफ इंग्लैंड में गिरवी रखकर अमेरिकी डॉलर उधार लिए थे। विभिन्न देशों द्वारा लंदन में स्वर्ण भंडार इसलिए रखे जाते हैं क्योंकि लंदन पूरे विश्व का सबसे बड़ा स्वर्ण बाजार है और यहां स्वर्ण को सुरक्षित रखा जा सकता है। यहां के बैकों द्वारा विभिन्न देशों को स्वर्ण भंडार के विरुद्ध अमेरिकी डॉलर एवं ब्रिटिश पाउंड में आसानी से ऋण प्रदान किया जाता है बल्कि यहां पर स्वर्ण भंडार को आसानी से बेचा भी जा सकता है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण के कई खरीदार यहां आसानी से उपलब्ध रहते हैं। कुल मिलाकर इंग्लैंड स्वर्ण का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बहुत बड़ा बाजार हैं। लंदन के बाद न्यूयॉर्क को भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण का एक बड़ा बाजार माना जाता है। भारत को इस स्वर्ण भंडार को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिवर्ष फी के रूप में कुछ राशि बैंक आफ इंग्लैंड को अदा करनी होती थी अतः अब भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 100 टन स्वर्ण भंडार को भारत लाने के बाद इस फी की राशि को अदा करने से भी भारत बच जाएगा। दूसरे अपने यहां स्वर्ण भंडार रखने से भारत के पास सदैव तरलता बनी रहेगी। जब चाहे भारत इस स्वर्ण भंडार का इस्तेमाल स्थानीय अथवा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने हित के लिए कर सकता है। वर्ष 2009 में भारत ने 200 टन का स्वर्ण भंडार अंतरराष्ट्रीय बाजार में 670 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अदा कर खरीदा था।

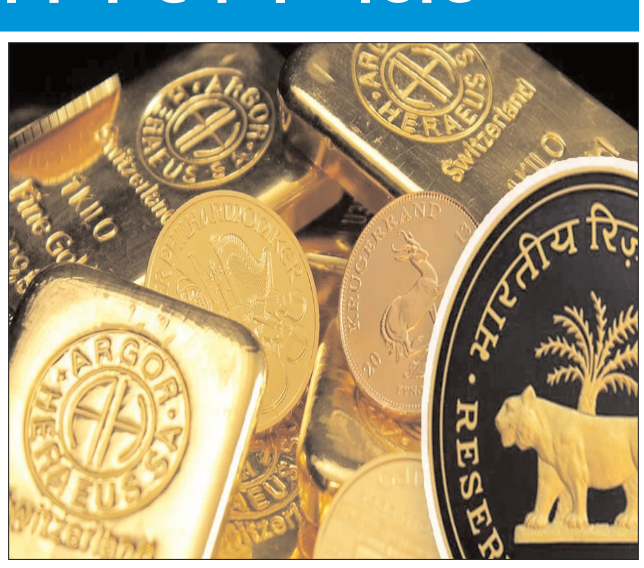

झमाझम बारिश, आंधी-तूफान के साथ होगी जुलाई की शुरुआत, आईएमडी ने बिहार के इन जिलों में जारी किया ऑरेंज अलर्ट

एजेंसी

पटनाः पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक 1 जुलाई को बिहार के उत्तरी और पश्चिमी इलाकों में मानसून सबसे ज्यादा एक्टिव रहेगा. इस दिन पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी और समस्तीपुर में मौसम सबसे ज्यादा खराब हो सकता है. इन 12 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. यहां 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चलेंगी और भारी बारिश के साथ बिजली गिर सकती है.इसके अलावा राजधानी पटना, भोजपुर, बक्सर, कैमूर, रोहतास, अरवल, जहानाबाद, औरंगाबाद, गया, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर, जमुई, बांका, भागलपुर, सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, पूर्णिया, अररिया, कटिहार और किशनगंज में येलो अलर्ट जारी किया गया है. यहां बादल गरजने के साथ हल्की या मध्यम दर्जे की बारिश होगी.

2 जुलाई को दिखेगा मानसून का कहर

2 जुलाई को मौसम विभाग ने पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास और औरंगाबाद में भारी बारिश और आंधी-तूफान के चलते ऑरेंज अलर्ट जारी किया है.पटना, गया, अरवल, जहानाबाद, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय, बेगूसराय, वैशाली, समस्तीपुर, मुजफ्फरपुर, दरभंगा, मधुबनी, शिवहर, सीतामढ़ी, खगड़िया, मुंगेर, जमुई, बांका, भागलपुर, सहरसा, मधेपुरा, सुपौल, पूर्णिया, अररिया, कटिहार और किशनगंज में येलो अलर्ट जारी किया गया है. इन जगहों पर बिजली चमकने के साथ हल्की फुहारें पड़ने के आसार हैं.

3 जुलाई को दक्षिण और मध्य बिहार में खराब रहेगा मौसम

3 जुलाई को मानसून का रुख बदल जाएगा और यह दक्षिण व मध्य बिहार की तरफ शिफ्ट हो जाएगा. इस दिन बक्सर, भोजपुर, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद, पटना, नालंदा, नवादा, शेखपुरा, लखीसराय और बेगूसराय जिलों में मूसलाधार बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका है. इसे देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है.इसी दिन पश्चिम चंपारण, पूर्वी चंपारण, गोपालगंज, सीवान, सारण, मुजफ्फरपुर, शिवहर, सीतामढ़ी, वैशाली, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी, खगड़िया, मुंगेर और जमुई में येलो अलर्ट जारी किया गया है. यहां हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है.पूर्वी बिहार और कोशी-सीमांचल के जिलों यानी सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, खगड़िया, भागलपुर, बांका, पूर्णिया, अररिया, कटिहार और किशनगंज के लोगों के लिए राहत की खबर है. यहां मौसम सामान्य रहेगा और विभाग ने कोई चेतावनी जारी नहीं की है.

बिहार के इस मंदिर से मिला शव, पोखर में थी लाश और मुख्य गेट पर खड़ी थी साइकिल

एजेंसी

बेतियाः बिहार के बेतिया शहर के कालीबाग मंदिर परिसर स्थित पोखरे में एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया है. मंगलवार को स्थानीय लोगों ने पोखरे के पानी में एक युवक का शव तैरता देखा, जिसके बाद इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई. देखते ही देखते घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई.

कालीबाग मंदिर के पोखर से मिली लाशः घटना की सूचना मिलते ही कालीबाग थानाध्यक्ष अजय चौधरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से काफी मशक्कत के बाद शव को पोखरे से बाहर निकलवाया. इसके बाद पुलिस ने

मृत युवक की पहचान कराने का प्रयास शुरू कर दिया है.

मंदिर के मुख्य गेट से साइकिल बरामदः पुलिस जांच के दौरान मंदिर के गेट के पास से एक साइकिल बरामद हुई है. साइकिल पर एक बैग बंधा हुआ था. बैग की तलाशी लेने पर उसमें कुछ कपड़े और एक मोबाइल चार्जर मिला है. हालांकि, बैग और साइकिल मिलने के बाद भी अब तक मृत युवक की पहचान नहीं हो सकी है. पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवक कौन था और वह किस इलाके का रहने वाला था.

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजारः घटना के बाद इलाके में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं. स्थानीय लोग भी युवक की मौत को लेकर कई तरह के कयास लगा रहे हैं. हालांकि, पुलिस ने अभी तक किसी भी संभावना की पुष्टि नहीं की है. पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और मृतक की पहचान होने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा.

पुलिस ने सोशल मीडिया पर साझा की तस्वीरः फिलहाल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. साथ ही मृतक की पहचान सुनिश्चित करने के लिए युवक की तस्वीर और उससे जुड़ी जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से साझा की जा रही है.

भरत तिवारी एनकाउंटर : भोजपुर में बहुजन महापंचायत का ऐलान, आखिर क्यों वायरल हो रहा यह पोस्टर?

एजेंसी

भोजपुरः भोजपुर जिले में भरत तिवारी एनकाउंटर को लेकर एक बार फिर सियासी हलचल तेज हो गई है. शाहपुर के बिलौटी गांव में हाल ही में हुई महापंचायत के बाद अब 5 जुलाई को जगदीशपुर प्रखंड में एक और बड़ी महापंचायत बुलाने का ऐलान किया गया है. इस पंचायत को बहुजन महापंचायत नाम दिया गया है, जिसमें हजारों लोगों के जुटने का दावा किया जा रहा है. ऐसे में यह सवाल भी उठने लगा है कि इस महापंचायत का मकसद क्या है?

5 जुलाई को जगदीशपुर में बड़ा जुटान

जानकारी के मुताबिक, जगदीशपुर प्रखंड क्षेत्र के लाल बिहारी सिंह टोला स्थित हाई स्कूल मैदान में इस बहुजन महापंचायत का आयोजन किया जाएगा. आयोजन को लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं. बहुजन महापंचायत कमिटी ने स्थानीय प्रशासन को आवेदन देकर सुरक्षा और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को लेकर अवगत कराया है, क्योंकि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है.

बहुजन एकता दिखाने का दावा

इस महापंचायत का आयोजन बहुजन आर्मी नामक संगठन द्वारा किया जा रहा है. संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोल्डेन दास ने दलित, आदिवासी, पिछड़ा और अल्पसंख्यक समाज के लोगों से बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की है. सोशल मीडिया के जरिए भी लोगों को लगातार कार्यक्रम में आने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है. आयोजकों का कहना है कि इस मंच के जरिए बहुजन समाज की एकजुटता दिखाई जाएगी.

पोस्टर को लेकर विवाद

महापंचायत से जुड़े कुछ पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिन्हें लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है. इन पोस्टरों में भगवान बुद्ध, सम्राट अशोक, डॉ., लालू प्रसाद यादव, नीतीश कुमार, रामविलास पासवान और मुलायम सिंह यादव जैसे बड़े नेताओं की तस्वीरें लगाई गई हैं. वहीं, कुछ पोस्टरों में भरत तिवारी के श्राद्ध तक अल्टीमेटम देने की भी बात कही जा रही है, जिससे माहौल और गरमा गया है.

बहुजन महापंचायत का पोस्टर

मांझी ने की महापंचायत में शाम?ल होने की घोषणा

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने इस महापंचायत में शामिल होने की घोषणा की है. उन्होंने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पोस्ट में लिखा, देश की जनता पुकार, बहुजन एकता अबकी बार के नारे के साथ वह 5 जुलाई को आरा पहुंचेंगे और जगदीशपुर में आयोजित बहुजन महासभा में हिस्सा लेंगे. उन्होंने कहा कि देश संविधान से चलेगा, न कि अवैध हथियारों के दम पर। उनके अनुसार भरत तिवारी कोई क्रांतिकारी नहीं था, बल्कि उसके खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज थे.

सियासी कनेक्शन और बढ़ी चर्चा

इस महापंचायत को लेकर सियासी चचाएं भी तेज हो गई हैं. दावा किया जा रहा है कि कार्यक्रम के जरिए बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के समर्थन को भी मजबूत करने की कोशिश होगी. हालांकि, इसको लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर खूब चर्चा हो रही है.

आज है भरत तिवारी की तेहरवीं

भरत तिवारी के तेरहवीं की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं. परिजनों और पारिवारिक मित्रों की ओर से बड़े स्तर पर आयोजन की तैयारी की जा रही है. आयोजन में करीब 20 से 25 हजार से अधिक लोगों के लिए खाने की व्यवस्था की जा रही है. भोजन तैयार करने के लिए करजा, बिलौटी और ब्रह्मपुर इलाके के लगभग 100 हलवाई और करीब 300 सहायक लगातार जुटे हुए हैं. खाना बनाने के लिए एलपीजी सिलेंडर और कोयले की व्यवस्था की गई है.

संक्षिप्त खबर

कहां छुपा है प्रभु भगत?, सीतामढ़ी पुलिस हाजत से हुआ था फरार 25 हजार का इनामी, 3 चौकीदार निलंबित

सीतामढ़ीः बिहार के सीतामढ़ी पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है. जिले का मोस्ट वांटेड अपराधी प्रभु भगत परिहार थाना की हाजत का रोशनदान तोड़कर फरार हो गया. हत्या, लूट, रंगदारी समेत कई संगीन मामलों में वांछित अपराधी के फरार होने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है. मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी अमित रंजन ने विशेष टीम का गठन किया है और आरोपी की गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये के इनाम की घोषणा की है.जानकारी के अनुसार, मोस्ट वांटेड अपराधी प्रभु भगत को पुलिस ने गिरफ्तार कर परिहार थाना की हाजत में रखा था. बताया जा रहा है कि उसने हाजत में बने रोशनदान को तोड़कर बाहर निकलने का रास्ता बनाया और पुलिस की आंखों में धूल झोंकते हुए फरार हो गया. घटना की जानकारी मिलते ही जिलेभर में अलर्ट जारी कर दिया गया. प्रभु भगत लंबे समय से सीतामढ़ी पुलिस की वांटेड सूची में शामिल था. उसके खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी, आर्म्स एक्ट समेत एक दर्जन से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज बताए जा रहे हैं. पुलिस को उम्मीद थी कि उसकी गिरफ्तारी से कई लंबित मामलों का खुलासा होगा, लेकिन हिरासत से फरारी ने पुलिस के सामने नई चुनौती खड़ी कर दी है. घटना के बाद सीतामढ़ी के एसपी अमित रंजन ने तत्काल विशेष पुलिस टीम का गठन किया है. जिले के सभी थाना क्षेत्रों को अलर्ट पर रखा गया है. नेपाल सीमा से सटे इलाकों, प्रमुख सड़कों, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है. एसपी ने प्रभु भगत की गिरफ्तारी अथवा उसके संबंध में पुख्ता सूचना देने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा की है. सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी. इस गंभीर चूक के बाद पुलिस विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए परिहार थाना में तैनात तीन चौकीदारों को निलंबित कर दिया है. वहीं, थानाध्यक्ष की भूमिका की विभागीय जांच शुरू कर दी गई है. जांच में यह पता लगाया जाएगा कि सुरक्षा व्यवस्था में आखिर चूक कहां हुई और इस घटना के लिए कौन जिम्मेदार है. यदि किसी पुलिसकर्मी की लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है तो उसके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी.मोस्ट वांटेड अपराधी के थाना हाजत से फरार होने की घटना ने पुलिस की कार्यप्रणाली और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. फिलहाल पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही हैं. सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि आरोपी नेपाल की ओर फरार न हो सके. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरारी के पूरे घटनाक्रम की गहन जांच की जा रही है. आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से आरोपी की तलाश की जा रही है. पुलिस ने दावा किया है कि प्रभु भगत को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

कौन है बिहार का वांटेड नक्सली सुरेश बैठा, जिसे बिहार पुलिस ने दबोचा, जानिए पूरी क्राइम कुंडली

मोतिहारीः पूर्वी चंपारण पुलिस को नक्सलियों के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है. पुलिस ने साल 2005 के चर्चित मधुबन नक्सली ब्लास्ट कांड के मुख्य आरोपी और हार्डकोर नक्सली सुरेश बैठा को गिरफ्तार कर लिया है. गिरफ्तार नक्सली की पहचान पताही थाना क्षेत्र के नोंफरवा गांव निवासी महेंद्र बैठा के बेटे के रूप में हुई है. पुलिस पिछले दो दशकों से इस कुख्यात अपराधी की तलाश कर रही थी. सुरेश बैठा पर साल 2005 में मधुबन प्रखंड मुख्यालय पर हुए भयानक नक्सली हमले का मुख्य आरोप है. उस समय नक्सलियों ने मुख्यालय को निशाना बनाकर एक जबरदस्त धमाका किया था, जिसमें 5 पुलिसकर्मी शहीद हो गए थे. इस भीषण हमले के बाद स्थानीय मधुबन थाने में कांड संख्या 29/2005 दर्ज की गई थी, जिसके बाद से ही आरोपी लगातार फरार चल रहा था. मोतिहारी पुलिस ने बताया, सुरेश बैठा एक बेहद शातिर और हार्डकोर नक्सली है. वह पिछले दो दशकों से पुलिस की आंखों में धूल झोंककर फरार चल रहा था. मधुबन ब्लास्ट के अलावा जिले में हुई कई अन्य नक्सली वारदातों में भी उसकी सक्रिय भूमिका रही है. उस पर विभिन्न क्षेत्रों से लेवी वसूली करने, पुलिस टीमों पर हमला करने और सरकारी संपत्तियों को भारी नुकसान पहुंचाने का आरोप है. पताही थाना प्रभारी बबन कुमार ने बताया कि "सुरेश बैठा एक बेहद कुख्यात नक्सली है. 2005 के मधुबन ब्लास्ट कांड में इसकी मुख्य भूमिका थी, जिसमें हमारे 5 जवान शहीद हुए थे. इसके अलावा भी कई नक्सली घटनाओं में इसकी संलिप्तता मिली है. लंबे समय से फरार चल रहे इस नक्सली को पकड़ने के लिए गठित एक विशेष टीम ने आखिरकार इसे धर दबोचा." फिलहाल पुलिस गिरफ्तार नक्सली सुरेश बैठा को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ कर रही है. पुलिस अधिकारियों को पूरी उम्मीद है कि इस पूछताछ से जिले में सक्रिय नक्सली नेटवर्क और वर्तमान में फरार चल रहे अन्य नक्सलियों के बारे में कई अहम जानकारियां मिलेंगी. इसके साथ ही, पिछले कई सालों से लंबित पड़े पुराने मामलों के राज भी खुलने की संभावना जताई जा रही है. साल 2005 के बाद से पूर्वी चंपारण जिले में नक्सली गतिविधियों पर काफी हद तक लगाम लगी है. जिला पुलिस और एसटीएफ की लगातार संयुक्त कार्रवाइयों के कारण क्षेत्र के कई बड़े नक्सली या तो मुठभेड़ में मारे गए हैं या फिर सलाखों के पीछे भेजे जा चुके हैं. ऐसे में खूंखार सुरेश बैठा की इस गिरफ्तारी को पुलिस विभाग अपनी एक बहुत बड़ी उपलब्धि मान रहा है. मधुबन ब्लास्ट में शहीद हुए 5 पुलिसकर्मियों के पीड़ित परिजन पिछले दो दशकों से आज भी सच्चे इंसाफ का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अब सुरेश बैठा की गिरफ्तारी होने के बाद इस पूरे कानूनी केस में तेजी आने की उम्मीद काफी बढ़ गई है. पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करते हुए आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लेने की तैयारी शुरू कर दी है.

पांडव सेना गिरोह का सरगना संजय सिंह गिरफ्तार

एजेंसी

बिहारः बिहार एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है. STF ने मंगलवार की सुबह कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी व पांडव सेना के सरगना संजय सिंह को बिहटा रेलवे स्टेशन से गिरफतार कर लिया. वह अपनी पत्नी और बच्चे के साथ दिल्ली से पटना लौट रहा था. पुलिस को सूचना मिली थी कि वह विक्रमशिला से पटना लौट रहा है. मिली सूचना के आधार पर जीआरपी के सहयोग से रेलव स्टेशन पर घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया. वह मसौढ़ी थाना इलाके के निमा गांव का रहने वाला है. संजय सिंह के खिलाफ बिहार समेत झारखंड के अलग-अलग जिलों में हत्या, लूट रंगदारी, अवैध हथियार, अवैध खनन जैसे कई आपराधिक मामले दर्ज है. एसटीएफ ने बताया कि बिहटा थाना कांड संख्या 672/2025 में एके-47 बरामदगी मामले को लेकर उसकी तलाश की जा रही थी. गुप्त सूचना मिलने के बाद विशेष टीम ने कार्रवाई की और गिरफ्तार कर लिया. पूछताछ से अवैध हथियारों की आपूर्ति, संगठित अपराध और उसके नेटवर्क से जुड़े कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना है. संजय सिंह काफी समय से फरार चल रहा था.पुलिस उसके नेटवर्क, सहयोगियों और आपराधिक घटनाओं में उसकी भूमिका की जांच कर रही है. इस गिरफ्तारी से संगठित अपराध के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को बड़ी सफलता मिली है.संजय सिंह की पत्नी ने वीडियो जारी कर अपने पति के साथ अनहोनी की आशंका जताई है. उन्होंने दावा किया कि वह अपने पति और बच्चों के साथ दिल्ली से विक्रमशिला एक्सप्रेस से पटना लौट रही थीं. रास्ते में जीआरपी ने उनके पति को हिरासत में लिया. उन्होंने पुलिस से अपने पति की सुरक्षा सुनिश्चित करने और कानून के अनुसार कार्रवाई करने की मांग की है.

दाह संस्कार की तैयारी में था पिता, तभी बेटी का वीडियो वायरल.. कहा- 'मम्मी-पापा मैं अभी जिंदा हूं'

एजेंसी

समस्तीपुरः बिहार के समस्तीपुर जिले के विद्यापतिनगर थाना क्षेत्र के गढ़सिसई पंचायत स्थित भजनगामा गांव में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. 21 जून को घर से दादी की दवा लाने निकली स्नातक प्रथम वर्ष की छात्रा घर नहीं लौटी. परिवार ने खोजबीन की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला.

तालाब किनारे परिजनों को मिला शवः परिवारवालों ने जमीनी विवाद में अपहरण की आशंका जताते हुए 23 जून को विद्यापतिनगर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई. पुलिस लापता युवती की तलाश में जुटी थी. इसी बीच 27 जून को पड़ोसी जिले बेगूसराय के गढ़पुरा थाना क्षेत्र में तालाब किनारे बोरे में बंद एक सड़ा-गला शव मिला.

परिजनों ने की दाह संस्कार की तैयारीः परिवार को शव दिखाए जाने पर परिजनों ने उसे अपनी बेटी की शिनाख्त कर ली. शोकाकुल परिवार सोमवार सुबह शव को घर लाकर दाह संस्कार की तैयारी कर रहा था. ठीक दाह संस्कार की तैयारी के दौरान सोशल मीडिया पर छात्रा का वीडियो वायरल हो गया.

वायरल हुआ बेटी का वीडियोः वीडियो में युवती खुद को जिंदा बताते हुए कह रही है कि वह अपनी इच्छा से लव मैरिज कर चुकी है और पूरी तरह सुरक्षित है. उसने अपनी तस्वीर और अन्य वीडियो भी साझा किए. वीडियो वायरल होते ही परिवार स्तब्ध रह गया.

परिवार और पुलिस दोनों हैरानः पुलिस ने भी मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है. दलसिंहसराय डीएसपी विवेक कुमार ने बताया कि लापता लड़की का वीडियो सामने आ गया है और उसका लोकेशन ट्रेस किया जा रहा है. डीएसपी ने कहा कि पुलिस टीम युवती को शीघ्र बरामद करने में जुटी हुई है. वीडियो की प्रामाणिकता की भी जांच की जा रही है. फिलहाल युवती की सुरक्षित बरामदगी प्राथमिकता है.

लव मैरिज की वजह से घर से भागी छात्रा!ः ग्रामीणों के अनुसार छात्रा दलसिंहसराय कॉलेज में ग्रेजुएशन कर रही थी. उसकी एक स्थानीय युवक से लंबे समय से दोस्ती थी. दोनों ने शादी करने का फैसला लिया और गुपचुप तरीके से घर से भाग गए. यह मामला अब पूरे जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है.

खान सर को बड़ी राहत, पटना सिविल कोर्ट ने 3 जुलाई तक गिरफ्तारी पर लगाई रोक

एजेंसी

पटनाः पटना सिविल कोर्ट में खान ग्लोबल स्टडीज के संचालक फैजल खान उर्फ खान सर और ज्ञान बिंदु एकेडमी के संस्थापक रोशन आनंद के बीच चल रहे विवाद में आज खान सर को बड़ी राहत मिली है. अदालत ने खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए पुलिस द्वारा किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई और उनकी गिरफ्तारी पर लगी नो क्रॉसिव को 3 जुलाई 2026 तक के लिए बढ़ा दिया है.

सुनवाई 3 जुलाई तक स्थगितः आज कोर्ट में खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर महत्वपूर्ण बहस हुई, जिसके बाद कोर्ट ने अगली तारीख मुकर्रर की. अदालत ने इस मामले में पूरी तरह से स्पष्टता और सबूतों की जांच के लिए सुनवाई को 3 जुलाई तक के लिए स्थगित किया है. कोर्ट ने पुलिस और संबंधित प्रशासन से घटना से जुड़ी पुलिस की अपडेटेड केस डायरी और खान सर के निजी बॉडीगार्ड्स के हथियारों के लाइसेंस की जांच रिपोर्ट तलब की हैं.

क्यों टली आज की सुनवाई?ः आज की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने खान सर के बॉडीगार्ड के हथियार लाइसेंस की रिपोर्ट तलब की है। इसके साथ ही पुलिस की अपडेटेड केस डायरी और इन हथियारों की परमिट जांच रिपोर्ट आने के बाद ही अगली कानूनी प्रक्रिया पर विचार किया जाएगा. जब तक ये दोनों आधिकारिक दस्तावेज अदालत के समक्ष प्रस्तुत नहीं किए जाते, तब तक कोर्ट ने खान सर को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण देने का फैसला किया है.

संस्थानों के बीच टकराव का है मामलाः खान सर और रोशन आनंद के कोचिंग संस्थानों के प्रबंधन और समर्थकों के बीच किसी बात को लेकर हिंसक झड़प हो गई थी. विवाद इतना बढ़ गया कि 2 जून की रात इलाके में जमकर तोड़फोड़ हुई और कथित तौर पर हवाई फायरिंग भी की गई. विरोधी गुट का आरोप है कि खान सर के निजी बॉडीगार्ड्स ने दहशत फैलाने और भीड़ को डराने के लिए गोलियां चलाईं.

पुलिस की एफआईआरः इस घटना के बाद पटना पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए खान सर, रोशन आनंद और उनके सुरक्षाकर्मियों समेत कई अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या के प्रयास और दंगा भड़काने जैसी गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी. वहीं दोनों गाड्र्स को गिरफ्तार कर लिया गया था, जो अभी भी जेल में बंद हैं.

मामले में रौशन आनंद को मिली जमानतः खान सर के द्वारा रौशन आनंद और उनके भाई प्रिंस यादव समेत कई लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया था. उधर खान सर को 9 जून को अदालत से अग्रिम जमानत मिल गई थी. 15 जून को रौशन आनंद को भी नियमित जमानत मिली. हालांकि इस दौरान रौशन आनंद के भाई प्रिंस यादव की नेपाल में मौत हो गई थी.

.राबड़ी देवी ने सरकारी आवास खाली करने के लिए 5 जुलाई तक का समय मांगा

एजेंसी

बिहार : बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित अपने सरकारी आवास को खाली करने के लिए सरकार से कुछ दिनों की मोहलत मांगी है. तय समय सीमा समाप्त होने के बाद उन्होंने भवन निर्माण विभाग को पत्र लिखकर 5 जुलाई तक का समय देने का अनुरोध किया है.जानकारी के मुताबिक, यह सरकारी आवास लंबे समय से राबड़ी देवी के नाम आवंटित था. सरकार की ओर से इसे खाली करने का निर्देश मिलने के बाद परिवार ने सामान हटाने का काम शुरू कर दिया है. सोमवार को आवास खाली करने की आखिरी तारीख थी.लेकिन प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण उन्होंने समय बढ़ाने की मांग की है. भवन निर्माण विभाग को भेजे गए पत्र में राबड़ी देवी ने बताया है कि घर का सामान हटाने और बाकी जरूरी काम पूरे करने में अभी कुछ समय लगेगा. इसी वजह से उन्होंने 5 जुलाई तक का समय देने का अनुरोध किया है.बता दें कि 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास से धीरे-धीरे घरेलू सामान बाहर निकाला जा रहा है. ट्रक और पिकअप वाहनों के जरिए सामान दूसरी जगह भेजा जा रहा है. सोमवार को राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव भी 10 सर्कुलर रोड पहुंचे थे. उनके दौरे के दौरान भी सामान शिफ्ट करने का काम जारी था.

खबर संक्षेप

पर्सिस्टेंट सिस्टम्स के शेयर में 11% से अधिक की गिरावट

नई दिल्ली। पर्सिस्टेंट सिस्टम्स के शेयर में सोमवार को 11 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट कंपनी के उस बयान के बाद आई है जिसमें उसने जर्मनी की डिजिटल इंजीनियरिंग कंपनी 'नागारो' का अधिग्रहण करने की घोषणा की है। बीएसई पर कंपनी का शेयर 11.20 प्रतिशत टूटकर 4,298.25 रुपये पर बंद हुआ।

रुपया नौ पैसे कमजोर होकर 94.54 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को नौ पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.54 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की अनुकूल कीमतों और विदेशी निवेश प्रवाह में सुधार के कारण रुपये ने सकारात्मक शुरुआत की। अमेरिका-ईरान के बीच फिर से सैन्य संघर्ष के कारण निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई जिससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बना।

टर्टलमिंट सूचीबद्ध होने के बाद 11 प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली। बीमा प्रौद्योगिकी कंपनी टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस का शेयर सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद अपने निर्गम मूल्य 152 रुपये के मुकाबले करीब 11 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर 136.20 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो इसके निर्गम मूल्य से 10.39 प्रतिशत कम है।

सीमैक्स रिसोर्सेज का एसएमई आईपीओ आज खुलेगा

SEEMAX RESOURCES IPO

नई दिल्ली। वडोदरा स्थित सीमैक्स रिसोर्सेज मंगलवार को अपना एसएमई आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पेश करेगी, जिसके लिए मूल्य दायरा 134-141 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। एक बयान के अनुसार, 19.74 करोड़ रुपये का यह सार्वजनिक निर्गम पूरी तरह से 14 लाख नए शेयरों का निर्गम है और यह दो जुलाई को बंद होगा।

जेरोधा निवेश बैंकिंग क्षेत्र में कदम रखने की तैयारी में

ZERODHA

नई दिल्ली। ऑनलाइन ब्रोकरेज फर्म जेरोधा ने अपनी वित्तीय सेवाओं का दायरा बढ़ाने के मकसद से बाजार नियामक सेबी के पास मर्चेंट बैंकिंग लाइसेंस के लिए आवेदन किया है। सेबी के अनुसार, जेरोधा की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी जेरोधा कॉरपोरेट एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से यह आवेदन किया गया है।

एक्सिस बैंक के सीएफओ शर्मा ने दिया इस्तीफा

AXIS BANK

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के एक्सिस बैंक के मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) पुनीत शर्मा ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। शर्मा ने अपने पेशेवर जीवन की यात्रा के अगले चरण को आगे बढ़ाने के लिए इस्तीफा देने का फैसला किया है। बैंक ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूचना में कहा कि 31 अगस्त, 2026 को कामकाज का समय समाप्त होने के बाद सेवाओं से मुक्त कर दिया जाएगा। इसके बाद वह बैंक के प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक और वरिष्ठ प्रबंधन का हिस्सा नहीं रहेंगे।

चीन ने बना डाला 'एंथ्रोपिक माइथोस' जितना पावरफुल मॉडल, अमेरिका को झटका

नई दिल्ली

एआई मॉडल की रेस में चीन लगातार सरप्राइज दे रहा है। पहले डीपसी मॉडल के साथ तहलका मचाने वाले चीन ने एक और धमाके की तैयारी कर ली है।

- पहले भी डीपसीक मॉडल के साथ चीन धमाका मचा चुका

रिसर्चर का कहना है कि चाइनीज स्टार्टअप जिनपिक एआई ने एक नया जीएलएम-5.2 मॉडल तैयार किया है, जो बग ढूंढने के मामले में एंथ्रोपिक के पावरफुल माइथोस मॉडल को टक्कर दे सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, झिंपु एआई ने इसी महीने अपने जीएलएम-5.2 मॉडल को रिलीज किया है। इसे जेड आई भी कहा जा रहा है और सॉफ्टवेयर में खामियां ढूंढने के मामले में यह कई अमेरिकी मॉडल को टक्कर दे सकता है। हालांकि, रीजनिंग और जनरल एआई कैपेबिलिटीज को लेकर यह ओपन एआई और एंथ्रोपिक जैसी कंपनियों से पीछे है, लेकिन जानकारों का मानना है कि साइबर सिक्योरिटी के फील्ड में अब अमेरिकी और चाइनीज मॉडल में अंतर लगातार कम होता जा रहा है।

चीन लगातार एआई मॉडल की रेस में सरप्राइस दे रहा

अमेरिकी कंपनियों के लिए बजी खतरे की घंटी

जीएलएम-5.2 को लेकर हैरान कर देने वाले दावे ऐसे समय सामने आए हैं, जब दुनियाभर की कंपनियां सस्ते एआई मॉडल की तरफ देख रही है। माइक्रोसॉफ्ट समेत कई कंपनियां इस बात पर विचार कर रही हैं कि क्या उन्हें अपने प्लेटफॉर्म्स पर चाइनीज एआई मॉडल अवेलेबल करवाने चाहिए. अगर यह ट्रेंड जोर पकड़ता है तो कंपनियों का झुकाव चाइनीज मॉडल्स की तरफ होगा और यह अमेरिकी कंपनियों के लिए खतरे की घंटी बन सकता है।

गलत हाथों में पड़ जाए तो खतरा

जीएलएम-5.2 एक ओपन वेट मॉडल है। इसका मतलब है कि यूजर बिना किसी क्लाउड एक्सेस के इसे अपने डिवाइस पर डाउनलोड, मॉडिफाई और रन कर सकते हैं। इससे डेवलपर्स और एंटरप्राइजेज को ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी मिलती है, लेकिन अगर यह गलत हाथों में पड़ जाए तो इसके खतरे भी हैं।

मुकाबले में किसने मारी बाजी?

ओपन राउटर ने चाइनीज मॉडल को दुनिया के 10 सबसे ज्यादा यूज होने वाले एआई मॉडल्स में शामिल किया है। साइबर सिक्योरिटी कंपनी सेमग्रेप ने भी पाया कि कई बेंचमार्क टेस्ट में चाइनीज मॉडल ने एंथ्रोपिक के क्लाउड ओप्स 4.8 मॉडल को पछाड़ दिया था।

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने लागू की व्यवस्था

सरकार ने लागू की 'सुधार नोटिस' व्यवस्था : पहली चूक पर राहत

- पहली नोटिस में खामियां सुधारने का अवसर
- नोटिस में खामी का विवरण दिया जाएगा

नई दिल्ली

उपभोक्ता मामलों के विभाग ने विधिक मापविज्ञान अधिनियम, 2009 के तहत 'सुधार नोटिस' व्यवस्था लागू की है। इसके तहत पहली बार प्रक्रियागत नियमों का उल्लंघन करने वाले कारोबारियों को दंडात्मक कार्रवाई से पहले अपनी खामियां सुधारने का अवसर दिया जाएगा।

विभाग ने सोमवार को बयान में कहा कि यह बदलाव सरकार के 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (कारोबार करने में सुगमता) लक्ष्य के तहत जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2026 के माध्यम से किया गया है।

नियामकीय कमी का पता लगाना

नई व्यवस्था के तहत यदि कोई विधिक मापविज्ञान अधिकारी पहली बार किसी निर्धारित प्रक्रियागत या नियामकीय कमी का पता लगाता है, तो वह संबंधित इकाई को सुधार नोटिस जारी कर सकेगा। नोटिस में खामी का विवरण दिया जाएगा और उसे दूर करने के लिए उचित समय सीमा निर्धारित की जाएगी।

दोबारा गलती करने पर होगी कड़ी कार्रवाई

अनावश्यक मुकदमेबाजी कम करना

सरकार ने कहा कि इस सुधार का उद्देश्य स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देना, अनावश्यक मुकदमेबाजी कम करना, अनुपालन लागत घटाना और उद्योग के लिए नियामकीय स्पष्टता बढ़ाना है। विभाग ने कहा, ''यह सुधार ईमानदार कारोबारियों को नियमों के अनुपालन में सहयोग देने और साथ ही विधिक मापविज्ञान प्रणाली की विश्वसनीयता बनाए रखने के बीच संतुलित दृष्टिकोण अपनाता है।''

MINISTRY OF CONSUMER AFFAIRS, FOOD AND PUBLIC DISTRIBUTION

समय के भीतर सुधार पर कार्रवाई नहीं होगी

यदि संबंधित इकाई तय समय के भीतर सुधार कर लेती है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। विभाग ने बयान में कहा, ''यदि सुधार नोटिस का पालन नहीं किया जाता है या नियमों का दोबारा उल्लंघन होता है, तो विधिक मापविज्ञान अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।''

अन्य मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी

विभाग ने स्पष्ट किया कि इस व्यवस्था से उपभोक्ता संरक्षण या कानून के प्रवर्तन को कमजोर नहीं किया गया है और धोखाधड़ी, छेड़छाड़, बार-बार नियमों का उल्लंघन और उपभोक्ताओं के हितों को प्रभावित करने वाले अन्य मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

अन्य इकाइयों पर लागू होगा

यह सुधार विनिर्माताओं, आयातकों, पैकिंग करने वालों, डीलर, मरम्मतकर्ताओं, व्यापारियों, सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) तथा अधिनियम के तहत विनियमित अन्य इकाइयों पर लागू होगा।

नोटिस इन उल्लंघनों पर लागू होगी

सुधार नोटिस पहली बार होने वाले उन उल्लंघनों पर लागू होगा, जो पंजीकरण संबंधी आवश्यकताओं, दस्तावेजीकरण, मॉडल अनुमोदन, बाट एवं माप उपकरणों के निर्माण, बिक्री और मरम्मत, आयात, पैक बंद वस्तुओं के लेनदेन तथा वैधानिक जानकारी और 'रिटर्न' दाखिल करने से जुड़े हैं।

उपभोक्ता के हित प्रभावित न हो

विभाग ने कहा कि इस व्यवस्था का उद्देश्य प्रवर्तन एजेंसियों को जानबूझकर और बार-बार होने वाले ऐसे उल्लंघनों पर अपने संसाधन केंद्रित करने में सक्षम बनाना है, जो उपभोक्ताओं के हितों को प्रभावित करते हैं।

केंद्रीय बैंक ने जारी किए आंकड़े

भारत का विदेशी कर्ज बढ़कर 762.8 अरब डॉलर : आरबीआई

मुंबई

- आरबीआई ने जारी आंकड़ों में दी जानकारी
- एक वर्ष पहले की तुलना में 26 .3 अरब डॉलर अधिक है
- अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने से मूल्यांकन प्रभाव दर्ज किया गया

देश का कुल विदेशी ऋण मार्च, 2026 के अंत तक बढ़कर 762.8 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया, जो एक वर्ष पहले की तुलना में 26.3 अरब डॉलर अधिक है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सोमवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

'मार्च, 2026 के अंत तक भारत का विदेशी ऋण' संबंधी आंकड़ों के अनुसार, भारतीय रुपये तथा अन्य प्रमुख मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने के कारण 24.6 अरब डॉलर का मूल्यांकन प्रभाव दर्ज किया गया।

विदेशी ऋण और जीडीपी का अनुपात बढ़ा है

आरबीआई ने कहा, /''यदि इस मूल्यांकन प्रभाव को शामिल न किया जाए, तो मार्च, 2025 की तुलना में मार्च, 2026 के अंत तक विदेशी ऋण में 26.3 अरब डॉलर के बजाय 51 अरब डॉलर की वृद्धि होती। केंद्रीय बैंक ने यह भी बताया कि विदेशी ऋण और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का अनुपात मार्च, 2026 के अंत में बढ़कर 20.8 प्रतिशत हो गया, जो एक साल पहले 19.8 प्रतिशत था।

दीर्घकालिक ऋण 613.5 अरब डॉलर रहा

आरबीआई के अनुसार, मार्च, 2026 के अंत में दीर्घकालिक ऋण (एक वर्ष से अधिक की मूल परिपक्वता वाला) 613.5 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 11.6 अरब डॉलर अधिक है।

सरकार का बकाया कर्ज घटा है

इसके बाद भारतीय रुपये (29.4 प्रतिशत), येन (6.4 प्रतिशत), एसडीआर (विशेष आहरण अधिकार) (4.3 प्रतिशत) और यूरो (3.7 प्रतिशत) में दर्ज कर्ज का स्थान रहा। आरबीआई ने बताया कि एक साल पहले के स्तर की तुलना में मार्च, 2026 के अंत में सामान्य सरकार का बकाया कर्ज घटा है, जबकि गैर-सरकारी कर्ज में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

इवेको का अधिग्रहण सितंबर तक पूरा करेगी टाटा मोटर्स

- संयुक्त आय 35 अरब डॉलर होने का अनुमान
- जुलाई-सितंबर तक यह सौदा पूरा होने की उम्मीद

मुंबई

वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी टाटा मोटर्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि इवेको के अधिग्रहण के लिए ज्यादातर जरूरी मंजूरियां हासिल हो गई हैं और चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर तक यह सौदा पूरा होने की उम्मीद है।

चंद्रशेखरन ने कंपनी की ऑनलाइन हुई दूसरी सालाना आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि विलय के समय टाटा मोटर्स और इवेको का संयुक्त राजस्व 25 अरब डॉलर होगा और इसके अगले पांच साल में 35 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। चेयरमैन ने कहा, ''अगले पाच साल में, संयुक्त राजस्व 35 अरब डॉलर तक पहुंचने की काफी संभावना है। इसलिए, इसमें विकास के बहुत सारे अवसर हैं...। प्रस्तावित अधिग्रहण टाटा मोटर्स के वैश्विक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक अहम रणनीतिक कदम है। टाटा मोटर्स ने जुलाई, 2025 में इटली की वाणिज्यिक वाहन बनाने वाली कंपनी इवेको समूह को 3.8 अरब यूरो में खरीदने की घोषणा की थी। इसमें कंपनी का रक्षा कारोबार शामिल नहीं था।

कंपनी का कारोबार कई देशों में फैला है

चंद्रशेखरन ने कहा, ''कंपनी का कारोबार कई देशों में फैला है। ऐसे में इतने बड़े सौदे के लिए कई जरूरी नियामकीय मंजूरियों की जरूरत होती है।''

अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी मिलेगी

चंद्रशेखरन ने कहा कि इवेको को खरीदने से कंपनी को अत्याधुनिक इंजन और अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियां मिलेंगी। इसके अलावा, इससे अलग-अलग देशों में टाटा मोटर्स के वाणिज्यिक वाहनों के लिए बेहतर उत्पाद क्षमता और मौजूदगी को और बढ़ावा मिलेगा।

प्रिस्टीन लॉजिस्टिक्स ने जमा किए आईपीओ के लिए दस्तावेज

नई दिल्ली। रेल आधारित लॉजिस्टिक्स कंपनी प्रिस्टीन लॉजिस्टिक्स एंड इंफ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये धन जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष गोपनीय मार्ग के तहत प्रारंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं। प्रस्तावित आईपीओ को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की गोपनीय प्रक्रिया के तहत दाखिल किया गया है। इस व्यवस्था के तहत कंपनियां निर्गम के आकार समेत प्रस्ताव से जुड़ी जानकारी को शुरू में सार्वजनिक नहीं करती हैं। यह प्रक्रिया कंपनियों को नियामकीय सुझावों और बाजार की परिस्थितियों के अनुसार निर्गम की संरचना में बदलाव करने की सुविधा भी देती है।

सोने में 1,300 रुपए की तेजी और चांदी 2,000 रुपए टूटी

- सोना बढ़कर हुआ 1.46 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम
- चांदी टूटकर 2,24,000 रुपए प्रति किलो ग्राम

नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोमवार को कारोबारियों की ओर से कम कीमत पर लिवाली बढ़ाने के कारण सोने की कीमतों में 1,300 रुपये का सुधार दर्ज हुआ और यह 1.46 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जिससे इसमें तीन दिन से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,300 रुपये बढ़कर 1,46,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई, जबकि बृहस्पतिवार को यह 1,45,300 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। 'मुहर्रम' के कारण शुक्रवार को सराफा बाजार बंद थे। हालांकि, चांदी की कीमतों में लगातार चौथे सत्र में गिरावट आई और यह 2,000 रुपये टूटकर 2,24,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) रह गई।

इलेवन ने वित्तीय कारोबार ने 216 करोड़ किए निवेश

नई दिल्ली। वित्तीय सेवाओं, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा क्षेत्रों में कारोबार करने वाले विविधीकृत समूह इलेवन ने अपनी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) सहित वित्तीय सेवा कारोबार में 216 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

कंपनी ने सोमवार को बयान में कहा कि इस ताजा निवेश के साथ पिछले चार वर्षों में उसके वित्तीय सेवा कारोबार में कुल निवेश बढ़कर 470 करोड़ रुपये हो गया है। यह निवेश वित्तीय सेवा कारोबार के विस्तार की उसकी दीर्घकालिक रणनीति को दर्शाता है। बयान के अनुसार, कंपनी की एनबीएफसी इकाई एसवीसीएल ने अब तक कुल 19 लाख से अधिक ग्राहकों को सेवाएं दी है और स्थापना के बाद से 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज वितरित कर चुकी है।

पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से बाजार में गिरावट

मुंबई

- सेंसेक्स 372, निफ्टी 110 अंक टूटा
- कच्चे तेल के दाम में फिर तेजी

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव फिर बढ़ने और कच्चे तेल के दाम में तेजी से सोमवार को स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। बीएसई सेंसेक्स 372 अंक टूटा, जबकि एनएसई निफ्टी 110 अंक के नुकसान में रहा।

कारोबारियों के अनुसार, इसके अलावा कुछ शेयरों में मुनाफावसूली तथा आईटी, वाहन और पेट्रोलियम शेयरों में बिकवाली दबाव से बाजार नीचे आया। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 372.10 अंक टूटकर 76,728.37 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 478.72 अंक तक लुढ़क कर 76,621.75 अंक पर आ गया था। निफ्टी 109.75 अंक के साथ 23,946.25 अंक पर बंद हुआ। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, ''सप्ताहांत वैश्विक स्तर पर तनाव तेजी से बढ़ा।

इन शेयरों में रही लाभ-हानि

सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक में सर्वाधिक 3.24 प्रतिशत की गिरावट आई। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति, इंटरग्लोब एविएशन, अल्ट्राटेक सीमेंट और लार्सन एंड टुब्रो में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में इटर्नल, ट्रेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और एनटीपीसी शामिल हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी तंबाकू कंपनियों में शामिल

तंबाकू कंपनी में एआई की वजह से 9 हजार लोगों की छंटनी

नई दिल्ली

दुनिया की सबसे बड़ी तंबाकू कंपनियों में शामिल ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बीएटी) ने एक बड़ा फैसला लिया है। तंबाकू बनाने वाली इस कंपनी ने वैश्विक स्तर पर करीब 9,000 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है। कंपनी का कहना है कि बदलते बाजार और लगातार घटती सिगरेट की डिमांड को देखते हुए अब वह अपने कारोबार का फोकस रेगुलर सिगरेट से हटाकर वेप, ई-सिगरेट और निकोटीन पाउच जैसे नए उत्पादों की ओर ले जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीएटी इस साल के अंत तक 5,500 कर्मचारियों की नौकरी खत्म करेगी, जबकि करीब 3,500 पदों को आउटसोर्स किया जाएगा, यानी कई विभागों का काम दूसरी कंपनियों को सौंप दिया जाएगा। कंपनी के अमेरिका से बाहर करीब 47,000 कर्मचारी हैं और यह छंटनी उनमें से लगभग 20 प्रतिशत कर्मचारियों को प्रभावित कर सकती है।

घटती सिगरेट की मांग को देखते हुए ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको कंपनी ने घोषणा की

बिक्री में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट

बीएटी ने यह भी अनुमान लगाया है कि साल 2026 में दुनिया भर में रेगुलर सिगरेट की बिक्री में करीब 2 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। यही वजह है कि कंपनी भविष्य की तैयारी अभी से कर रही है। छंटनी के साथ-साथ बीएटी अपनी कई फैक्ट्रियों को भी बंद कर रही है। इसी साल जनवरी में कंपनी ने दक्षिण अफ्रीका में स्थित अपनी एक सिगरेट फैक्ट्री बंद करने की घोषणा की थी। कंपनी का कहना था कि अवैध तंबाकू कारोबार के कारण उत्पादन प्रभावित हो रहा था।

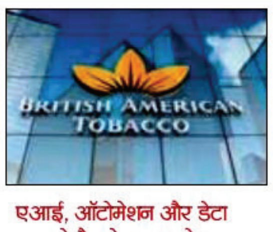

एआई, ऑटोमेशन और डेटा का बड़े पैमाने पर उपयोग

इसके अलावा बीएटी अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और डेटा एनालिटिक्स का भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रही है।

कंपनी हर साल 6,800 करोड़ से अधिक बचाना चाह रही

कंपनी का टारगेट साल 2028 तक हर साल करीब 600 मिलियन पाउंड (करीब 6,800 करोड़ रुपए से अधिक) की लागत बचत करना है। इसके लिए बीएटी अपने पूरे बिजनेस मॉडल में बड़े बदलाव कर रही है। बीएटी का मानना है कि दुनिया भर में लोग धीरे-धीरे सिगरेट छोड़ रहे हैं और अब धूम्रपान के विकल्प के तौर पर वेप और निकोटीन पाउच जैसे उत्पादों का इस्तेमाल बढ़ रहा है। यही वजह है कि कंपनी आने वाले सालों में अपनी कुल आय का आधे से ज्यादा हिस्सा इन नए उत्पादों से कमाना चाहती है। कंपनी पहले ही अपने लोकप्रिय ब्रांड वुसे (वेपिंग डिवाइस) और वेलो (निकोटीन पाउच) पर बड़ा निवेश कर चुकी है। बीएटी की रणनीति फिलिप मॉरिस जैसी दूसरी बड़ी तंबाकू कंपनियों से मिलती-जुलती है, जो तेजी से स्मोक-फ्री उत्पादों की ओर बढ़ रही हैं।

विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि

नई दिल्ली

- उत्पादन मई में बढ़कर 5 .1 प्रतिशत हुआ

विनिर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से औद्योगिक उत्पादन में मई में 5.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इससे पिछले महीने अप्रैल में इसमें 4.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने एक बयान में कहा कि नई श्रृंखला के तहत मई के लिए औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के ताजा आंकड़े उत्पादन उत्पादक कीमत सूचकांक (पीपीआई) पर आधारित हैं। यह सूचकांक पहले इस्तेमाल होने वाले थोक मूल्य सूचकांक प्रणाली की तुलना में कीमतों का अधिक सटीक विवरण देता देता है। यह नयी श्रृंखला 2022-23 पर आधारित औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का दूसरा मासिक आंकड़ा है। आईआईपी सूचकांक में 463 मद समूह हैं और पीपीआई को अपनाने से 234 मद समूह पर असर पड़ा है।

पैसों का दम नहीं आया काम, खाड़ी देशों की फुटबॉल क्रांति फ्लॉप

अटलांटा

सऊदी अरब और कतर जैसे खाड़ी देशों ने फुटबॉल और उसके बुनियादी ढांचे पर काफी पैसा लगाया था, लेकिन इसका असर विश्व कप में देखने को नहीं मिला, जहां उन्हें शर्मनाक हार के साथ बाहर होना पड़ा। इससे यह साबित हो गया कि खेल के सबसे बड़े मंच पर बड़ी रकम सफलता की गारंटी नहीं देती है।

सऊदी अरब फिर से ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाया। वह उस ग्रुप में सबसे निचले स्थान पर रहा, जिसमें केप वर्दे भी था, जो विश्व कप में भाग लेने वाला तीसरा सबसे छोटा देश है और पहली बार नॉकआउट राउंड में पहुंचा है।

सऊदी अरब ने रोनाल्डो और नेमार को जोड़ा

सऊदी अरब ने अपनी फुटबॉल में बदलाव लाने के लिए पिछले कुछ वर्षों में क्रिस्टियानो रोनाल्डो, नेमार और करीम बेंजेमा जैसे खिलाड़ियों को अपने क्लबों से जोड़ा था। उसने 2034 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी भी हासिल की लेकिन अमेरिका में खेले जा रहे टूर्नामेंट में उसके प्रदर्शन को देखते हुए स्पष्ट हो गया कि उसे अब भी काफी लंबा सफर तय करना है।

खाड़ी देश अपनी छाप छोड़ने में असफल

चार साल पहले विश्व कप की मेजबानी करने वाला कतर भी महज तीन मैचों के बाद वापस लौट रहा है। यही हाल अन्य खाड़ी देशों ईरान और इराक का भी है। मौजूदा विश्व कप में, जहां अफ्रीकी महाद्वीप की 10 में से 9 टीम नॉकआउट राउंड में पहुंची वहीं खाड़ी देश अपनी छाप छोड़ने के लिए काफी संघर्ष कर रहे हैं। अफ्रीकी देशों के पास खाड़ी देशों की तरह फुटबॉल पर अंधाधुंध खर्च करने के लिए साधन नहीं हैं। केप वर्दे के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ ने सऊदी अरब की 1994 के बाद पहली बार ग्रुप चरण से आगे बढ़ने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। उसने तीन मैच में दो ड्रॉ खेले और अपने ग्रुप में चौथे स्थान पर रहकर बाहर हो गया।

आज के मुकाबले

जर्मनी vs पराग्वे
2:00 एएम बोस्टन स्टेडियम

नीदरलैंड्स VS मोरक्को
6:30 एएम एस्टाडियो मॉन्टेरे

आइवरी कोस्ट VS नॉर्वे
10:30 पीएम लास स्टेडियम

प्रदर्शन हमारी उम्मीद के मुताबिक नहीं : सऊदी अरब के कोच डोनिस

सऊदी अरब के कोच जॉर्जोस डोनिस ने कहा, 'यह प्रदर्शन हमारी उम्मीद के मुताबिक नहीं था क्योंकि जब हम अपने लगभग समान स्तर की टीम के खिलाफ मैच में खेलते हैं, तो हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं होता। इसलिए यह चिंता का विषय है।' कतर के कोच जुलेन लोपेटेगुई ने कहा, 'मुझे लगता है कि इससे पता चलता है कि कम से कम हम इस तरह के मैचों में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं। हम फुटबॉल में अपने भविष्य को लेकर निश्चित रूप से आशावादी हैं।'

नॉकआउट में ईरान मामूली अंतर से चूका

ईरान 1978 से विश्व कप में खेल रहा है। अमेरिका के साथ युद्ध के कारण यात्रा और वीजा संबंधी परेशानियों के बावजूद उसने अपने तीनों मैच ड्रॉ कराए और वह नॉकआउट में जगह बनाने से मामूली अंतर से चूक गया। विश्व कप में सात बार भाग लेने के बावजूद यह टीम कभी भी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ पाई है। इराक पर भी यही बात लागू होती है, जिसने 40 साल के अंतराल पर विश्व कप में दो बार उपस्थिति दर्ज कराई। ऐसे समय में जब 48 टीमों वाले विश्व कप में केप वर्दे और कांगो जैसे देशों के पास इतिहास रचने के अवसर हैं, खाड़ी देश अभी भी अपने पल का इंतजार कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

पुराने रंग में लौट आएंगे चोपड़ा : अंजू बॉबी जॉर्ज

नई दिल्ली। दिग्गज एथलीट अंजू बॉबी जॉर्ज का मानना है कि भारतीय भाला फेंक स्टार नीरज चोपड़ा जल्द ही अपने पुराने रंग में लौट आएंगे तथा इस साल होने वाले एशियाई खेलों और 2028 में होने वाले ओलंपिक खेलों में फिर से शानदार प्रदर्शन करेंगे। एथलीट अंजू ने कहा, 'जहां तक नीरज का सवाल है तो वह प्रतियोगिता का स्तर बढ़ने के साथ ही अच्छा प्रदर्शन करना शुरू कर देंगे। वह ओलंपिक चैंपियन और विश्व चैंपियनशिप के पदक विजेता हैं। ऐसा कारनामा आज तक किसी भारतीय ने नहीं किया है। समय आने पर उसका अनुभव काम आएगा।' अंजू ने कहा, ' वह लगभग 10 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय हैं। हम यह नहीं कह सकते कि वह अपनी बेहतरीन फॉर्म में नहीं हैं या अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने चरम पर रहते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। वह अब भी वह अपने चरम पर हैं। उन्होंने हमारे लिए बहुत कुछ किया है। अब उन्हें खेल का आनंद लेने दीजिए।'

एशिया जूनियर चैंपियनशिप में भारत का अभियान समाप्त

यत्सुशिरो। बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारत का अभियान सोमवार को क्वार्टर फाइनल में हांगकांग से 1-2 से मिली हार के साथ समाप्त हो गया। भारत को पहले मैच में देव रुपारेलिया और तन्वी पत्री ने अच्छी शुरुआत दिलाई और पहला गेम 55-44 से जीत लिया। दूसरे गेम में हालांकि हांगकांग के कैन यि हेइ ने रुपारेलिया को 11-8 से हराया और आईपी सुम याउ ने बढ़त 22-16 की कर दी। निर्णायक गेम में रुपारेलिया ने चान को 11-9 से हराया लेकिन याउ ने अंतर 22-21 का कर दिया। चियुंग साइ शिंग और विंग चि चू के खिलाफ मैच 11-11 से बराबर रहने पर ब्योर्न जैसन और डियांका वाल्डिया ने भारत को 33-32 की बढत दिलाई। तन्वी रेड्डी और बरुनी पर्शवाल हालांकि चू और यि कियू यू से 5-11 से हार गए, जिससे भारत ने सेट 43-55 से गंवा दिया।

कनाडा ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर अंतिम 16 में किया प्रवेश

इंजरी टाइम में यूस्टाक्वियो का गोल, कनाडा की ऐतिहासिक जीत, दक्षिण अफ्रीका बाहर

इंगलवुड

स्टीफन यूस्टाक्वियो ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में गोल किया, जिससे कनाडा ने विश्व का फुटबॉल के पहले नॉकआउट मैच में दक्षिण अफ्रीका को 1-0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया।

सोफी स्टेडियम में 90 मिनट से अधिक समय तक निराशा और दक्षिण अफ्रीका की रक्षात्मक रणनीति का जवाब देने में नाकामी के बाद कनाडा ने एक पल में इतिहास रच दिया जब एलिस्टर जॉनसन ने यूस्टाक्वियो का पेनल्टी बॉक्स में ऊंचा पास दिया। लॉस एंजिलिस एफसी के लिए खेलने वाले मिडफील्डर यूस्टाक्वियो ने गेंद को सीने से रोका और फिर नेट के निचले कोने में जोरदार शॉट मारकर गोल कर दिया। दक्षिण अफ्रीका के गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स के पास इसे रोकने का कोई मौका नहीं था।

यूस्टाक्वियो इसके बाद कनाडा के अन्य खिलाड़ियों के साथ जश्न मनाने के लिए दौड़ पड़े। स्टेडियम में मौजूद कनाडा के दर्शक झूमने लगे जबकि दक्षिण अफ्रीका के प्रशंसक मायूस हो गए। कनाडा ने पहली बार विश्व कप के इतिहास में नॉकआउट मैच जीता।

यूस्टाक्वियो रहे कनाडा की जीत की नायक

कनाडा की जीत की नायक निश्चित तौर पर यूस्टाक्वियो थे जिन्होंने तब गोल किया जब लग रहा था कि मैच अतिरिक्त समय तक खिंच जाएगा। दक्षिण अफ्रीका यही प्रयास कर रहा था। यूस्टाक्वियो ने कहा, 'हमने इसके लिए मेहनत की थी। यह एक विशेष टीम है। हम एक दूसरे के लिए खेलते हैं। हम बेहद खुश हैं लेकिन मैं अभी यह नहीं कहूंगा कि काम पूरा हो गया है।' कनाडा अंतिम 16 में शनिवार को ह्यूस्टन में नीदरलैंड या मोरक्को का सामना करेगा।

डेविस ने दिया बेहतरीन पास

दर्शकों में कनाडा के समर्थक अधिक थे लेकिन टीम दक्षिण अफ्रीका की मजबूत रक्षापंक्ति को नहीं भेद पाई। कनाडा को 75वें मिनट में तब मजबूती मिली जब स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस विश्व कप में अपना पहला मैच खेलने के लिए मैदान पर उतरे। वह मांसपेशियों में खिंचाव के कारण ग्रुप चरण के मैच नहीं खेल पाए थे। डेविस ने तुरंत ही दिन का सबसे बेहतरीन पास देकर प्रॉमिस डेविड को एक सुनहरा मौका दिया, लेकिन इस फॉरवर्ड ने शॉट बाहर मार दिया। इसके बाद खेल फिर से धीमा पड़ गया।

सेरेना ने डोपिंगरोधी प्रणाली पर साधा निशाना, कहा - मुझे इससे नफरत है

लंदन

सेरेना विलियम्स ने विंबलडन में वापसी से पहले टेनिस की डोपिंगरोधी प्रणाली पर निशाना साधते हुए इसे 'गैर पेशेवर' और 'अनुचित' करार देते हुए कहा कि उन्हें इससे नफरत है। सात बार की विंबलडन चैंपियन 44 वर्षीय सेरेना ने कहा, ' यह बहुत थका देने वाली प्रक्रिया है। उन्होंने अब नियम बदल दिए हैं। मुझे कुछ नियमों की जानकारी नहीं थी। अगर आप निर्धारित समय सीमा के अंदर नमूना नहीं देते हैं तो भी उसे अनुपस्थित ही माना जाएगा। मुझे लगता है, शायद मैं अपने बच्चों को लेने नहीं जा पाऊंगी।'

डोपिंगरोधी प्रणाली गैरपेशेवर

सेरेना ने कहा, 'यह गैरपेशेवर है। मुझे इससे नफरत है। यह जरूरी है, लेकिन मुझे लगता है कि अगर मैं निर्धारित समय सीमा के बाहर कहीं जाना चाहती हूं, तो मुझे बिना किसी कारण के जाने की अनुमति मिलनी चाहिए और इसे अनुपस्थित नहीं माना जाना चाहिए।' सेरेना विंबलडन की महिला एकल में अपना पहला मैच मंगलवार को माया जाइंट के खिलाफ खेलेगी। उन्होंने इस महीने क्वींस क्लब टूर्नामेंट में युगल मैच खेलकर खेल में वापसी की थी।

भारत पर जीत के बाद आयरलैंड के हेड कोच मलान ने पद छोड़ा

बेलफास्ट

आयरलैंड ने रविवार को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया था। अगले दिन आयरलैंड के हेड कोच हेनरिक मलान ने अपना पद छोड़ने की घोषणा कर दी। हेनरिक मलान का मौजूदा कॉन्ट्रैक्ट साल 2027 की शुरुआत तक चलना था, लेकिन उन्होंने अपने खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को बताया कि वे अगले आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप चक्र के हिसाब से एक सुनियोजित बदलाव के तहत हट रहे हैं।

हेनरिक मलान ने कहा, इन खिलाड़ियों, स्टाफ और आयरिश क्रिकेट समुदाय के साथ काम करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात रही है। यहां रहने का अनुभव मेरे और मेरे परिवार के लिए बहुत शानदार रहा है। हम आयरिश क्रिकेट के साथ बिताए अपने समय को बहुत प्यार से याद करेंगे। हेनरिक मलान ने कहा, मैदान पर, हम गर्व के साथ मेलबर्न में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी ऐतिहासिक टी20 वर्ल्ड कप जीत, अबू धाबी में अफगानिस्तान के खिलाफ अपनी पहली टेस्ट जीत, बेलफास्ट में जिम्बाब्वे के विरुद्ध पहली घरेलू टेस्ट जीत, भारत के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज में ऐतिहासिक जीत और पाकिस्तान, वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका को हराने के साथ-साथ दुनिया की शीर्ष टीमों को चुनौती देने और हराने की अपनी क्षमता के जरिए टी20 वर्ल्ड कप के लिए सीधे क्वालीफाई करने जैसी उपलब्धियों को याद कर सकते हैं।

रोच ने लिया 300वां टेस्ट विकेट

वेस्टइंडीज ने पहले टेस्ट में दी श्रीलंका को शिकस्त

बनॉर्थ साउंड

अनुभवी तेज गेंदबाज केमार रोच ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का 300वां टेस्ट विकेट लिया, जिससे वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को दूसरी पारी में 101 रन पर ढेर करके पहला टेस्ट मैच पारी और 217 रन से जीता। रोच ने 51 रन देकर 4 विकेट लिए। उन्हें उनके साथी तेज गेंदबाजों जेडन सील्स (14 रन देकर 3 विकेट), शमर जोसेफ (19 रन देकर दो विकेट) और अल्जारी जोसेफ (11 रन देकर एक विकेट) का भी अच्छा साथ मिला।

इससे वेस्टइंडीज ने चौथे दिन लंच के बाद श्रीलंका की पारी को केवल 31 ओवर में समेटकर दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। यह वेस्टइंडीज की टेस्ट क्रिकेट में छठी सबसे बड़ी जीत है। श्रीलंका के केवल दो बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे। इनमें दिनेश चांदीमल ने 43 रन बनाए जबकि सोनल दिनुशा 12 रन बनाकर नाबाद रहे।

विंबलडन नहीं खेलेंगी राडुकानु इंजरी के कारण नाम लिया वापस

लंदन। ब्रिटिश खिलाड़ी एम्मा राडुकानु दाहिने पैर में चोट लगने के कारण विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट से हट गई हैं। अमेरिकी ओपन 2021 की चैंपियन राडुकानु ने इंस्टाग्राम पर इस फैसले की घोषणा की। वह इस महीने क्वींस क्लब टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी लेकिन इस दौरान चोटिल हो गई थी। उन्होंने हालांकि संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि उन्हें अब भी विंबलडन में खेलने की उम्मीद है। राडुकानु ने लिखा, 'मैंने अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किया लेकिन अंतिम स्कैन के बाद पता चला कि चोट गंभीर है और चिकित्सकों ने मुझे नहीं खेलने की सलाह दी। विंबलडन में घरेलू दर्शकों के सामने खेलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है, इसलिए यह वास्तव में निराशाजनक है।'

अमेरिकी ओपनः फाइनल में यांग सु से एक घंटे चले मैच में हारे किदांबी

श्रीकांत ने दी कड़ी टक्कर, फिर भी ट्रॉफी से चूके

फुलर्टन

भारत के किदांबी श्रीकांत को अपने से 9 साल छोटे चीनी ताइपे के सु ली यांग के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद अमेरिकी ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में तीन गेम तक चले मैच में हार का सामना करना पड़ा।

विश्व रैंकिंग में 38वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने पहला गेम गंवाने के बाद अच्छी वापसी की लेकिन वह विश्व में 46वें नंबर के खिलाड़ी सु की गति का मुकाबला नहीं कर पाए और आखिर में एक घंटे से अधिक समय तक चले मैच में 15-21, 21-16, 9-21 से हार गए।

गेम में बेहतर खेल सकता था : श्रीकांत

मैच के बाद श्रीकांत ने कहा, 'शायद मैं शुरुआती गेम में थोड़ा बेहतर खेल सकता था। वैसे, मुझे लगता है कि मैं ठीक-ठाक खेला। तीसरे गेम के दूसरे हिस्से में अचानक ही शॉट्स बहुत अच्छे लगने लगे।' उन्होंने कहा, 'मुझे बस ऐसा लगा कि मैं जो कुछ भी कर रहा हूं, वह काम कर रहा है। मुझे बस कड़ी मेहनत जारी रखनी है। मुझे लगता है कि मैं सही रास्ते पर हूं। बात बस उन अहम अंक को जीतने की है।'

दूसरे गेम में श्रीकांत ने जीते तीन प्वाइंट

दूसरे गेम में श्रीकांत ने लगातार तीन प्वाइंट जीतकर 7-4 की बढ़त बना ली, लेकिन सु ने जल्द ही 8-8 से बराबरी कर ली। भारतीय खिलाड़ी ने एक शानदार बैकहैंड क्रॉस-कोर्ट नेट शॉट से 10-8 की बढ़त बनाई। श्रीकांत ने इसके बाद भी अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए उसे 18-13 कर दिया और फिर सात गेम प्वाइंट हासिल किए। सु ने तीन गेम प्वाइंट बचाए, लेकिन श्रीकांत ने एक जोरदार स्मैश से मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने खेला आक्रामक खेल

निर्णायक गेम में सु ने आक्रामक शुरुआत करते हुए 4-1 की बढ़त हासिल कर ली। श्रीकांत ने इस बीच गलतियां की जबकि चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने अपना आक्रामक खेल जारी रखते हुए बढ़त को 15-7 तक पहुंचा दिया। श्रीकांत के एक और वाइड रिटर्न के बाद सु ने 12 मैच प्वाइंट हासिल किए। भारतीय खिलाड़ी ने एक प्वाइंट बचाया, लेकिन वह अपना संघर्ष जारी नहीं रख पाए और सु ने अपने करियर का पहला बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर खिताब जीता।

ओलंपिक गेम्स में छाएगा क्रिकेट, 6-6 टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करना है तो वर्ष 2026 के आखिर में आईसीसी टी20 रैंकिंग में एशिया में शीर्ष पर रहना होगा जबकि महिला वर्ग में इंग्लैंड में चल रहे विश्व कप की शीर्ष चार टीमें स्वतः क्वालीफाई करेंगी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने क्वालीफिकेशन मानदंडों की घोषणा की। क्रिकेट ओलंपिक में 100 साल बाद लौट रहा है और पुरुष तथा महिला वर्गों में छह-छह टीमें भाग लेंगी। विभिन्न महाद्वीपों से चार कोटा स्थान रैंकिंग से तय होंगे।

महाद्वीपों के आधार पर टीम रैंकिंग

आईसीसी ने कहा,' आईसीसी पुरुष टी20 टीम रैंकिंग में महाद्वीपों के आधार पर सबसे ऊंची रैंकिंग वाली राष्ट्रीय ओलंपिक समिति को ये चार कोटा स्थान आवंटित किए जाएंगे।' कट आफ की तारीख 31 दिसंबर 2026 रखी गई है। महिला वर्ग में चार कोटा स्थान टी20 विश्व कप सेमीफाइनल खेलने वाली चार टीमों को दिए जाएंगे। इस मानदंड के तहत आस्ट्रेलिया (ओशियाना), दक्षिण अफ्रीका (अफ्रीका) और इंग्लैंड (यूरोप) सेमीफाइनल में पहुंचने के साथ ये कोटा हासिल कर चुके हैं।

भारत ने बॉर्डर पर ताना रूसी रडार, निशाने पर जे-20 विमान

एजेंसी

नयी दिल्ली/मॉस्को। रूस का नेब्बू यूएम रडार यह सिर्फ लोहे और बिजली का ढांचा नहीं है बल्कि यह वो तीसरी आंख है जो बादलों के पीछे छिपे चीन के जे-20 और समंदर में घात लगाए जे-35 के अदृश्य कवच को राख कर सकती है। जब वायु शक्ति 2026 में इसकी झलक दिखी तो बीजिंग के वॉर रूम में सन्नाटा पसर गया। दरअसल चीन ने पिछले एक दशक में अपनी वायु सेना को पूरी तरह से बदल दिया है। उसका ख20 माइल्टी ड्रैगन अब केवल एक प्रोटोटाइप नहीं बल्कि एक हकीकत है जो लद्दाख से लेकर अरुणाचल तक भारतीय सीमाओं के करीब मंडरा रहा है। चीन का दावा है कि यह विमान किसी भी रडार की पकड़ में नहीं आता है। लेकिन खतरा यहीं खत्म नहीं होता है। चीन अब अपने विमान वाहक पोतों के लिए जे 35 को तैयार कर रहा है। अब जरा कल्पना कीजिए हिंद महासागर के बीचों-बीच में एक ऐसा विमान उड़ान भर रहा है जो हमारे रडार पर दिखाई ही ना दे। साथ ही पाकिस्तान की नजरें भी चीन के इसी ख35 पर टिकी है। यानी भारत के सामने टू फ्रंट स्ट्रेंथ वार का खतरा खड़ा हो चुका है। इस बढ़ते अंधेरे को चीरने के लिए भारत को चाहिए था एक ऐसा रडार जो सिर्फ देखे नहीं बल्कि दुश्मन के स्ट्रेंथ को बेअसर कर दे।

अब नेबो यूएम कोई साधारण रडार नहीं है जो भारत के पास है। यह वीएचएफ यानी वेरी हाई फ्रीक्वेंसी स्पेक्ट्रम पर काम करता है। सबसे बड़ी खासियत इसकी कि लंबी लहरें और बड़ा प्रभाव। जी हां, आधुनिक स्टेल्थ विमान जैसे कि ख20 या ऋ35 इस तरह बनाए जाते हैं कि वे छोटी लहरें यानी एक्स बैंड को सोख लें या फिर बिखेर दें। लेकिन नेबो यूएम की लहरें बहुत लंबी यानी 133, 144 एमए९ होती है। यह लहरें विमान की बाहरी कोटिंग से नहीं टकराती बल्कि विमान के पूरे स्ट्रक्चर जैसे कि उसके पंख, टिल और बॉडी से टकराती हैं। दूसरी खासियत है भौतिकी का नियम। यह बिल्कुल वैसा है जैसे एक बड़ी लहर किसी छोटी नाव को नहीं छोड़ती है। वीएचएफ रडार के लिए स्टेल्थ विमान किसी भी साधारण विमान की तरह साफ दिखाई देते हैं। रूस की अलमाज आंटे कंपनी ने इसे बनाया ही इसलिए था ताकि पश्चिमी देशों के स्टेल्थ विमानों का मुकाबला किया जा सके और अब भारत इसका इस्तेमाल चीन के खिलाफ कर रहा है। बता दें नेबो यूएम की ताकत इसके नंबर्स में छिपी है। यह रडार 600 किमी तक के दायरे में साधारण विमानों, क्रूज मिसाइलों और यहां तक कि बैलेस्टिक मिसाइलों को ट्रैक कर सकता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह 250 से 300 किमी की दूरी पर ही चीनी ख20 जैसे विमानों को पहचान लेता है। इसका मतलब है कि दुश्मन के हमला करने से बहुत पहले ही भारत के पास जवाबी कारवाही का समय होगा। यह रडार मैक 6.4 यानी ध्वनि गति से छह गुना ज्यादा की रफ्तार से आने वाली मिसाइलों को भी ट्रैक कर सकता है।

लेबनान पर एटम बम जैसा बड़ा हमला, हिजबुल्ला ने खाई बदले की कसम

एजेंसी

तेहरान। इजराइल लेबनान को तबाह करने पर तुला है। इधर अमेरिका ईरान पर हमले जवाबी कारवाही के नाम पर कर रहा है और फिर सीजफायर पर वापस लौट रहा है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि रुक-रुक कर लग रही यह चिंगारी किसी धधकती ज्वालामुखी का रूप लेने वाली है। इसी बीच इजराइल ने लेबनान पर एक परमाणु हमले जैसा विस्फोट कर दिया। दक्षिणी लेबनान में इसरली हमले के बाद इतना भीषण विस्फोट हुआ कि सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इसे परमाणु धमाके जैसा बताया। अब हिजबुल्ला ने इसराइल से बदले की कसम खाई है और दुनिया से कह रहा है कि जब इजराइल से पलटवार कर बदला लिया जाए तो इसे दो तरीके के नजरिए से ना देखा जाए। दक्षिणी लेबनान में एक बार फिर इसराइल और हिजबुल्ला के बीच तनाव खतरनाक स्तर पर पहुंचता दिखाई देने लगा। रिपोर्टों के मुताबिक इसराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्ला के एक संदिग्ध भूमिगत सैन्य ठिकाने को निशाना बनाया। इसके बाद इतना बड़ा विस्फोट हुआ कि उसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गए। कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया कि यह परिसर लगभग 200 मीटर लंबा और करीब 25 मीटर गहरा भूमिगत हथियार भंडार का नेटवर्क था। इन रिपोर्टों के मुताबिक इस हमले में बड़ी मात्रा में हथियार और कई भूमिगत लांच शाफ्ट नष्ट किए गए। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाई देने वाला धमाका इतना विशाल था कि स्थानीय लोगों ने इसकी तुलना परमाणु विस्फोट जैसी ताकत से की। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि धमाके के झटके दूर-दूर तक महसूस किए गए और उसकी आवाज इसराइल के अंदर तक सुनाई दी थी।

डीएफपी-2026 लॉन्च : डीआरडीओ को मिले ज्यादा वित्तीय अधिकार, रक्षा परियोजनाओं में आएगी रफ्तार

एजेंसी

नयी दिल्ली/देहरादून। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ के लिए नई वित्तीय शक्तियों का ढांचा लागू किया है. इससे रक्षा अनुसंधान परियोजनाओं को तेजी मिलने और स्वदेशी रक्षा तकनीकों के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है. रक्षा मंत्री ने कहा कि डीएफपी-2026 अनुसंधान एवं विकास से विकसित प्रणालियों, प्लेटफॉर्मों और प्रौद्योगिकियों के शीघ्र उत्पादन तथा उन्हें सशस्त्र बलों में तेजी से शामिल किए जाने में मदद करेगा.

डीएफपी -2026 लॉन्च: देश की रक्षा अनुसंधान और विकास परियोजनाओं को गति देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के लिए नया डेलीगेशन ऑफ फाइनेंशियल पॉवर्स-2026 जारी किया. सरकार का दावा है कि इस नई व्यवस्था से रणनीतिक अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी, जवाबदेही बढ़ेगी और रक्षा बलों के लिए विकसित की जा रही तकनीकों तथा प्रणालियों को समय पर उपलब्ध कराया जा सकेगा. रक्षा मंत्रालय के अनुसार, डीएफपी - 2026 का उद्देश्य रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के विभिन्न स्तरों पर कार्यात्मक अधिकारों को मजबूत बनाना है. नई व्यवस्था के तहत वित्तीय स्वीकृतियों की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और सरल बनाया गया है, जिससे परियोजनाओं में होने वाली अनावश्यक देरी को कम किया जा सकेगा. सरकार का मानना है कि इससे रक्षा क्षेत्र में नवाचार और तकनीकी विकास को भी बढ़ावा मिलेगा.

> “डीएफपी -2026 रक्षा अनुसंधान प्रणाली से निकलने वाली तकनीकों, प्लेटफॉर्म और प्रणालियों के तेजी से उत्पादन तथा सैन्य सेवाओं में शामिल किए जाने का मार्ग प्रशस्त करेगा. यह व्यवस्था उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग को भी मजबूत बनाएगी, जिससे देश में रक्षा क्षेत्र का नवाचार तंत्र और सशक्त होगा.”
> **-राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री**

रक्षा परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

रक्षा क्षेत्र में अक्सर अनुसंधान परियोजनाओं को मंजूरी मिलने, परीक्षणों के लिए धन उपलब्ध होने और विभिन्न प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण समय अधिक लग जाता है. नई वित्तीय शक्तियों के तहत डीआरडीओ के अधिकारियों को अधिक अधिकार दिए गए हैं, जिससे कई निर्णय विभागीय स्तर पर ही लिए जा सकेंगे. इससे परियोजनाओं की गति बढ़ने और रक्षा बलों तक नई तकनीकों की आपूर्ति समय पर सुनिश्चित होने की उम्मीद है. परीक्षण और मूल्यांकन गतिविधियों को मिलेगा अलग प्रावधानः नई व्यवस्था में परीक्षण अभियानों, ट्रायल, मूल्यांकन गतिविधियों और परियोजना पूर्व अनुसंधान कार्यों के लिए अलग वित्तीय प्रावधान किए गए हैं. इसके अलावा एक्स्ट्रा-म्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट्स, डिफेंस इनोवेशन एक्सीलरेटर-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट फंड जैसी योजनाओं के लिए भी वित्तीय अधिकारों को स्पष्ट रूप से अलग-अलग परिभाषित किया गया है. विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम रक्षा अनुसंधान क्षेत्र में काम कर रहे विश्वविद्यालयों, स्टार्टअप्स और निजी उद्योगों को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुंचाएगा। इससे रक्षा क्षेत्र में सार्वजनिक और निजी भागीदारी को बढ़ावा मिलने की संभावना है. सरकार लंबे समय से रक्षा क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम करने और स्वदेशी तकनीकों के विकास को बढ़ावा देने पर जोर दे रही है. इसी कड़ी में डीएफपी-2026 को एक महत्वपूर्ण सुधार माना जा रहा है. रक्षा मंत्री ने कहा कि यह व्यवस्था आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत करेगी और देश की रक्षा तैयारियों को नई मजबूती प्रदान करेगी.

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का पहला लखनऊ दौरा, संगठन को धार देने की मुहिम तेज

एजेंसी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की रणनीतियों को धार देने दो दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंच रहे हैं। नवगठित प्रदेश कार्यकारिणी के ऐलान के बाद शीर्ष नेतृत्व का यह पहला और बेहद महत्वपूर्ण दौरा माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर सियासी सरगर्मियां चरम पर पहुंच चुकी हैं। इसी चुनावी विसात को बिछाने और राज्य में अपनी पकड़ को और अधिक मजबूत करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने 'मिशन मोड' में पूरी ताकत झोंक दी है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन आगामी 3 और 4 जुलाई को अपने पहले आधिकारिक और अत्यंत महत्वपूर्ण दो दिवसीय दौरे पर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंच रहे हैं। इस दौरे का मुख्य और एकमात्र विधिक मकसद साल 2027 के विधानसभा चुनावों में पार्टी के लिए एक ऐसा अभेद्य और कड़ा रोडमैप तैयार करना है, जिससे विपक्ष के हर पैंतरे को फेल किया जा सके और उत्तर प्रदेश की सत्ता पर बीजेपी जीत की ऐतिहासिक हैट्रिक लगा सके।

सीएम योगी, दोनों डिप्टी सीएम और संघ के शीर्ष पदाधिकारियों संग होगी महाबैठक

नितिन नवीन का यह लखनऊ प्रवास केवल एक औपचारिक सांगठनिक दौरा नहीं है, बल्कि इसके भीतर बैठकों का एक बेहद कड़ा और सघन शेड्यूलिंग ग्रिड तैयार किया गया है। अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक के साथ-साथ सरकार के सभी कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और सांसदों के साथ बंद कमरे में उच्च स्तरीय विमर्श करेंगे। इसके साथ ही, इस पूरी सांगठनिक कवायद में सबसे अहम कड़ी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघके वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ होने वाली नितिन नवीन की गुप्त मंत्रणा को माना जा रहा है, जिसका सीधा उद्देश्य संगठन और सरकार के बीच समन्वय को शत-प्रतिशत बेहतर और पारदर्शी बनाना है।

अरुणाचल में चीनी पीएलए के अतिक्रमण का आरोप लगाने वाली रिपोर्ट गलत और बेबुनियाद : भारतीय सेना

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय सेना ने सोमवार को मीडिया के एक हिस्से में आई उन खबरों का खंडन किया, जिनमें चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा अरुणाचल प्रदेश में अतिक्रमण और कैंप लगाने का आरोप लगाया गया था. सेना ने इन खबरों को गलत और बिना आधार का बताया. इंडियन आर्मी ने कहा, 'हमने कुछ मीडिया रिपोर्ट्स देखी हैं जिनमें हाल ही में चीनी पीएलए द्वारा अरुणाचल प्रदेश में अतिक्रमण और कैंप बनाने का आरोप लगाया गया है. ये रिपोर्ट्स गलत हैं और बिना किसी आधार के हैं.' भारत और चीन ने पिछले महीने बीजिंग में इंडिया-चाइना बॉर्डर अफेयर्स पर कंसल्टेशन और कोऑर्डिनेशन के लिए वर्किंग मैकेनिज्म की 35वीं मीटिंग की. विदेश मंत्रालय की एक रिलीज में बाद में कहा गया कि चर्चा कंस्ट्रक्टिव और आगे की सोच वाली थी.

दोनों पक्षों ने इंडिया-चाइना बॉर्डर एरिया में स्थिति का रिव्यू किया और बॉर्डर एरिया में शांति बनाए रखने में हुई प्रोग्रेस पर संतुष्टि जताई, जिससे द्विपक्षीय संबंध धीरे-धीरे सामान्य होने में मदद मिली है. दोनों पक्षों ने डिलिमिटेशन, बॉर्डर मैनेजमेंट, मैकेनिज्म बनाने और क्रॉस-बॉर्डर कोऑपरेशन से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की. भारतीय पक्ष ने ट्रांस-बॉर्डर नदियों पर अगले एक्सपर्ट लेवल मैकेनिज्म की जल्द मीटिंग पर जोर दिया. आज सेवानिवृत होने वाले आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि चीन बॉर्डर पर हालात स्थिर हैं. हालांकि यह अभी भी सेंसिटिव है, जिस पर लगातार नजर रखने की जरूरत है. उन्होंने यह भी कहा कि दोनों सेनाएं गलतफहमियों को रोकने और बॉर्डर से जुड़े रेगुलर मामलों को सुलझाने के लिए हर साल 1100 से ज्यादा ग्राउंड-लेवल बातचीत करती हैं. जनरल द्विवेदी ने कहा कि डिसएंगेजमेंट एग्रीमेंट ने जमीन पर स्टेबिलिटी को बेहतर बनाने में काफी मदद की है और दोनों पक्ष एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति ज्यादा रिस्पॉन्सिव दिख रहे हैं. उन्होंने कहा कि पूरी स्थिति को अच्छी तरह से बने हुए सिस्टम के जरिए मैनेज किया जा रहा है.

सुवेंदू अधिकारी सरकार ने पश्चिम बंगाल में 65 मुस्लिम उपसमूहों को अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण व्यवस्था से बाहर का रास्ता दिखाया

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने सोमवार को अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण व्यवस्था से जुड़े दो महत्वपूर्ण संशोधन विधेयकों को पारित कर राज्य की आरक्षण नीति में बड़ा बदलाव कर दिया। इन संशोधनों के तहत अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति श्रेणी से बाहर की 66 समुदायों को अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण का लाभ देने का प्रावधान किया गया है। इनमें 54 हिंदू और 12 मुस्लिम समुदाय शामिल हैं। राज्य सरकार का दावा है कि यह कदम आरक्षण व्यवस्था को कानूनी रूप से मजबूत और अधिक पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। विधानसभा में पारित किए गए दोनों विधेयकों में पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग को फिर से अधिक अधिकार दिए गए हैं। साथ ही तृणमूल कांग्रेस सरकार के समय तैयार की गई अन्य पिछड़ा वर्ग समुदायों की सूची को कानूनी मान्यता देने वाले प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है। राज्य के पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री गौरिशंकर घोष ने पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग संशोधन विधेयक 2026 तथा पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग संशोधन विधेयक 2026 को सदन में पेश किया। बहस और मत विभाजन के बाद दोनों विधेयक पारित हो गए।

इन संशोधनों के माध्यम से वर्ष 2012 में तृणमूल कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए बदलावों को वापस लेने की कोशिश की गई है। भारतीय जनता पार्टी लगातार आरोप लगाती रही है कि पिछली सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग आरक्षण का लाभ मुस्लिम समुदायों को असंतुलित तरीके से दिया, जबकि कई सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े हिंदू समुदायों की अनदेखी की गई। नई व्यवस्था में मुस्लिम समुदायों की संख्या को काफी घटाया गया है। पहले की तृणमूल सरकार द्वारा तय ढांचे में 65 मुस्लिम उपसमूह शामिल थे, जबकि अब केवल 12 मुस्लिम समुदाय ही सूची में रखे गए हैं। इसी तरह हिंदू उपसमूहों की संख्या में भी बदलाव किया गया है।

दरअसल, तृणमूल सरकार ने पहले अन्य पिछड़ा वर्ग सूची को बढ़ाकर 113 उपसमूह कर दिया था, जिनमें 77 मुस्लिम और 36 हिंदू समुदाय शामिल थे। बाद में इसे बढ़ाकर 140 उपसमूह कर दिया गया, जिनमें 77 मुस्लिम और 63 हिंदू समुदाय शामिल थे। इस व्यवस्था को कलकत्ता उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। वर्ष 2025 में उच्च न्यायालय ने इस सूची को रद्द कर दिया और कहा कि समुदायों को अन्य पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल करने की प्रक्रिया कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं थी। अदालत ने यह भी कहा था कि राज्य सरकार ने आयोग की उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया।

पिता की जान बचाने के लिए 17 साल के बेटे को कोर्ट ने दी लिवर डोनेट करने की इजाजत

नयी दिल्ली। कोर्ट ने वसंत कुंज स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज को निर्देश दिया है कि वे सभी कानूनी, नैतिक और मेडिकल नियमों का सख्ती से पालन करते हुए जल्द से जल्द यह ट्रांसप्लांट पूरा करें. जिससे नाबालिग की सेहत को कोई खतरा न हो. जस्टिस मिनी पुष्करणा की कोर्ट ने यह आदेश एक नाबालिग लड़के की याचिका पर दिया, जो उसने अपनी मां के जरिए दायर की थी. याचिका में लड़के ने ह्यमानव अंग और ऊतक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत अपने पिता उत्तम कुमार शॉ को लिवर का एक हिस्सा दान करने की अनुमति मांगी थी. पिता लंबे समय से लिवर की गंभीर बीमारी (क्रॉनिक लिवर डिजीज) से जूझ रहे हैं. यह भारत सरकार द्वारा पारित एक महत्वपूर्ण कानून है. इसका मुख्य उद्देश्य इंसानी अंगों के व्यापार (खरीद-बिक्री) को रोकना और जरूरतमंद मरीजों के लिए अंगों के सही और कानूनी ट्रांसप्लांट को बढ़ावा देना है. देश के कानून के मुताबिक, नाबालिग बच्चों का अंग दान करना पूरी तरह प्रतिबंधित है. लेकिन साल 2014 के नियमों के तहत, बेहद गंभीर और असाधारण मेडिकल स्थितियों में इसकी इजाजत दी जा सकती है. इसके लिए सरकार और संबंधित अथॉरिटी की मंजूरी जरूरी होती है. सुनवाई के दौरान दिल्ली सरकार ने कोर्ट को बताया कि दिल्ली के उपराज्यपाल और सक्षम अथॉरिटी ने 29 जून 2026 को ही नाबालिग को अपने पिता को अपने जिगर का एक हिस्सा दान करने की अनुमति दी गई थी.

बोले सर्जियो गोर, मोदी को सच्चा दोस्त मानते हैं ट्रंप, एक बार सुबह 6 बजे फोन करने को तैयार थे

एजेंसी

वाशिंगटन। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की फ्रेंडशिप को लेकर चौंकानेवाला खुलासा किया है. सर्जियो गोर US-India Strategic Partnership Forum (USISPF) लीडरशिप समिट 2026 में बोल रहे थे. सर्जियो गोर ने दोनों देशों के संबंध, व्यापार समझौते, भारत-अमेरिका की मित्रता, पीएम मोदी का अमेरिका विजिट,ट्रंप की आगामी भारत यात्रा पर अपने विचार रखे. विषय से इतर सर्जियो गोर ने डोनाल्ड ट्रंप और पीएम मोदी की मित्रता को लेकर एक किस्सा उजागर किया. उन्होंने कहा कि एक बार प्रेसिडेंट(ट्रंप) सुबह 6 बजे पीएम मोदी को फोन करने को उतावले थे,जबकि कोई शेड्यूल तय नहीं था.राजदूत सर्जियो गोर के अनुसार कुछ माह पूर्व मियामी में इवेंट से अलग ट्रंप ने अचानक कहा, प्रधानमंत्री मोदी को फोन करते हैं. सर्जियो गोर ने कहा कि उन्होंने प्रेसिडेंट को याद दिलाया कि इस समय भारत में सुबह के 6 बजे हैं. ट्रंप मुस्कुराये और जवाब दिया, वह(मोदी) जागे होंगे. वह मेरी तरह हैं, उन्हें नींद नहीं आती. सर्जियो गोर ने इस घटना को सुनाकर कहा ट्रंप मोदी को सच्चा दोस्त मानते हैं.अमेरिकी राजदूत के अनुसार ट्रंप की नजर में भारत का बहुत महत्व है. वे पीएम मोदी को विश्व के अन्य नेताओं से अलग महत्व देते हैं. सर्जियो गोर ने कहा कि कुछ नेताओं के साथ हमें चीजें पहले से शेड्यूल करनी पड़ती हैं, लेकिन मोदी के साथ अलग बात है. राजदूत गोर ने मुद्दे पर आते हुए कहास भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की बातचीत अंतिम चरण में है. सिर्फ आखिरी दौर की चर्चा की जानी है. गोर के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी 14-15 दिसंबर को मियामी में आयोजित जी-20 समिट में शामिल होने अमेरिका जाएंगे.

संक्षिप्त खबर

विदाई से पहले जनरल द्विवेदी की दो टूक— 'ऑपरेशन सिंदूर' ने हमेशा के लिए बदल दिया देश की सुरक्षा का 'न्यू नॉर्मल'

नयी दिल्ली। निवर्तमान थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपने कार्यकाल के समापन पर एक विशेष इंटरव्यू में देश की सुरक्षा रणनीति पर बात की. उन्होंने कहा कि भारतीय सेना अग्रिम मोर्चों पर बहु-आयामी युद्ध लड़ने के लिए पूरी तरह सक्षम हो चुकी है. जनरल द्विवेदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को सैन्य ताकत का नया वैश्विक मानक बताया. उन्होंने सेना के रूपांतरण, वास्तविक नियंत्रण रेखा की स्थिति और 'अग्निपथ' योजना के जमीनी नतीजों पर अपना दृष्टिकोण साझा किया. सफलता हमेशा सामूहिक होती है. हमारा ध्यान सेना के रूपांतरण, संयुक्तता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर रहा. सबसे बड़ी उपलब्धि 'ऑपरेशन सिंदूर' है. सुरक्षित संचार, साइबर नेटवर्क और सटीक मारक क्षमता का जो अभ्यास हम कर रहे थे, उसे इस ऑपरेशन ने वास्तविक युद्ध क्षेत्र में सफल साबित किया. रूपांतरण एक सतत यात्रा है. कुछ सांगठनिक सुधारों और तकनीकी एकीकरण को जमीन पर उतारने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता होती है. आधुनिकीकरण अब केवल नए हथियारों की खरीद तक सीमित नहीं है. इसमें रणनीति, सांगठनिक ढांचा, तकनीक और प्रशिक्षण एक साथ काम करते हैं. 'ऑपरेशन सिंदूर' ने साफ कर दिया कि भविष्य के युद्धों में जीत खुफिया जानकारी, सेंसर्स, निशानेबाजों और नेटवर्क को तेजी से जोड़ने पर निर्भर करेगी. इसी उद्देश्य से रुद्र ब्रिगेड, भैरव बटालियन, अश्नि ड्रोन प्लाटून और शक्तिबाण रेजिमेंट जैसी विशिष्ट यूनिट्स बनाई गई हैं. वर्तमान प्राथमिकता इन नई प्रणालियों का 'अब्जॉर्प्शन' (पूर्ण अवशोषण) है ताकि सैनिक नेटवर्क के जरिए तुरंत प्रतिक्रिया दे सकें.

राम मंदिर दान चोरी मामला : कांग्रेस ने कहा, पीएम मोदी की चुप्पी करोड़ों लोगों की आस्था पर हमला

नयी दिल्ली/अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर दान चोरी मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है. कांग्रेस अब इस मामले में ज्यादा मुखर हो गयी है. कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हल्ला बोल दिया है. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने पीएम की चुप्पी को देश के करोड़ों लोगों की आस्था पर सीधा हमला करार दिया है. साथ ही श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर गंभीर सवाल खड़े किये हैं. बता दें कि पूर्व में कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में पूरे मामले की जांच की मांग कर चुकी है, साथ ही आरोप लगाया है कि ट्रस्ट को आरटीआई अधिनियम से बाहर रखा गया है.एक अहम खबर यह है कि दान राशि की चोरी के आरोपों के बीच कांग्रेस ने आज मंगलवार को रामलला के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए 9 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भेजने की बात कही थी. प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय को करना था. लेकिन खबर है कि दर्शन से पहले ही उन्हें अयोध्या में नजरबंद कर लिया गया गया है. कांग्रेस ने आरोप लगाया कि अजय राय को सोमवार देर रात पुलिस होटल से अपने साथ ले गयी. आरोप लगाया कि अयोध्या में जमीन घोटालों और चढ़ावे की चोरी में शामिल लोगों को राम भक्तों के आने से डर लग रहा है, उन्होंने भाजपा पर आस्था पर पहरा देने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई को कायरतापूर्ण और निंदनीय बताया. कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ,सांसद किशोरी लाल शर्मा, सांसद तनुज पूनिया, सांसद राकेश राठौर, सांसद उज्ज्वल रमण सिंह, विधायक वीरेंद्र चौधरी, पूर्व सांसद एपी गौतम एवं पूर्व एमआईसी दीपक सिंह सहित अन्य शामिल थे.

अयोध्या राम मंदिर : चंपत राय ने कहा, दान चोरी की शिकायत करने में देर करना मेरी गलती

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर दान चोरी मामले में पुलिस ने ट्रस्ट के महासचिव रहे चंपत राय का बयान दर्ज कर लिया है. जानकारी के अनुसार चंपत राय ने पुलिस को बताया कि ट्रस्ट जून के पहले सप्ताह में ही जान गया था कि दान की राशि की चोरी हो रही है. चंपत राय के अनुसार उन्होंवे एसआईटी से खुद शिकायत की थी. उसी के आधार पर दान चोरी का केस दर्ज हुआ. चंपत राय ने इस बात के लिए गलती स्वीकारी की कि उन्होंने शिकायत करने में देरी की और अपनी तरफ से आंतरिक जांच करते रहे. चंपत राय ने बताया कि 5 जून क जब अविनाश शुक्ला के घर ट्रस्ट के लोग गये थे और उसके घर से कैश बरामद हुआ था. ट्रस्ट को पहले से यह जानकारी मिल गयी थी. सूत्रों के अनुसार जांच कर रहे अधिकारियों का मानना है कि चंपत राय अच्छे एडमिनिस्ट्रेटर नहीं हैं उन्होंने लापरवाही बरती है. जान लें कि पुलिस चंपत राय, गोपाल राय और अनिल मिश्रा के अलावा ट्रस्ट के अन्य सदस्यों की फाइनेंशियल डिटेल्स खंगाल रही है. सभी सदस्यों के बैंक अकाउंट्स और संपत्तियों की पड़ताल की जा रही है मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पूछताछ में यह सामने आया है कि चंपत राय के पास कई सवालों के जवाब नहीं थे. खबर है कि पुलिस ने ट्रस्ट से जुड़े पदाधिकारियों, कर्मचारियों सहित लगभग 70 लोगों को नोटिस जारी कर बुलाया है.

एसआईआर और चुनाव आयोग की भूमिका पर 23 पार्टियों का पत्र सीजेआई सूर्य कांत को

नयी दिल्ली। 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद द्वारा आज मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत को एसआईआर प्रक्रिया, चुनाव आयोग की भूमिका और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों की ओर ध्यान दिलाते हुए एक पत्र भेजा है. एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर इंडिया गठबंधन लगातार निशाना साध रहा है .कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में यह जानकारी दी है. उन्होंने कहा कि विपक्षी दल SURE (सॉलिडैरिटी, यूनिटी और रेजिस्टेंस – एकजुटता, एकता और प्रतिरोध) के सिद्धांत पर मजबूती से कायम हैं. कांग्रेस सांसद ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि इसी माह 8 जून को इंडिया गठबंधन की बैठक हुई था. 21 राजनीतिक दलों के नेताओं और एक निर्दलीय सांसद ने हिस्सा लिया था. बैठक में मुख्य न्यायाधीश को एक संयुक्त पत्र भेजने का निर्णय लिया गया था. पत्र भेजने का मकसद चुनाव आयोग द्वारा कराया जा रहा एसआईआर सहित चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों की तरफ ध्यान आकर्षित करना था. जयराम रमेश ने लिखा कि इसी फैसले के तहत, आज 30 जून को सीजेआई को संयुक्त पत्र भेज दिया गया है. इस पत्र पर अब 23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय के हस्ताक्षर हैं. आठ जून की बैठक में शामिल राजनीतिक दलों ने अलग-अलग मुद्दों पर अपनी-अपनी चिंता जताई थी. खबर है कि बैठक में 5 मुद्दों पर सहमति बनी थी.

कमल हासन ने बताया अंडरवर्ल्ड और काले धन का कड़वा सच...

मुंबई। फिल्म निर्माता कमल हासन ने साल 2017 में एक इवेंट में बताया था कि उन्होंने बॉलीवुड से दूरी क्यों बनाई। उस इवेंट में उन्होंने कहा था कि फिल्म इंडस्ट्री के अंडरवर्ल्ड से रिश्ते और काले धन का खेल उन्हें बहुत असहज करता था। उन्होंने अपने शब्दों में कहा था, 'मैं वहां नहीं रुकना चाहता था, या तो उससे लड़ूं या फिर डर के आगे झुक जाऊं।' कमल ने बताया कि काले धन से दूर रहने का यह फैसला उन्होंने बहुत पहले अपने भाई के साथ मिलकर लिया था। उन्हें यह प्रेरणा सिनेमैटोग्राफर विंसेंट से मिली थी। 1980 के दशक में 'एक दूजे के लिए' और 'सागर' जैसी हिट फिल्में देने के बाद भी, इसी फैसले की वजह से उन्होंने बॉलीवुड के बजाय ज्यादातर तमिल सिनेमा में अपना करियर बनाया।

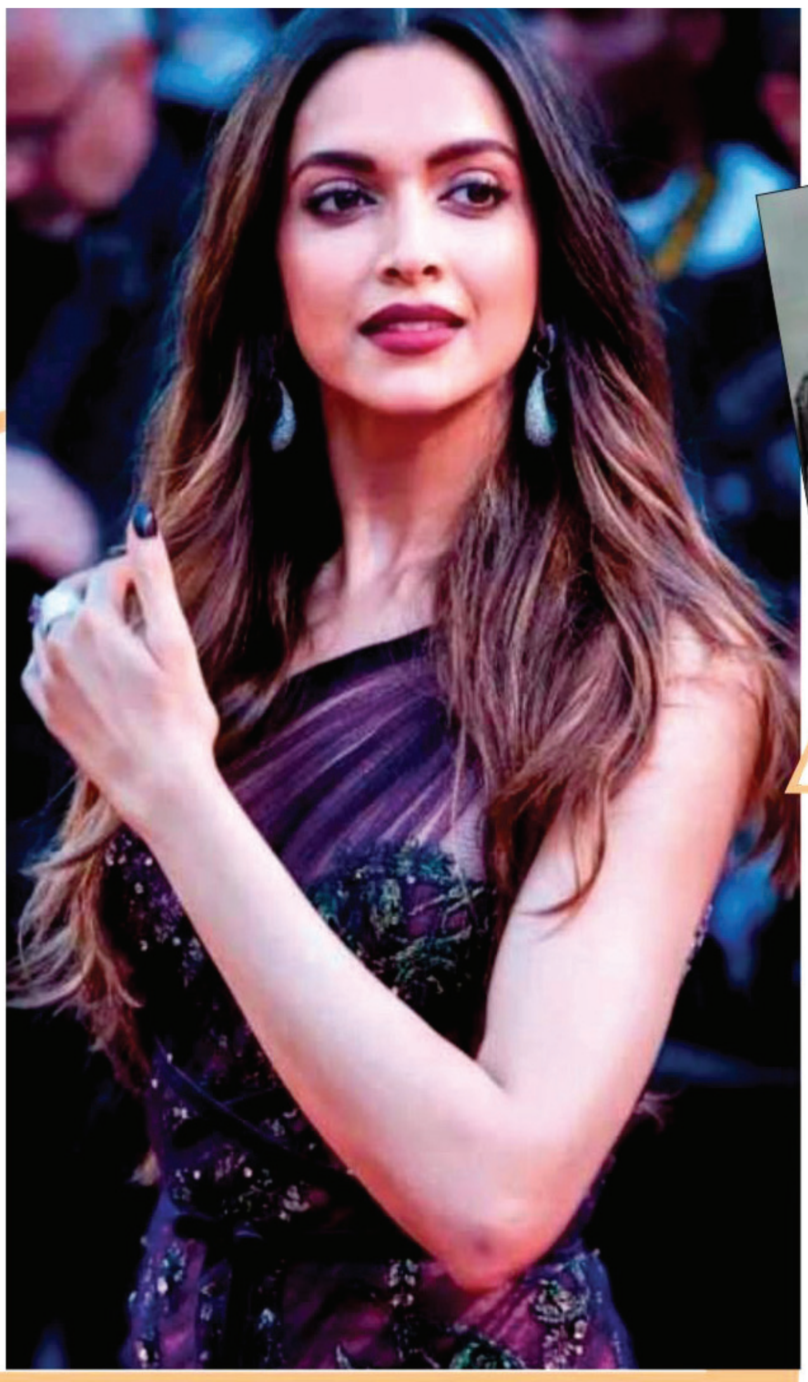

लाइफ Style

दीपिका
पहले फराह की सलाह ने बदली राह

बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शुमार दीपिका पादुकोण ने साल 2007 में सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ फिल्म 'ओम शांति ओम' से हिंदी सिनेमा में एक धमाकेदार शुरुआत की थी। फराह खान के निर्देशन में बनी इस ब्लॉकबस्टर फिल्म में शाहरुख और दीपिका दोनों ही दोहरे किरदारों (डबल रोल) में नजर आए थे।

हाल ही में रिलीज हुए अपने एक नए कुकिंग व्लॉग में फराह खान ने बताया कि उन्होंने अपनी खोज यानी दीपिका पादुकोण को उनकी पहली फिल्म 'ओम शांति ओम' के सेट पर उतारने से पहले कितनी कड़ी तैयारी करवाई थी। फराह खान ने बताया कि उन्होंने दीपिका को सीधे कैमरे के सामने खड़ा नहीं किया था। फराह ने कहा, मैंने दीपिका को लॉन्च करने से पहले उसका बहुत ख्याल रखा। फिल्म की शूटिंग शुरू होने से पहले मैंने उसे करीब 3-4 महीनों के लिए अनुपम खेर की एक्टिंग क्लास में भेजा, ताकि वह अभिनय की बारीकियां सीख सके। इसके बाद उसकी बॉडी लैंग्वेज को बेहतर करने के लिए मैंने उसे कथक डांस की क्लास जॉइन करवाई। हमने फिल्म के किरदारों के लिए उसके कई अलग-अलग लुक टेस्ट भी किए थे। फराह ने आगे एक बेहद दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए बताया, "जब फिल्म की मुख्य शूटिंग शुरू हुई, तो मैंने पहले 10 दिनों तक दीपिका का कोई भी सीन शूट नहीं किया। मैंने उससे साफ कह दिया था कि तुम पहले 10 दिन बस सेट पर आओगी और वहां चुपचाप बैठकर देखोगी कि शाहरुख खान कैसे काम करते हैं और श्रेयस तलपड़े किस तरह दृश्यों को जीवंत बनाते हैं।

हॉलीवुड मसाला

हाउस ऑफ द ड्रैगन का जलवा
बरकरार

लॉस एंजिल्स। 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' के तीसरे सीजन की शुरुआत धमाकेदार रही है। इसे पहले 3 दिनों में 2.15 करोड़ लोगों ने देखा है। यह संख्या पिछले सीजन के शुरुआती एपिसोड के 2.34 करोड़ व्यूअर्स से थोड़ी कम जरूर है। इसके बावजूद, शो की पकड़ दर्शकों पर बनी हुई है और अब निर्माताओं के चौथे और आखिरी सीजन की तैयारी कर रहे हैं। 'हाउस ऑफ द ड्रैगन' सीजन 1 बना हुआ है सबसे बड़ा एचबीओ लॉन्च- शो का सीजन 1 आज भी सबसे बड़ा एचबीओ लॉन्च माना जाता है। इसने 'गेम ऑफ थ्रोन्स' के खत्म होने के बाद एचबीओ के लिए कई नए रिकॉर्ड बनाए थे।

फिल्म 'डोंकी' की रिलीज तारीख का ऐलान...

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड निर्देशक चार्ली बीन की एनिमेटेड फिल्म 'डोंकी' से जुड़ा सबसे बड़ा अपडेट आ गया है। एनिमेशन फिल्में बनाने वाले ड्रीमवर्क्स एनिमेशन ने यूनिवर्सल पिक्चर्स के साथ मिलकर फिल्म की रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान कर दिया। यह चर्चित एनिमेटेड फिल्म 'श्रेक' (2001) फ्रैंचाइजी की एक स्पिन-ऑफ होगी, जो श्रेक के मजेदार और बड़बोले दोस्त डोंकी की शुरुआती कहानी को दिखाएगी। मशहूर अभिनेता एडी मर्फी एक बार फिर 'डोंकी' के किरदार को अपनी जादुई आवाज देंगे। यूनिवर्सल पिक्चर्स ने कुछ दिन पहले 'श्रेक 5' का टीजर जारी करते हुए बताया था कि फिल्म 2027 की गर्मियों में रिलीज किए जाने की योजना है। अब निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर 'डोंकी' की रिलीज तारीख का ऐलान भी कर दिया है। 'श्रेक 5' की रिलीज के एक साल बाद, यानी 30 जून, 2028 को यह स्पिन-ऑफ सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी।

हॉलीवुड में मेरा बेस्ट काम अभी बाकी

मुंबई। वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा उन गिने-चुने भारतीय कलाकारों में शुमार हैं, जिन्होंने बॉलीवुड के साथ-साथ हॉलीवुड में भी अपनी सफलता के झंडे गाड़े हैं। प्रतिष्ठित 'कान लायंस' सम्मेलन में अपने हॉलीवुड सफर पर चर्चा करते हुए प्रियंका ने वैश्विक मंच पर और अधिक विविध काम करने की इच्छा जताई। 'बेवॉच', 'द मैट्रिक्स रेजरेक्शन्स' और हालिया एडवेंचर फिल्म 'द ब्लफ' जैसी हॉलीवुड फिल्मों में अभिनय करने के बाद भी उनका कहना है कि पश्चिमी सिनेमा में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन आना अभी बाकी है। उन्होंने साझा किया कि भारत में उन्होंने बेहतरीन निर्देशकों के साथ हर तरह के जॉनर और किरदारों को जिया है, लेकिन अमेरिका में अंग्रेजी भाषा के काम में वे अभी तक वैसी विविधता नहीं ला पाई हैं।

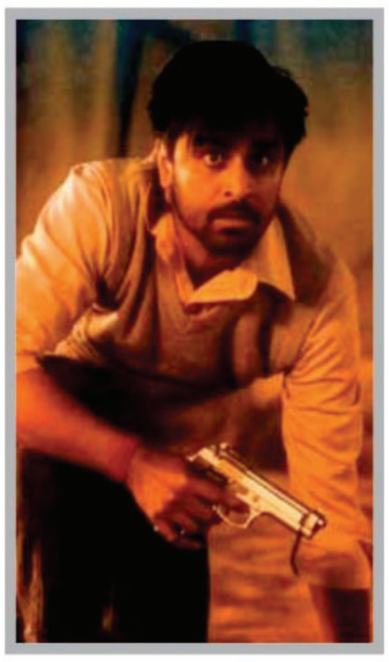

मिर्जाः द मूवी में दिखेंगे खूंखार अवतार

मुंबई। 'मिर्जापुरः द मूवी' के नए कैरेक्टर पोस्टर सामने आ गए हैं। इन पोस्टरों में फैंस को जितेंद्र कुमार, अभिषेक बनर्जी और रवि किशन के किरदारों की पहली झलक देखने को मिली है। इससे पहले एक टीजर भी आया था, जिसमें कालीन भैया, गुड्डू पंडित और मुन्ना भैया जैसे आइकॉनिक किरदार दोबारा दिखाए गए थे। ऐसे में फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त उत्साह बढ़ गया है। जितेंद्र बबलू पंडित के किरदार में हैं और वे हथियार पकड़े दिखाई दे रहे हैं। अभिषेक बनर्जी एक बार फिर इंटेंस कंपाउंडर के रूप में लौट रहे हैं, वहीं रवि किशन बबन बबुआ बनकर एक दमदार अवतार में दिखेंगे। इस फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु भी अहम किरदारों में हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और इसे पुनीत कृष्णा ने लिखा है।

टीवी मसाला

'बिग बॉस 20': चारू ने क्यों ठुकराया सलमान का शो? कारण छू लेगा दिल

मुंबई। सलमान खान के शो 'बिग बॉस सीजन 20' को लेकर सोशल मीडिया पर हलचल शुरू हो चुकी है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें, तो इस साल शो सितंबर के आखिर तक टीवी पर वापसी कर सकता है। निर्माताओं ने जानी-मानी हस्तियों को शो में शामिल करने के लिए उनसे संपर्क करना भी शुरू कर दिया है। अभिनेत्री चारू असोपा को भी प्रस्ताव दिया गया था, लेकिन उन्होंने इसे स्वीकारने की बजाए ठुकरा दिया।

'धर्मन' के लिए कसी कमर जबरदस्त है थलाइवा का अंदाज

मुंबई। तमिल सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म 'थलाइवर 173' का आधिकारिक नामकरण हो चुका है। इसे 'धर्मन- द डेडली डॉक्टर' शीर्षक दिया गया है। हाल ही में निर्माताओं ने इस ऐलान के साथ अभिनेता की पहली झलक भी सोशल मीडिया पर जारी की थी। अब ताजा अपडेट है कि सुपरस्टार ने अपनी इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। उनका एक और पोस्टर जारी किया गया है, जिससे फैंस के बीच उत्साह का माहौल है।

उनका यह अंदाज एक ऐसे डॉक्टर की एक्शन से भरपूर कहानी की तरफ संकेत देता है, जिसका एक खतरनाक विद्रोही पक्ष भी है।

डॉक्टर के लुक में दमदार दिखे रजनीकांत

राज कमल फिल्म्स इंटरनेशनल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर रजनीकांत का पोस्टर जारी किया है। इसमें अभिनेता डॉक्टर का खून से लथपथ कोट हाथ में पकड़े हुए हैं। दूसरे हाथ में उनका पहचान पत्र है, जबकि गले में स्टेथोस्कोप पड़ा हुआ है और जमीन पर कई सारी बंदूक की गोलियां बिखरी हुई हैं।

रजनीकांत और कमल हासन की एक साथ वापसी

निर्माता कमल हासन ने 'थलाइवर 173' का ऐलान इसी साल जनवरी में किया गया था। इसके जरिए वह और रजनीकांत पेशेवर तौर पर करीब 47 साल बाद साथ में आ रहे हैं। दोनों की आखिरी फिल्म 'अल्लाउदीनम अर्पुथा विलाक्कुम' (1979) में आई थी। राशि खन्ना भी फिल्म में शामिल हो चुकी हैं और कुछ दिन पहले उन्होंने सेट से मुहूर्त की तस्वीरें साझा की थीं। इस परियोजना के निर्देशन की कमान अश्वथ मारिमुथु ने संभाली है।

'वेलकम 2 द जंगल' की कमाई से होगी वीर नारियों की मदद, निर्माता ने किया ऐलान...

मुंबई। अक्षय कुमार की फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से सकरात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इसी बीच फिल्म के निर्माता फिरोज ए नाडियाडवाला ने देशभक्ति और इंसानियत की एक अनोखी मिसाल पेश की है। उन्होंने अपनी इस फिल्म की कमाई का एक हिस्सा भारतीय सशस्त्र बलों के शहीद जवानों की विधवाओं (वीर नारियों) के कल्याण के लिए दान करने का एक बेहद नेक और बड़ा संकल्प लिया है।

नाडियाडवाला का दिल जीतने वाला संकल्प

फिरोज ने ऐलान किया कि फिल्म की कमाई का एक हिस्सा भारतीय सशस्त्र बलों के शहीद जवानों की वीर नारियों के कल्याण के लिए दान किया जाएगा। ये राशि इस दिशा में काम करने वाले संगठनों को दी जाएगी। दिलचस्प बात ये है कि फिल्म की कहानी भी भारतीय सेना की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जिसमें मुख्य किरदार शुरुआत में आर्मी अफसर बनने का नाटक करते हैं, लेकिन बाद में देश की मदद के मिशन में जुट जाते हैं।

फिरोज की फिल्म निर्माताओं से अपील

फिरोज नाडियाडवाला ने कहा कि समाज के प्रति जिम्मेदारी सिर्फ बड़ी कंपनियों की नहीं, बल्कि हर नागरिक की होती है। उनका मानना है कि सभी को एक-दूसरे की मदद कर दुनिया को बेहतर बनाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि उनका उद्देश्य दूसरे फिल्म निर्माताओं को भी प्रेरित करना है। फिरोज ने सभी निर्माताओं से अपील की कि वे अपनी फिल्मों की कमाई का कुछ हिस्सा एनजीपी, खासकर अनाथ लड़कियों की मदद करने वाली संस्थाओं को दान करें।

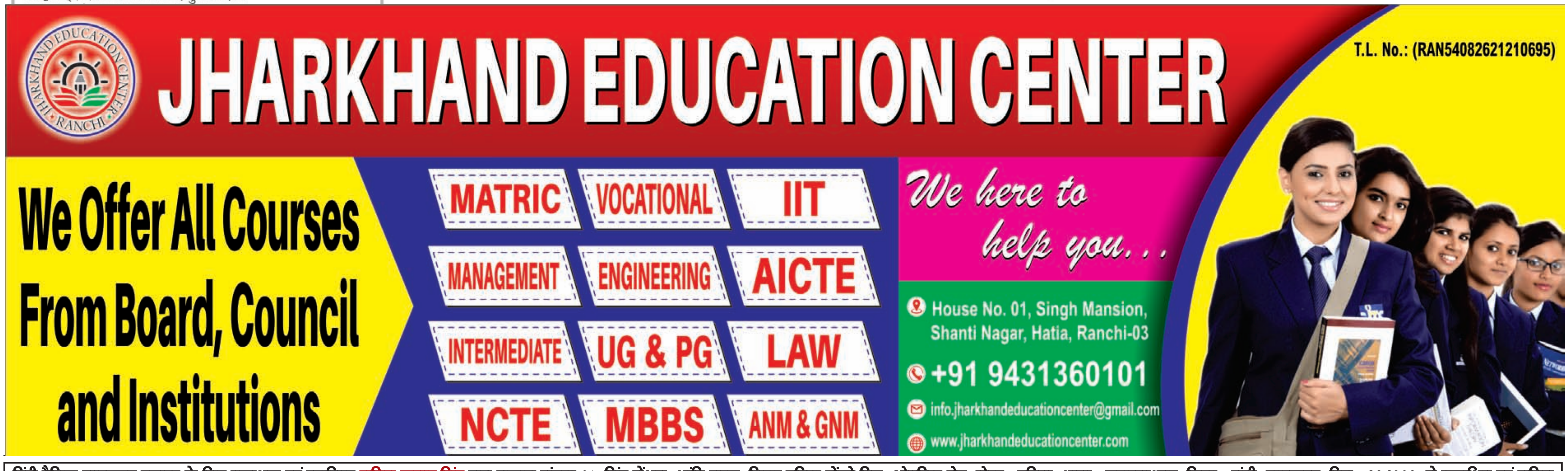

हिंदी दैनिक झारखण्ड उजाला के लिए प्रकाशक एवं स्वामित्व सचिन कुमार सिंह द्वारा मकान संख्या 01, सिंह मेंशन, शांति नगर, नियर हटिया टोंको ब्रिज, ओबरिया रोड, पोस्ट : हटिया, थाना : जगन्नाथपुर, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 834003. से प्रकाशित एवं सचिन कुमार सिंह द्वारा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, पता : काठीटांड, नियर टेंडर बगीचा, पोस्ट- रातू, थाना - रातू, जिला : रांची, झारखण्ड, पिन : 835222 से मुद्रित, संस्थापक : रनेश नारायण सिंह, संपादक : सचिन कुमार सिंह *(पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार), epaper.jharkhandujala.com, E-mail -jharkhandujala@gmail.com / hr.jharkhandujala@gmail.com / desk.jharkhandujala@gmail.com (M) +91 9431360101, (O) 0651-2290101, (fax) 0651-2290101.